THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 166 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद शु.5 2083 बुधवार, 16 सितंबर-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

शेख हसीना की पार्टी के सात नेताओं को फांसी की सजा

ढाका, 15 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल-2 ने मंगलवार को प्रतिबंधित अवामी लीग के सात वरिष्ठ नेताओं को मानवता के खिलाफ अपराधों के मामले में मौत की सजा सुनाई। इन नेताओं पर 2024 में छात्र नेतृत्व वाले प्रदर्शनों, जिन्हें 'जुलाई विद्रोह' के नाम से जाना जाता है, के दौरान हिंसा का निर्देश देने, उसे भड़काने या उसे बढ़ावा देने में भूमिका निभाने का आरोप था। तीन सदस्यीय ट्रिब्यूनल की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति मोहम्मद नजरुल इस्लाम चौधरी ने सातों के खिलाफ फैसला सुनाया। सभी आरोपियों पर मुकदमा उनकी गैरमौजूदगी में चला। मौत की सजा पाने वालों में अवामी लीग के महासचिव और पूर्व सड़क परिवहन मंत्री ओबैदुल कादेर, संयुक्त महासचिव एएफएम बहाउद्दीन नसीम और पूर्व सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री मोहम्मद अली अराफात शामिल हैं।

2000 के मर्चेंट लेनदेन पर लगेगी फीस

एपीसीआई का ऐलान : 15 अक्टूबर से लागू होगा नया सिस्टम

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। 15 अक्तूबर से चुनिंदा पर्सन-टू-मर्चेंट (पीटूएम) यूपीआई लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगेगा। यह बदलाव डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू करेगा।

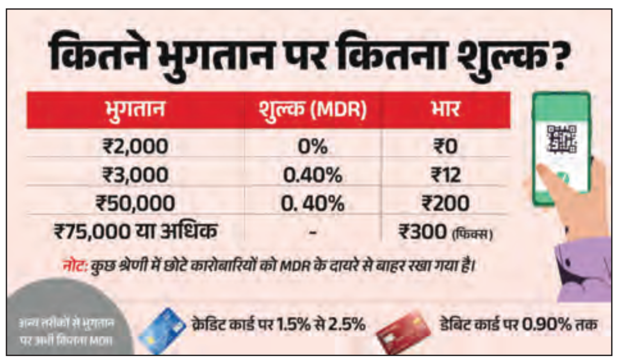

एनपीसीआई के अनुसार, 2,000 रुपये से अधिक के लेनदेन पर व्यापारियों को 0.4 फीसदी का शुल्क देना होगा। 75,000 रुपये या उससे अधिक के भुगतान पर अधिकतम शुल्क 300 रुपये तय किया गया है। यह नया ढांचा यूपीआई पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अधिक टिकाऊ वाणिज्यिक मॉडल बनाने के उद्देश्य से है। इससे प्राप्त आय का उपयोग भुगतान बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए किया जाएगा। साथ ही, साइबर सुरक्षा, नवाचार और ग्राहक सेवा को बेहतर बनाने में भी मदद मिलेगी। यह कदम डिजिटल लेनदेन को और मजबूत करेगा।

इस नए नियम से उन व्यापारियों पर सीधा असर पड़ेगा जो 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई लेनदेन स्वीकार करते हैं। उन्हें प्रत्येक ऐसे लेनदेन पर 0.4 फीसदी का शुल्क देना होगा। हालांकि, 75,000 रुपये से अधिक के बड़े भुगतानों के लिए शुल्क 300 रुपये तक सीमित रहेगा। यह शुल्क व्यापारियों के लिए एक नई लागत होगी। इसका उद्देश्य यूपीआई प्रणाली को आत्मनिर्भर बनाना है। विशिष्ट व्यापारी श्रेणियों के लिए एक निश्चित व्यापारी छूट दर (एमडीआर) लागू की गई है। इसमें रेलवे, दूरसंचार सेवाएं, बीमा और ईंधन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। यह दर 2000 रुपये से अधिक के प्रत्येक लेनदेन पर 5 रुपये निर्धारित की गई है। इन विशिष्ट क्षेत्रों पर 0.4 फीसदी की परिवर्तनीय दर के बजाय एक निश्चित शुल्क लिया जाता है। यह शुल्क लेनदेन की कुल राशि पर निर्भर नहीं करता है, बल्कि प्रति लेनदेन केवल 5 रुपये तय है। यह निश्चित दर मॉडल महत्वपूर्ण सार्वजनिक सेवाओं में संभावित लागत वृद्धि को रोकने में सहायक है। उपयोगिता बिल संग्रह और ईंधन खुदरा जैसे कम लाभ वाले क्षेत्रों में भी यह व्यवस्था लागू है। इसका मुख्य उद्देश्य आवश्यक उपभोक्ता सेवाओं को कम लागत वाला बनाए रखना है। साथ ही, यह सुनिश्चित करता है कि ये सेवाएं डिजिटल रूप से कुशल बनी रहें। यह नीति इन क्षेत्रों में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

'न्यायपालिका को भ्रष्टाचार और आलोचना जैसे मुद्दों से नहीं भागना चाहिए'

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने सोमवार को कहा कि न्यायपालिका पर जनता का भरोसा, लोगों की मंजूरी से अलग है। उन्होंने कहा कि लोगों की पसंद के फैसले देने से भरोसा नहीं बनता बल्कि निष्पक्ष तरीके से न्याय करने से जनता का विश्वास कायम होता है। सीजेआई ने यह भी कहा कि अदालतों को जांच, सवाल और जरूरत पड़ने पर आलोचना के लिए तैयार रहना चाहिए। आपको बता दें कि सीजेआई सूर्यकांत सोमवार को दिल्ली में आयोजित छठे राम जेठमलानी मेमोरियल लेक्चर में मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे और महेश जेठमलानी ने न्यायपालिका में प्रशासनिक सुधारों की जरूरत पर चिंता जताई।

'इंजीनियरों की गौरवशाली विरासत

> पीएम मोदी की भारत रत्न विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को 'राष्ट्रीय इंजीनियर दिवस' के मौके पर महान भारतीय इंजीनियर और राजनेता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि दी। इसके साथ ही बेहतर भविष्य के लिए निर्माण, इनोवेशन और समाधान तैयार करने में इंजीनियरों के योगदान की सराहना की।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर देश भर के इंजीनियरों को बधाई दी और विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने कहा, 'सभी बेहतरीन इंजीनियरों को इंजीनियर्स डे की बधाई। वे लोग जो बेहतर कल के लिए निर्माण करते हैं, नई चीजें बनाते हैं और समाधान देते हैं। सर एम. विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि, जिनकी इंजीनियरिंग की प्रतिभा और राष्ट्र-निर्माण की सोच आज भी प्रेरित करती है।' पीएम मोदी ने एक वीडियो भी शेयर किया जिसमें उन्होंने विचारों और आकांक्षाओं को ठोस उपलब्धियों में बदलने में इंजीनियरों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्हें देश की प्रगति के लिए काम करने वाले 'कर्मयोगी' बताया। उन्होंने कहा, 'इंजीनियर केवल मशीनें नहीं बनाते। वे कर्मयोगी हैं जो सपनों को हकीकत में बदलते हैं। मैं भारत के हर इंजीनियर की सराहना और प्रशंसा करता हूं। भारत में ऐसे कई इंजीनियर हुए हैं जिन्होंने अकल्पनीय को कल्पनीय में बदल दिया और ऐसे कारनामे किए जिन्हें इंजीनियरिंग की दुनिया में चमत्कार माना जाता है।' वीडियो में, प्रधानमंत्री ने विश्वेश्वरैया की शानदार विरासत और भारत की इंजीनियरिंग विरासत में उनके योगदान को भी याद किया। पीएम मोदी ने आगे कहा, 'महान इंजीनियरों की हमारी गौरवशाली विरासत में हमें एक अनमोल रत्न भी मिला, जिसके काम आज भी लोगों को आश्चर्यचकित करते हैं और वे थे भारत रत्न डॉ. एम. विश्वेश्वरैया। उनके नक्शेकदम पर चलते हुए, हमारे देश के इंजीनियरों ने पूरी दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बनाई है।' पूरे भारत में हर साल 15 सितंबर को 'राष्ट्रीय इंजीनियर दिवस' मनाया जाता है। यह दिन देश के प्रमुख सिविल इंजीनियर और जाने-माने राजनेता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिनके इंजीनियरिंग और राष्ट्र-निर्माण में दिए गए योगदान को आज भी याद किया जाता है। 15 सितंबर 1861 को जन्मे विश्वेश्वरैया, जिन्हें 'एम.वी.' से भी जाना जाता है। उन्हें व्यापक रूप से 'आधुनिक मैसूर का जनक' माना जाता है। उन्होंने सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की प्रमुख परियोजनाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

'देश को सबसे ऊपर रखना है'

चेन्नई, 15 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को 'जेन जी' और 'जेन अल्फा' पीढ़ी से नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालने और देश को सबसे ऊपर रखने का आह्वान किया। उन्होंने युवा स्नातकों से कहा कि वे यह पूछने के बजाय कि देश ने उनके लिए क्या किया है, इस पर विचार करें कि वे देश के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। यहां डॉ. एमजीआर एजुकेशनल एंड रिसर्च इंस्टीट्यट के 36वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि देश युवाओं की आकांक्षाओं को सुनने के लिए तैयार है। हालांकि, उन्होंने युवाओं से जिम्मेदारी और नागरिक कर्तव्य की गहरी भावना के साथ आगे आने की अपील की। सीतारमण ने कहा, 'आप खुद को जेन जी कहें या जेन अल्फा, हम सभी आपकी बात सुनने के लिए तैयार हैं। लेकिन आपको अपने आसपास हो रही घटनाओं, अपनी भूमिका और इस बात पर विचार करना चाहिए कि आपके माध्यम से देश के लिए क्या हासिल किया जा सकता है।' उन्होंने युवाओं से अपने-अपने क्षेत्रों में नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालने और राष्ट्रीय हित से कभी समझौता नहीं करने का आग्रह किया। सीतारमण ने कहा, नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालिए। आपको नेतृत्व करना है और देश को सबसे ऊपर रखना है।

एअर इंडिया से सरकार के तीखे सवाल

इमिग्रेशन बायपास कर म्यूनिख उड़े तीन इतालवी नागरिक, चूक का जिम्मेदार कौन?

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। देश के सबसे व्यस्त इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीएआई) पर सुरक्षा और यात्री संचालन प्रक्रिया में एक गंभीर चूक का मामला सामने आया है। अमृतसर से दिल्ली पहुंचे तीन इतालवी नागरिक बिना अनिवार्य इमिग्रेशन क्लीयरेंस पूरा किए ही म्यूनिख जाने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ान में सवार होकर देश से बाहर चले गए। इस बेहद संवेदनशील घटना का संज्ञान लेते हुए नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयर इंडिया को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। सरकार ने इसे स्वीकृत 'हब-एंड-स्पोक' प्रक्रिया का खुला उल्लंघन मानते हुए एयर इंडिया से सात दिनों के भीतर विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है। यह पूरी घटना 4 सितंबर 2026 की देर रात की है। तीन इतालवी नागरिक- सुरजीत सिंह, बलविंदर कौर और गुरदेव सिंह-अमृतसर से एयर इंडिया की डोमेस्टिक फ्लाइट AI-1115 के जरिए रात लगभग 12:50 बजे दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे थे।

चेक बाउंस मामला : राजपाल यादव को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल राहत

2 करोड़ जमा करने के लिए मिला आखिरी मौका

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। चेक बाउंस के सात मामलों में सजा का सामना कर रहे अभिनेता राजपाल यादव को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल थोड़ी राहत मिली है। उन्हें अदालत ने पैसे का इंतजाम करने के लिए दो हफ्ते का आखिरी मौका दिया है। सुनवाई के दौरान राजपाल यादव की ओर से उनके वकील ने कोर्ट से अपील की कि अभिनेता को दोबारा जेल भेजने से फिलहाल कोई फायदा नहीं होगा और उन्हें कुछ समय दिया जाए, ताकि वह रकम का इंतजाम कर सकें।

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने दो हफ्ते का समय देते हुए कहा कि कम से कम 2 करोड़ रुपए का डिमांड ड्राफ्ट जमा करना होगा। साथ ही अदालत ने साफ किया कि यह राजपाल यादव को दिया गया आखिरी मौका है। सुप्रीम कोर्ट ने राजपाल यादव को अपना पासपोर्ट भी जमा करने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने उनके पिछले व्यवहार को लेकर भी सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि उनके पुराने आचरण को देखते हुए आखिर उन पर भरोसा कैसे किया जा सकता है।

रक्षा मंत्री बोले-आज की कल्पना बनेगी कल की सैन्य ताकत

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार डीआरडीओ की ओर से आयोजित डीआरडीओ-इंडस्ट्री सिनर्जी मीट 'विमर्श 2026' को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का सपना केवल आर्थिक रूप से मजबूत देश बनाने तक सीमित नहीं है। इसका उद्देश्य ऐसा भारत बनाना है जो तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर, सामाजिक रूप से समावेशी, पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ और रणनीतिक रूप से सुरक्षित हो। भविष्य के युद्ध में तकनीकी बढ़त ही रणनीतिक बढ़त तय करेगी। आज हम जिस तकनीक की कल्पना कर रहे हैं, वही कल की सैन्य क्षमताओं का आधार बनेगी।

इस व्यापक लक्ष्य को हासिल करने में रक्षा क्षेत्र की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है और यह इस विजन का 'आधार स्तंभ' है। सिंह ने आगे कहा कि 2047 तक हमें महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता हासिल करनी होगी, स्वदेशी सामग्री के इस्तेमाल में उल्लेखनीय वृद्धि करनी होगी, रक्षा निर्यात को कई गुना बढ़ाना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि वैश्विक आपूर्ति शृंखला में भारत की मजबूत मौजूदगी हो।

शुभेंदु अधिकारी के पीए की मां नंदीग्राम से उम्मीदवार

> बंगाल चुनाव नतीजे के 2 दिन बाद चंद्रनाथ रथ की हत्या हुई थी

कोलकाता, 15 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा ने पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। पार्टी ने नंदीग्राम से हसीरानी रथ और रेजीनगर से शाश्वर सरकार को टिकट दिया है। हसीरानी रथ सीएम शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की मां हैं। 6 मई की देर रात मध्यमग्राम के पास चंद्रनाथ को गोली मार दी गई थी। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उनकी मौत हो गई।

इस साल अप्रैल-मई में हुए बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 207 सीटें जीती थीं। तृणमूल कांग्रेस को 80 और कांग्रेस को 2 सीटें मिली थीं। इन नतीजों के बाद ममता बनर्जी 15 साल बाद सत्ता से बाहर हो गईं।

नंदीग्राम में टीएमसी के दो गुट भी आमने-सामने

उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस के दोनों गुट भी आमने-सामने हैं। ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट ने नंदीग्राम से मोहम्मद एतेशामुल हक और रेजीनगर से सफीउज्जमान शेख को मैदान में उतारा है। वहीं ममता वाले गुट ने नंदीग्राम से संचिता प्रधान डे और रेजीनगर से पूर्व विधायक रबीउल आलम चौधरी को उम्मीदवार बनाया है। दोनों गुट खुद को असली टीएमसी बताते हुए 'जोड़ा घास फूल' चुनाव चिह्न पर दावा कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने दोनों पक्षों से अतिरिक्त दस्तावेज मांगे हैं और 16 सितंबर तक जवाब देने को कहा है। अगर उपचुनाव से पहले आयोग इस विवाद पर फैसला नहीं कर पाता है, तो मौजूदा चुनाव चिह्न फ्रीज किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में दोनों गुटों को अलग नाम और चुनाव चिह्न के साथ मैदान में उतरना पड़ सकता है।

कांग्रेस ने नंदीग्राम से मिलन प्रधान और रेजीनगर से मोहम्मद अब्दुल्लाहिल काफी को उम्मीदवार बनाया है। सीपीआई(एम) ने रेजीनगर से अधिवक्ता सैयद असद अली को और सीपीआई ने नंदीग्राम से शांति गोपाल गिरी को टिकट दिया है।

नंदीग्राम से शुभेंदु ने ममता को हराया, लगातार दो बार से भाजपा जीत रही

नंदीग्राम लंबे समय से टीएमसी और भाजपा के बीच राजनीतिक संघर्ष का प्रमुख केंद्र रहा है। इस क्षेत्र में 2007 के भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन ने ममता बनर्जी और टीएमसी को 2011 में सत्ता तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। 2021 में ममता बनर्जी ने यहीं से बंगाल के मौजूदा सीएम शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ चुनाव लड़ा, लेकिन हार गईं। 2026 के विधानसभा चुनाव में शुभेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम के साथ भवानीपुर सीट से भी चुनाव लड़ा और दोनों जगह जीत दर्ज की। बाद में अधिकारी ने भवानीपुर सीट अपने पास रखी और नंदीग्राम से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद नंदीग्राम सीट खाली हुई।

दो-तिहाई तेजी से पिघलने लगा हिमालय

हिंदू कुश के 'सूखने' का संकट, भारत पर मंडरा रहा सबसे भयानक खतरा

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। हिमालय के पिघलने को लेकर एक नई स्टडी सामने आई है, जिसकी रिपोर्ट बहुत ही भयावह है। खासकर के भारत पर बहुत बड़ा खतरा मंडरा रहा है, जिसके लिए सबसे बड़े गुनहगार के रूप में ईंट-भट्ठे उभर कर आ रहे हैं। शोध का सबसे बड़ा नतीजे ये है कि एक दशक पहले के मुकाबले अब हिमालय के ग्लेशियर करीब दो-तिहाई या 65 फीसदी ज्यादा तेजी से पिघल रहे हैं।

शोध में पता चला है कि भले ही हिमालय क्षेत्र में भारत की भूमि मात्र 18% ही पड़ती हो, लेकिन हिमालय क्षेत्र की एक-तिहाई से ज्यादा प्राकृतिक आपदाएं इसी क्षेत्र में ही होती हैं।

यह शोध ग्लोबल कंसल्टेंसी सिस्टमिक ने इंटीग्रेटेड माउंटेन इनिशिएटिव के साथ मिलकर किया है। इसमें इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेपलपमेंट और जीबी पंत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन एनवायरनमेंट ने भी योगदान दिया है।

मसूद अजहर पर 70 लाख का इनाम

पूर्व डीजीपी बोले-दुनिया की नजरों में धूल झोंक रहा पाकिस्तान

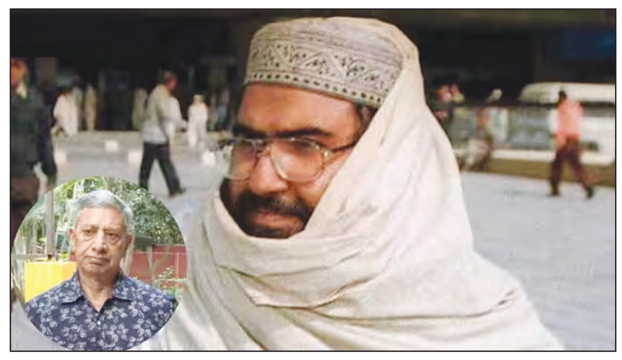

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की ओर से आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के दावे एक बार फिर सवालों के घेरे में हैं। जम्मू-कश्मीर के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एसपी वैद ने कहा है कि पाकिस्तान का जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर को भगोड़ा घोषित करना सिर्फ एक छलावा है। पाकिस्तान दुनिया की नजरों में धूल झोंकने की कोशिश कर रहा है ताकि लोगों को गुमराह किया जा सके।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी बोले-सब छलावा है

एसपी वैद्य ने कहा, 'मुझे पता है कि पाकिस्तान ने जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर पर 70 लाख का इनाम घोषित किया है। असल में, यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय, खासकर एफएटीएफ टीम को गुमराह करने की कोशिश है, जिसके अक्टूबर में पाकिस्तान आने की उम्मीद है। वे पाकिस्तान को ग्रे या ब्लैक लिस्ट में जाने से बचाना चाहते हैं। इसलिए, यह पाकिस्तान की सेना और वहां के तंत्र की ओर से अंतरराष्ट्रीय समुदाय को धोखा देने की एक कोशिश भर है।'

पाकिस्तान ने मसूद अजहर को भगोड़ा घोषित किया

असल में, पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी यानी एफआईए ने अपनी नई 'रेड बुक' में जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर को भगोड़ा घोषित किया है।

उसके सिर पर घोषित इनाम को भी बढ़ाकर 70 लाख पाकिस्तानी रुपए कर दिया गया है। लेकिन रक्षा विशेषज्ञ इसे अंतरराष्ट्रीय निगरानी से बचने की पाकिस्तान की एक और कोशिश मान रहे हैं। मसूद अजहर पाकिस्तान में ही ामने आया है, जब अक्टूबर में वित्तीय कार्रवाई कार्यबल यानी एफएटीएफ की पूर्ण बैठक होने वाली है।

पाकिस्तान पर पहले भी आतंकवाद के लिए फंडिंग और सीमा पार आतंकवाद को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई दिखाकर पाकिस्तान दोबारा निगरानी और संभावित कार्रवाई से बचने की कोशिश कर रहा है। मसूद अजहर के मामले में पाकिस्तान का दावा भी लगातार सवालों में रहा है।

दो हादसों में सात की मौत

फ्रिज फटने से चार लोगों ने गंवाई जान, दूध टैंकर की टक्कर में तीन की मौत

बंगलूरू, 15 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में मंगलवार को दो अगल-अलग घटनाओं में सात लोगों की मौत हो गई। पहली घटना रेफ्रिजरेटर फटने से हुई है। वहीं, दूसरी घटना दूध के टैंकर ने पीछे से एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।

पुलिस ने मंगलवार को बताया कि बेलगावी एक घर में कथित तौर पर रेफ्रिजरेटर फटने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। वहीं, दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि यह घटना सोमवार देर रात चावत गली में घटी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान गजानन धमोणे (65), रोशन धमोणे (21), शारदा धमोणे (45) और भारती धमोणे (50) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि इस घटना में प्रिया धामोने (28) और गंगा धामोने (25) गंभीर रूप से घायल हो गईं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जानकारी से पता चला है कि घर के अंदर एक रेफ्रिजरेटर के फटने से आग लगी।

आग की लपटें तेजी से पूरे घर में फैल गईं, जिससे अंदर फंसे लोग बाहर नहीं निकल पाए।आग लगने की घटना मार्केट पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में दर्ज की गई थी। आग लगने के सटीक कारण का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। वहीं, मांड्या जिले में मंगलवार तड़के एक दूध के टैंकर ने पीछे से एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई, जिनमें एक नौ वर्षीय बच्ची भी शामिल थी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना मांड्या जिले के मद्दूर तालुक के अंतर्गत कोप्पा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में सुबह 5.30 बजे से 6 बजे के बीच हुई।

मेटा बच्चों से जुड़े यौन शोषण मामलों की जानकारी देगा

भारतीय एजेंसियों को रिपोर्ट करेगा सरकार से बातचीत के बाद रजामंदी

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। टेक कंपनी मेटा ने बच्चों के यौन शोषण और उनकी सुरक्षा से जुड़े दूसरे मामलों की जानकारी देने पर सहमति जताई है। यह जानकारी संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों को दी जाएगी। सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

यह सहमति केंद्र सरकार और मेटा की ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर हानिकारक कंटेंट पर रोक लगाने को लेकर जारी बातचीत में बनी है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि भारत में काम करने वाले किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा जरूरी है। इस मामले में कोई समझौता नहीं किया जा सकता। सरकार ने यह भी साफ किया है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए खुद से जरूरी कदम नहीं उठाने वाले प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक मेटा का यह फैसला बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षित रखने की दिशा में शुरुआती कदम है। इस दिशा में अभी और काम करने की जरूरत है।

दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से बातचीत जारी

सरकार दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के साथ भी बातचीत कर रही है। इन प्लेटफॉर्म्स और ऑनलाइन इंटरमीडियरीज से भी बच्चों से जुड़े हानिकारक कंटेंट की पहचान कर उसे हटाने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा जा रहा है।

मेटा के अधिकारियों को बाल संरक्षण आयोग ने बुलाया था

9 सितंबर को मेटा इंडिया के प्रतिनिधि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के कार्यालय पहुंचे थे। आयोग ने कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और मेटा इंडिया के प्रमुख को चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लॉइटेशन एंड एब्यूज मटेरियल (सीएसईएएम) से जुड़े कथित विज्ञापनों की जांच के सिलसिले में तलब किया था। एनसीपीसीआर ने 3 जुलाई 2026 को एक मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया था। रिपोर्ट में मेटा के स्वामित्व वाले प्लेटफॉर्म्स पर सीएसईएएम से जुड़े कथित विज्ञापनों का जिक्र था। इसके बाद आयोग ने मेटा प्लाटफॉर्मस, ईंक. को नोटिस जारी कर इन आरोपों पर जवाब मांगा था। मेटा ने नोटिस के एक सप्ताह बाद आयोग को अपना जवाब सौंप दिया था।

त्विशा शर्मा कांड में आरोपी गिरिबाला सिंह को हाईकोर्ट से फिलहाल राहत नहीं

सीबीआई ने किया जमानत का विरोध

जबलपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। भोपाल के बहुचर्चित त्विशा शर्मा आत्महत्या मामले में पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह को फिलहाल हाईकोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है। मंगलवार को उनकी जमानत याचिका पर जस्टिस अजय कुमार निरंकारी की एकल पीठ ने सुनवाई की। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने जमानत याचिका का विरोध किया। सीबीआई की ओर से आपत्ति दर्ज कराते हुए लिखित जवाब पेश करने के लिए समय मांगा गया। इस पर हाईकोर्ट की एकल पीठ ने सीबीआई को लिखित आपत्ति प्रस्तुत करने के लिए एक सप्ताह की मोहलत दे दी। अब मामले की अगली सुनवाई सीबीआई के जवाब के बाद होगी।

गौरतलब है कि बहू की आत्महत्या के मामले में गिरिबाला सिंह और उनके बेटे के खिलाफ भोपाल के कटारा थाने में प्रकरण दर्ज किया गया था। मामले में पूर्व में भोपाल जिला एवं सत्र न्यायालय ने उन्हें अग्रिम जमानत का लाभ दिया था। इसके बाद मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। हाईकोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत निरस्त कर दी थी। अब गिरिबाला सिंह की ओर से जमानत के लिए दोबारा हाईकोर्ट का रुख किया गया है।

मंगलवार को हुई सुनवाई में सीबीआई ने जमानत का विरोध करते हुए अपनी आपत्ति दर्ज कराई। हालांकि लिखित आपत्ति पेश करने के लिए एक सप्ताह का समय मिलने के कारण हाईकोर्ट ने फिलहाल जमानत याचिका पर कोई अंतिम राहत नहीं दी है। मामले में अगली सुनवाई सीबीआई के जवाब के बाद होगी।

धार वराह मार्च आयोजन से जुड़े 12 लोग हिरासत में

1000 जवान शहर में तैनात; ड्रोन से रखी जा रही नजर

धार, 15 सितंबर (एजेंसियां)। धार में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। यहां अब तक 12 लोगों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। संप्रादायिक माहौल बिगड़ने की आशंका के मद्देनजर प्रशासन ने पीजी कालेज मैदान को सील भी कर दिया गया है। शहर में 1000 से ज्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात कर दिए गए हैं। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने आयोजन की अनुमति निरस्त कर दी है। इसके साथ ही शहर में लगाए गए मार्च से संबंधित पोस्टर और होर्डिंग्स भी हटवा दिए गए हैं। तनाव की आशंका को देखते हुए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने गंजीखाना स्थित संरक्षित परिसर को मंगलवार को आमजन के लिए पूरी तरह बंद रखने का आदेश दिया है।

दरअसल धार में सनातन प्रहरी समिति की ओर से वराह मार्च का आयोजन करने की तैयारी थी। इसके लिए बाइक रैली निकाली जानी थी। जो पी जी कॉलेज मैदान से शुरू होकर विजय मंदिर यानि लाट मस्जिद जानी थी। विजय मंदिर को साल में दो बार खोला जाता है। एक बार हिंदू समाज के लिए दशहरे में और एक बार मुस्लिम समाज के लिए ईद पर। इन दोनों अवसरों के अलावा सनातन प्रहरी समिति चाहती थी कि मंदिर को दर्शन के लिए खोला जाए। पुलिस और प्रशासन ने माहौल ना बिगड़े इसकी वजह से समिति से जुड़े 12 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

पीजी कॉलेज मैदान पूरी तरह सील पी जी कालेज मैदान में लोग यहां जमा ना हो इसके लिए पी जी कालेज मैदान को सील कर दिया गया है। चारों तरफ से मैदान को पुलिस ने घेर लिया है।

ठाकरे परिवार की छवि खराब करने की साजिश : संजय राउत

मुंबई, 15 सितंबर (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने आरोप लगाया है कि दिशा सालियन मामले में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) की ओर से दर्ज एफआईआर ठाकरे परिवार की छवि खराब करने की कोशिश है। उन्होंने यह बात मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा कि दिशा सालियन की मौत के मामले में आया नया मोड़ एक राजनीतिक साजिश है। जिस तरह से यह मामला कोर्ट पहुंचा और कोर्ट ने (मामला सीबीआई को सौंपने का) आदेश दिया। वह एक साजिश है। आदेश में खास तौर पर सीबीआई जांच की बात कही गई है, लेकिन किसी का नाम नहीं लिया गया है। फिर भी मीडिया में नाम लिए जा रहे हैं।' राउत की यह प्रतिक्रिया तब आई है जब सीबीआई ने दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियन की मौत के मामले में एफआईआर दर्ज की है।

जमानत मांगने पहुंचे थे निलंबित डीआईजी

सुप्रीम कोर्ट हो गया सख्त सीजेआई बोले-100 फीसदी बर्खास्तगी का मामला

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार पंजाब पुलिस के निलंबित डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर की दूसरी जमानत याचिका पर सुनवाई चार सप्ताह के लिए टाल दी।

भुल्लर की दूसरी जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बेहद सख्त टिप्पणी की और इसे '100 फीसदी बर्खास्तगी का मामला' बताया और संकेत दिया कि महत्वपूर्ण गवाहों के बयान दर्ज होने के बाद जमानत पर विचार किया जा सकता है। भुल्लर को पिछले साल अक्टूबर में भ्रष्टाचार के एक मामले में सीबीआई ने गिरफ्तार किया था।

चार सप्ताह बाद होगी अगली सुनवाई

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने मामले को चार सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। पीठ ने संकेत दिया कि कुछ महत्वपूर्ण गवाहों के बयान दर्ज होने के बाद ही जमानत याचिका पर विचार किया जाएगा। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने टिप्पणी की, 'यह 100 फीसदी बर्खास्तगी का मामला है! आप अभी बर्खास्तगी चाहते हैं या बाद में?'

वकील ने बताई महत्वपूर्ण गवाहों की स्थिति

भुल्लर की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि शिकायतकर्ता और कुछ महत्वपूर्ण गवाहों से अभी पूछताछ नहीं हुई है, जबकि कुछ अन्य गवाहों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। भुल्लर ने 10 अगस्त को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा उनकी जमानत याचिका खारिज किए जाने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

'मेरी ऑन द स्पॉट डेथ हो सकती थी टक्कर मारने के बाद रुके क्यों नहीं?'

गुरुग्राम हिट-एंड-रन मामले में आरोपी कल्याण बैंसला गिरफ्तार

एफआईआर में हत्या के प्रयास की धारा जोड़ी

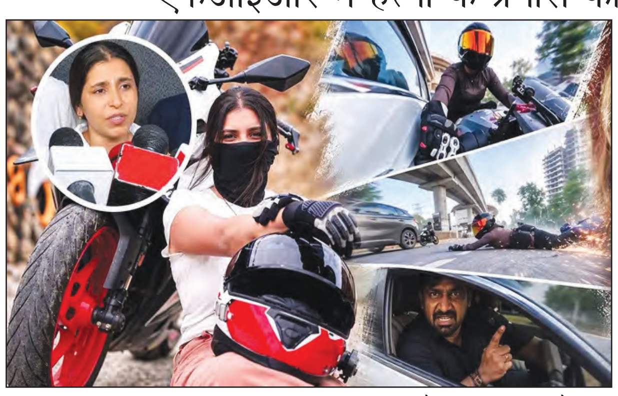

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। गुरुग्राम में महिला बाइकर शिवानी चौहान उर्फ सिया को टक्कर मारने के आरोपी कार चालक कल्याण बैंसला को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के द्वारा बैंसला के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर में हत्या की कोशिश की धारा भी जोड़ी गई है। जिम संचालक एवं खुद को अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी बताने वाले बैंसला ने कहा कि उसे डर था कि बाइक सवारों का ग्रुप उसके साथ मारपीट कर सकता है इसलिए वह मौके से भाग गया। विवाद के बाद आरोपी ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट भी बंद कर दिया है।

हिट-एंड-रन का यह मामला सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हो गया है। सिया ने आरोपी कल्याण बैंसला से सवाल पूछा है कि अगर वह बेकसूर हैं तो उन्होंने टक्कर मारने के बाद मदद के लिए अपनी गाड़ी क्यों नहीं रोकी? 13 सितंबर को सिया और उसके कुछ बाइकर दोस्त 'संडे राइड' पर निकले थे। सिया अपनी अप्रिलिया RS 457 स्पोर्ट्स बाइक चला रही थीं। सिया के द्वारा जारी किए गए वीडियो में बैंसला को हरियाणा के नंबर प्लेट वाली कार चलाते हुए देखा जा सकता है।

कल्याण बाइकर के ग्रुप के पीछे चल रहा था और फिर अचानक सिया की लेन में आया और उसकी बाइक को टक्कर मारकर भाग गया। दूसरे बाइकर अभिषेक शर्मा ने पूरी घटना को अपने हेलमेट पर लगे कैमरे में रिकॉर्ड किया था। सिया और उसके दोस्तों के मुताबिक, कल्याण बैंसला ने जानबूझकर लेन बदली और सिया को टक्कर मारी क्योंकि उसने बैसला के कहने पर भी बाइक किनारे नहीं की थी। अभिषेक शर्मा ने कहा, "उस आदमी ने जानबूझकर उसे टक्कर मारी... उसने उसे रुकने के लिए कहा था लेकिन अपनी सुरक्षा की वजह से वह नहीं रुकी, इसलिए उसने उसे इतनी जोर से टक्कर मारी और भाग गया।" एक अन्य बाइकर, जिसने कल्याण बैंसला को रोकने की कोशिश की थी, उसने भी इससे जुड़ा वीडियो पोस्ट किया।

दिल्ली जिम ट्रेनर मर्डर : विजय की हत्या की हिमांशु भाऊ गैंग ने ली जिम्मेदारी

ताबड़तोड़ बरसाई थीं 15-20 गोलियां

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। दक्षिण दिल्ली के आया नगर में सोमवार सुबह दिनदहाड़े जिम ट्रेनर विजय कुमार की हत्या से सनसनी फैल गई। फतेहपुर बेरी थाना क्षेत्र में हंसा चौक के पास स्थित 'द परफेक्ट जिम' से बाहर बुलाकर बाइक सवार दो हमलावरों ने विजय पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। पुलिस के मुताबिक, वारदात में करीब 15 से 20 राउंड फायरिंग की गई। मौके से आठ से अधिक खोखे और एक कारतूस बरामद हुआ है। हमलावर वारदात के बाद मौके से फरार हो गए। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर कई टीमें आरोपियों की तलाश में लगा दी हैं। वहीं, इस हत्याकांड को लेकर सोशल मीडिया पर हिमांशु भाऊ के नाम से एक पोस्ट आई है। इसमें हत्या की जिम्मेदारी लेने का दावा किया गया है। दक्षिण जिले के पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल ने बताया कि विजय को कई गोलियां लगी थीं। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वारदात सुबह करीब 10:30 बजे हुई। पुलिस की शुरुआती जांच में व्यक्तिगत दुश्मनी की आशंका सामने आई है। हालांकि, मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस पुरानी पारिवारिक रंजिश और गैंगवार समेत कई पहलुओं से जांच कर रही है। विजय के चाचा देवेंद्र के मुताबिक, विजय जिम ट्रेनर था। उसके माता-पिता का निधन हो चुका है।

'छात्रों की गूंज' का 5वां शो 19 को

इंदौर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम का पांचवां आयोजन इंदौर में 19 सितंबर को होगा। कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे के बाद इंदौर को चुना गया है और इसे ऐतिहासिक बनाने के लिए कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक दी है। कांग्रेस पार्टी ने रीजनल पार्क के सामने इन्दौर विकास प्राधिकरण की जमीन पर यह आयोजन करने जा रही है। 10 लाख से ज्यादा जमीन का किराया चुकाया गया है। मैदान को 'भारत जोड़ो मैदान' का नाम दिया गया है। यहां डेढ़ लाख स्कीयर फिट में विशाल डोम तैयार हो रहे हैं। 50 हजार से ज्यादा छात्रों के बैठने की व्यवस्था और लाइव टेलीकास्ट की प्लानिंग है।

दो संभाग से Gen-Z की फौज

खास बात यह है कि इस बार सिर्फ इंदौर नहीं, इंदौर और उज्जैन संभाग के अलावा पूरे प्रदेश से Gen-Z को बुलाया जा रहा है। एनएसयूआई की दिल्ली टीम ने ऑनलाइन पोर्टल पर अब तक 1 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन का दावा किया है। हर जिले से बसें बुक की गई हैं। कांग्रेस की कोशिश है कि पेपर लीक, बेरोजगारी और शिक्षा की महंगाई के मुद्दे पर युवाओं की भीड़ से 2028 से पहले मालवा में नई हवा बनाई जाए।

मशक्कत लोकल की, कमान दिल्ली की

कांग्रेस आयोजन को सफल बनाने के लिए दिन-रात मशक्कत कर रही है। बैठकों का दौर जारी है ओर पैसा भी खूब खर्च किया जा रहा है। लेकिन खास बात यह है कि कांग्रेसी आयोजन के अंदुरूनी हिस्से से बाहर रहेंगे। राहुल गांधी की टीम के हाथों कमान रहेगी।सूत्रों के मुताबिक आयोजन की पूरी कमान राहुल गांधी की कोर टीम और एनएसयूआई की नेशनल टीम के 12 सदस्यीय दल ने संभाल रखी है। किस छात्र को माइक मिलेगा, क्या सवाल पूछा जाएगा, मंच पर कौन बैठेगा - ये सब दिल्ली से तय हो रहा है।बड़े नेताओं ने मोर्चा थाम रखा है। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी खुद रोज मैदान का जायजा ले रहे हैं, शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे और जिला अध्यक्ष विपिन वानखेड़े भीड़ जुटाने ओर व्यवस्थाओं में जुटे हैं।लेकिन ख़बर है कि आयोजन के अंदरूनी हिस्से - स्टेज मैनेजमेंट और छात्र चयन में राहुल की टीम की ही बड़ी भूमिका में है।एक वरिष्ठ नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा- हम पोस्टर-बैनर और भीड़ लाने तक सीमित हैं, अंदर की स्क्रिप्ट राहुल जी की टीम लिख रही है। कुल मिलाकर कांग्रेस इस आयोजन के जरिए मध्यप्रदेश मेंGen-Z के बीच पैठ बनाना चाहती है। आयोजन को लेकर यूथ ओर स्टूडेन्ट्स में उत्साह भी भी देखा जा रहा है। कांग्रेस के दावे के अनुसार डेढ़ लाख के करीब ऑनलाइन पंजीयन हो चुका है। कांग्रेस की उम्मीद है कि 30से 40 हज़ार जेन जी आएंगे। यदि ऐसा होता है तो युवाओं को साधने के मामले में कांग्रेस के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी। आने वाले चुनाव में कांग्रेस के लिए अनुकूल संकेत रहेगा। राहुल गांधी की मौजूदगी में आयोजित छात्रों के गूंज कार्यकम को लेकर मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार में खलबली मची हुई। दरअसल में छात्रों की गूंज कार्यकम जहा जहा कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा का आयोजन बन गया है, वहीं भाजपा की नींद उड़ाने वाला।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
बुधवार, 16 सितंबर, 2026 3

सुविचार
कर्म एक ऐसा रेस्टोरेंट है जहाँ हमें आर्डर देने की कोई जरूरत नहीं। हमें वही मिलता है जो हमने पकाया है।

छोटी-सी है जिंदगी, तकरार किस लिए,
रहती है दिलों में, ये दीवार किस लिए,
है साथ कुछ दिनों का, फिर सब जुदा-जुदा,
तो राहों में हम बिछाएँ काँटे किसलिए।।

हम बहुत ध्यान रखते हैं कि, हमसे कोई नाराज न हो,
फिर भी व्यवहार में वार्तालाप में, कहीं न कहीं भूल हो सकती है।
संवत्सरी के इस महान क्षमापर्व पर
मेरे द्वारा व्यक्तिगत व मेरे परिवार
द्वारा आपका दिल दुखाया गया हो तो
मैं अंत:करण से क्षमायाचना करता हूँ।

क्षमापना

शैलेश - आरती, विशाल - प्रेक्षा, काजल, वंश, गौरव, विहाना, अव्यांश एवं समस्त आंचलिया परिवार
अमृत कुमार मीनाक्षी जैन

सरकार अनुसूचित जाति, जनजाति के कल्याण को प्राथमिकता दे रही है : भट्टी

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता) । उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों के कल्याण और समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और शिक्षा क्षेत्र के लिए आवश्यक धनराशि आवंटित करने में संकोच नहीं करेगी। प्रजा भवन में सामाजिक कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण के साथ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण पर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि 'इंदिरम्मा राजयम' के तहत प्राथमिक उद्देश्य समाज के हाशिए पर पड़े और कमजोर वर्गों के लिए एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित करना है। बैठक में प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं के प्रदर्शन और कार्यान्वयन, आवासीय शिक्षण संस्थानों के प्रबंधन, बुनियादी ढांचे के उन्नयन, छात्रवृत्तियों, अध्ययन मंडलों और स्वरोजगार पहलों पर ध्यान केंद्रित किया गया। भट्टी विक्रमार्क ने युवा सशक्तिकरण के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए राजीव युवा विकासम योजना के लिए आवंटित बजट राशि पर प्रकाश डाला। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्वरोजगार इकाइयों के लिए प्रति लाभार्थी 1 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता का पहला चरण 19 नवंबर से शुरू किया जाए।सुचारू कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए, अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे आवेदन सीधे संबंधित कार्यालयों में प्राप्त करें और संबंधित जिला कलेक्टरों की देखरेख में पूर्ण पारदर्शिता के साथ चयन प्रक्रिया का संचालन करें।

कर्मचारियों से किए गए वादों को पूरा करे सरकार: कविता

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता) । तेलंगाना रक्षा सेना (टीआरएस) की अध्यक्ष कलवाकुंतला कविता ने मंगलवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों से किए गए वादों को 18 सितंबर तक पूरा करने की मांग की और चेतावनी दी कि यदि उनकी शिकायतों का समाधान नहीं किया गया तो वे अपना आंदोलन तेज कर देंगे। बाघलिंगमपल्ली में टीआरएस द्वारा आयोजित कर्मचारी और शिक्षक मुद्दों पर एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए, कविता ने कहा कि सरकारी कर्मचारी मुख्यमंत्री के गुलाम नहीं हैं और सरकार पर उनकी चिंताओं को कथित तौर पर नजरअंदाज करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कर्मचारी संघों से आह्वान किया कि यदि मुख्यमंत्री समय सीमा तक जवाब देने में विफल रहते हैं तो हैदराबाद की नाकाबंदी के लिए तैयार रहें और उन्हें टीआरएस के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। कविता ने रेवंत रेड्डी पर बार-बार अपने वादों से मुकरने का आरोप लगाया और कहा कि कर्मचारियों और शिक्षकों की शिकायतों का समाधान करने के बजाय उन्हें धमकाया जा रहा है।

कल से तेलंगाना में आंधी-तूफान और बारिश का अनुमान

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत मौसम विज्ञान विभाग हैदराबाद ने मंगलवार को एक पूर्वानुमान जारी किया जिसमें 17 से 22 सितंबर के बीच तेलंगाना के सभी हिस्सों में आंधी-तूफान के साथ हल्की से मध्यम बारिश का संकेत दिया गया है।

व्यापक आंधी-तूफान की गतिविधि के अलावा, आईएमडी हैदराबाद के पूर्वानुमान में मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम और खम्मम जिलों के लिए 19 और 20 सितंबर के बीच भारी बारिश (64.5 मिमी से 115.5 मिमी) का भी संकेत दिया गया है। मौसम विभाग ने 21 और 22 सितंबर के बीच तेलंगाना के सभी हिस्सों के लिए भारी बारिश की चेतावनी भी जारी की है।

लोथुकुंटा ज़मीन का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने समय-सीमा (लिमिटेशन) के आधार पर एसएलपी खारिज की

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाइड्रा कमिश्नर एवी रंगनाथ ने बताया कि लोथुकुंटा ज़मीन मामले में स्पेशल लीव पिटिशन (एसएलपी) को सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को तकनीकी आधार पर खारिज कर दिया, क्योंकि यह समय-सीमा (लिमिटेशन) के दायरे से बाहर थी; इसे अपील के लिए तय सामान्य 90 दिनों की समय-सीमा के 219 दिन बाद दायर किया गया था। हाई कोर्ट की डिवीज़न बेंच ने भी समय-सीमा से प्रभावित इस अपील पर सुनवाई की थी। रंगनाथ ने कहा कि हाइड्रा सभी स्टेकहोल्डर्स, राज्य सरकार और कानूनी विशेषज्ञों के साथ चर्चा करेगा और भविष्य की कार्रवाई तय करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि हाइड्रा शुरू से ही कहता आ रहा है कि एक बार सही सर्वे हो जाने पर सारे तथ्य सामने आ जाएँगे।

अधिकारियों ने कोंडा सुरेखा के सचिवालय कक्षों को बंद किया

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कैबिनेट से बर्खास्तगी के कुछ दिनों बाद, मंगलवार को अधिकारियों ने सचिवालय में पूर्व मंत्री कोंडा सुरेखा के कक्ष को, साथ ही उससे जुड़े तीन पेशी कार्यालयों को भी बंद कर दिया। इसी दौरान, उनकी पेशी में तैनात आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को उनके कर्तव्यों से मुक्त कर दिया गया, जबकि नियमित कर्मचारियों को उनके संबंधित मूल विभागों में वापस भेज दिया गया। यह कार्रवाई पार्टी नेतृत्व द्वारा की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई के बाद हुई है, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें पद से हटा दिया गया था।

राज्यपाल ने तेलंगाना-एकेडीएन साझेदारी को और गहरा करने की इच्छा जताई

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने मंगलवार को शिया इस्माइली मुसलमानों के 50वें वंशानुगत इमाम और आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क (एकेडीएन) के अध्यक्ष प्रिंस रहीम आगा खान पंचम का लोक भवन में स्वागत किया और तेलंगाना और एकेडीएन के बीच मजबूत सहयोग का आह्वान किया। अपने पदभार ग्रहण करने के बाद राजकुमार रहीम आगा खान पंचम की भारत और तेलंगाना की पहली आधिकारिक यात्रा के दौरान, राज्यपाल ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा,

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Pallavi Raj, W/o, No. 14655356 F, Hav, Rajan Kumar, R/o, Dist: Muzaffarpur, Bihar, changed my name from Pallavi Raj to Pallavi Singh, vide Affidavit No. 19603 dt. 09.09.2026, before Notary Public at Ranchi.

I, Shambhu Sharan, Father of No. 14655356F, Hav, Rajan Kumar, R/o, Dist: Muzaffarpur, Bihar, changed my name from Shambhu Sharan to Shambhu Sharan Singh, vide Affidavit No. 19604 dt. 09.09.2026, before Notary Public at Ranchi.

I, Renu Devi, Mother of No. 14655356F, Hav, Rajan Kumar, R/o, Dist: Muzaffarpur, Bihar, changed my name from Renu Devi to Renu Sinha, vide Affidavit No. 19605 dt. 09.09.2026, before Notary Public at Ranchi.

I, No. 14673185H, NK, Hemendra, R/o, Dist: Indore, Madhya Pradesh, changed my Mother's name from Kanta to Kanta Bai Patidar, vide Affidavit No. 995623 dt. 15.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14673185 H, NK, Hemendra, R/o, Dist: Indore, Madhya Pradesh, changed my Father's name from Manohar to Manohar Patidar, vide Affidavit No. 995625 dt. 15.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 6949447 H, NK, Kushwah Maheshkumar Pritamsingh, R/o, Dist: Ahmedabad, Gujarat , changed my Mother's name from Kushwah Maila Devi to Kushvah Maltiben, vide Affidavit No. 995627 dt. 15.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14655350A, Hav, Rajeev Kumar, R/o, Dist: Muzaffarpur, Bihar, changed my Father's name from Awadhesh Prasad Singh to Awadhesh Sharma , vide Affidavit No. 995631 dt. 15.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Service No.15687938L, CHM N RAMANJULU NAIDU, R/o.H.No.15-1-14-3, Shivaji Nagar, Madanapalle, Annamayya Dist, Andhra Pradesh-517325, have changed my Daughter name from N BHAVYA SRI to NANDINAYUNI BHAVYA SRI, another Daughter name from N NANDHINI to NANDINAYUNI NANDHINI and changes Son name from N VAMSHI NAGA RAMA CHARAN to NANDINAYUNI VAMSHI NAGA RAMA CHARAN vide affidavit dt:15-9-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

विवेक ने चेन्नूर में 8 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले पुष्कर घाट की नींव रखी

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गोदावरी पुष्करलू 2027 से पहले, ऊर्जा और खान मंत्री गड्डाम विवेक वेंकटस्वामी ने मंगलवार को मंचरियाल जिले के चेन्नूर में एक नए पुष्कर घाट के निर्माण की आधारशिला रखी। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने आश्वासन दिया कि तीर्थयात्रियों के सुगम अनुभव को सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक घाटों, सड़कों और प्रमुख बुनियादी ढांचे का विकास किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि 2027 के उत्सव के दौरान चेन्नई में लगभग एक लाख श्रद्धालुओं की संभावित आमद को देखते हुए, आधुनिक पुष्कर घाट का निर्माण 8 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार ने राज्य भर में भव्य समारोहों के लिए 1,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। विवेक वेंकटस्वामी ने बताया कि कालेश्वरम और धर्मपुरी जैसे प्रथम श्रेणी के तीर्थ स्थलों के साथ-साथ चेन्नूर को प्राथमिकता देने के लिए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से विशेष अनुरोध के बाद, समग्र क्षेत्रीय विकास के लिए लगभग 70 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

प्राकृतिक खेती किटों का वितरण

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य कृषि विभाग के तत्वावधान में आयोजित रैतु नेस्तम वीडियो कॉन्फ्रेंस कार्यक्रम का 107वां एपिसोड मंगलवार को प्रसारित हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्राकृतिक कृषि मिशन के तहत किसानों को प्राकृतिक खेती किट वितरित की गईं। कृषि उत्पादन आयुक्त एवं कृषि विभाग के सचिव के. सुरेंद्र मोहन ने किसानों को किट प्रदान कीं। कार्यक्रम की शुरुआत कृषि विभाग के निदेशक डॉ. बी. गोपी के स्वागत संबोधन से हुई। इसके बाद प्रो. जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय और कृषि विभाग से संबंधित वीडियो प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में एल नीनो के प्रभाव पर आईएमडी की वैज्ञानिक डॉ. श्रावणी, भूजल विभाग के संयुक्त निदेशक तथा सिंचाई विभाग के सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर श्री रमेश सहित अधिकारियों ने किसानों को वर्षा की स्थिति, भूजल स्तर और सिंचाई परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति की जानकारी दी। जगतियाल जिले के कथलापुर मंडल स्थित राजाराम तांडा के प्राकृतिक खेती करने वाले किसान श्री प्रकाश नायक ने अपनी सफलता की कहानी साझा की। वहीं, धान अनुसंधान विभाग के प्रधान वैज्ञानिक एवं निदेशक डॉ. वाई. चंद्रमोहन ने किसानों को सात प्रकार की महीन धान किस्मों के महत्व के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर कृषि उत्पादन आयुक्त एवं कृषि विभाग के सचिव के. सुरेंद्र मोहन ने कहा कि प्राकृतिक और जैविक तरीकों से उत्पादित फसलों की बाजार में अधिक मांग है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक उपभोक्ता प्राकृतिक खेती से प्राप्त उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए तेलंगाना सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने किसान प्रकाश नायक से बातचीत कर उनके अनुभवों को अन्य किसानों तक पहुंचाने और अधिक किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

इसके बाद रंगारेड्डी जिले के शाबाद मंडल के प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को राष्ट्रीय प्राकृतिक कृषि मिशन की किट वितरित की गईं। खरीफ सीजन में सात महीन धान किस्मों की खेती करने वाले किसानों से सरकार द्वारा धान खरीदने और प्रति क्विंटल 500 रुपये बोनस देने का निर्णय लिया गया है। इसके मद्देनजर किसानों से कहा गया कि संबंधित डीलरों से बीज खरीदने वाले किसान अपनी खरीद का विवरण अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं।

WANTED
DIGITAL MARKETING MANAGER
Job description-Photography, Creative editing, content writing. should have knowledge about social media platforms-Facebook, instagram, Whatsapp & Google and Posting advertisement.
Computer operator with knowledge of Excel, Office boy
For Jewellery office at Rajbhavan Road.
9908022258
8008722258

किशन रेड्डी ने परेड ग्राउंड में मुक्ति दिवस के आयोजनों की समीक्षा की

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता) । केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने मंगलवार को सिकंदराबाद परेड ग्राउंड में 17 सितंबर को होने वाले भव्य तेलंगाना मुक्ति दिवस समारोह की तैयारियों का निरीक्षण किया। उनके साथ मलकाजगिरि के सांसद ईटेला राजेंद्र भी मौजूद थे। किशन रेड्डी ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की परेड की रिहर्सल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की। बाद में उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और उन्हें पुख्ता सुरक्षा, सुचारू यातायात प्रबंधन, वीआईपी प्रोटोकॉल और अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निज़ाम के अधीन हैदराबाद राज्य के इतिहास को याद करते हुए, किशन रेड्डी ने कहा कि 15 अगस्त, 1947 को भारत की स्वतंत्रता के बाद भी यह क्षेत्र निज़ाम के शासन के अधीन रहा। उन्होंने रजाकारों द्वारा कथित तौर पर किए गए अत्याचारों और ग्रामीणों द्वारा अपनी रक्षा के लिए किए गए प्रतिरोध को याद किया। उन्होंने कहा कि मुक्ति दिवस समारोह किसी व्यक्ति या संगठन से संबद्ध नहीं है और इसका उद्देश्य उन स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करना है जिन्होंने मुक्ति के संघर्ष के दौरान अपने प्राणों का बलिदान दिया और कठिनाइयों का सामना किया। किशन रेड्डी ने बीआरएस और कांग्रेस की लगातार सरकारों की इस दिन को आधिकारिक रूप से न मनाने के लिए आलोचना की और आरोप लगाया कि उन्होंने राजनीतिक कारणों से ऐसा करने से परहेज किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए समारोहों का आयोजन किया। इस वर्ष के आयोजन में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की परेड, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, पारंपरिक ढोल वादन प्रदर्शन और तेलंगाना के हजारों कलाकारों द्वारा क्षेत्र के ऐतिहासिक संघर्ष को दर्शाने वाले कार्यक्रम शामिल होंगे। भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ-साथ कई सांसदों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में शामिल होने की उम्मीद है। किशन रेड्डी ने लोगों से बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में भाग लेने और तेलंगाना के इतिहास और गौरव का जश्न मनाने की अपील की।

17 सितंबर का दिन तेलंगाना और भारतीय संघ के इतिहास में विशेष

सामंती उत्पीड़न और रजाकार बलों के विरुद्ध सशस्त्र किसान संघर्ष भी उभरा

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 17 सितंबर का दिन तेलंगाना और भारतीय संघ के इतिहास में विशेष स्थान रखता है। यह वह दिन है जब 1948 में निज़ाम शासन के अंत के बाद तत्कालीन हैदराबाद राज्य भारतीय संघ के अधीन आ गया था। यह दिन इस क्षेत्र की स्वतंत्रता, लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील पत्थर के रूप में याद किया जाता है। इतिहास का एक महत्वपूर्ण मोड़ 15 अगस्त, 1947 को जब भारत स्वतंत्र हुआ, तो हैदराबाद की रियासत ने तुरंत भारतीय संघ में शामिल होने से इनकार कर दिया। निज़ाम हैदराबाद को एक स्वतंत्र इकाई के रूप में बनाए रखना चाहते थे। उसी समय, जिम्मेदार सरकार, नागरिक स्वतंत्रता और भारत के साथ एकीकरण की मांग करने वाले राजनीतिक आंदोलनों ने जोर पकड़ा। हैदराबाद राज्य कांग्रेस ने कई लोकतांत्रिक और जन आंदोलनों के साथ मिलकर निरंकुश शासन के विरुद्ध जन आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तेलंगाना में सामंती उत्पीड़न और रजाकार बलों के विरुद्ध सशस्त्र किसान संघर्ष भी उभरा। इन घटनाओं ने इस काल को क्षेत्र के आधुनिक इतिहास के सबसे उथल-पुथल भरे और महत्वपूर्ण अध्यायों में से एक बना दिया। राजनीतिक गतिरोध को दूर करने के लिए वार्ता विफल होने के बाद, भारत सरकार ने 13 सितंबर, 1948 को 'ऑपरेशन पोलो' शुरू किया, जिसे आमतौर पर हैदराबाद पुलिस कार्रवाई के रूप में जाना जाता है। भारतीय सेना हैदराबाद राज्य में दाखिल हुई और कई दिनों तक चले सैन्य संघर्ष के बाद निज़ाम की सेना ने आत्मसमर्पण कर दिया। 17 सितंबर 1948 को निज़ाम ने आत्मसमर्पण की शर्तों को स्वीकार कर लिया और हैदराबाद राज्य प्रभावी रूप से भारतीय संघ के अधीन आ गया। इससे हैदराबाद को एक अलग राजनीतिक इकाई के रूप में बनाए रखने के निज़ाम के प्रयास का अंत हुआ और राज्य के स्वतंत्र भारत में एकीकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ। तेलंगाना की ऐतिहासिक स्मृति 17 सितंबर तेलंगाना के राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन से गहराई से जुड़ा हुआ है और क्षेत्र की सामूहिक ऐतिहासिक स्मृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना हुआ है।

महाप्रबंधक ने अधिकारियों को दिए सतर्कता और समन्वय बढ़ाने के निर्देश

दक्षिण मध्य रेलवे में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता) । दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री संजय कुमार श्रीवास्तव ने मंगलवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में रेल परिचालन की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में प्रधान विभागाध्यक्षों ने भाग लिया, जबकि सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को रेलवे पटरियों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी मजबूत करने के निर्देश दिए, ताकि असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को रोका जा सके। उन्होंने पेट्रोलमैन और ट्रैकमैन के साथ स्टेशन कर्मचारियों के बीच संचार व्यवस्था को और बेहतर बनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने ट्रैक रखरखाव के दौरान कर्मचारियों और मशीनों से जुड़े कार्यों में विशेष सावधानी बरतने तथा निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने पर्यवेक्षकों से मैदानी कर्मचारियों को नियमित रूप से सुरक्षा नियमों और कार्यप्रणाली के बारे में जागरूक करने को कहा। महाप्रबंधक ने कर्मचारियों के ज्ञान को अद्यतन रखने के लिए नियमित पुनश्चर्या प्रशिक्षण आयोजित करने और सभी संबंधित कर्मचारियों को नवीनतम सुरक्षा प्रोटोकॉल, नियमों तथा परिचालन प्रक्रियाओं से अवगत कराने के लिए प्रशिक्षण में नामित करने के निर्देश दिए। बैठक में रेलवे पटरियों के किनारे पेड़ों की छंटाई की स्थिति की भी समीक्षा की गई।

महाप्रबंधक ने पेड़ों की छंटाई का कार्य तेजी से पूरा करने को कहा, ताकि रेल चालक दल को सिग्नल स्पष्ट रूप से दिखाई दे सकें। श्री श्रीवास्तव ने कार्यस्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता दोहराई। उन्होंने दक्षिण मध्य रेलवे के विभिन्न मंडलों में चल रहे कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की और निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए।

'जेनरेशन जेड और जेनरेशन अल्फा' को 17 सितंबर का इतिहास जरूर जानना चाहिए : राव

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने मंगलवार को भाजपा राज्य कार्यालय में उस्मानिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जी लक्ष्मण द्वारा लिखित पुस्तक '17 सितंबर – तेलंगाना विमोचन दिनामु' का विमोचन किया। इस अवसर पर बोलते हुए राव ने लक्ष्मण की प्रशंसा करते हुए उन्हें तेलंगाना के इतिहास और तेलंगाना आंदोलन का गहन ज्ञान रखने वाला विद्वान बताया। उन्होंने कहा कि लक्ष्मण ने अलग तेलंगाना राज्य के आंदोलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने आगे कहा कि तेलंगाना आंदोलन में बुद्धिजीवियों, छात्रों, प्रोफेसरों और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए, खासकर इसलिए क्योंकि बाद में कई व्यक्तियों ने अलग राज्य के गठन का श्रेय लेने का दावा किया। 17 सितंबर की घटना का जिक्र करते हुए राव ने कहा कि 15 अगस्त, 1947 को भारत की स्वतंत्रता के बाद भी हैदराबाद राज्य निजाम के शासन के अधीन रहा। उन्होंने कहा, युवा पीढ़ी, विशेष रूप से जेन जेड और जेन अल्फा को इस इतिहास की जानकारी होनी चाहिए, और हैदराबाद की मुक्ति से जुड़े संघर्षों और बलिदानों को सरल और सच्चाई से समझाने की आवश्यकता पर जोर दिया। भाजपा नेता ने कहा कि हाल ही में जारी की गई पुस्तक छात्रों और युवाओं को 17 सितंबर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और हैदराबाद के भारतीय संघ में विलय की ओर ले जाने वाले संघर्ष को समझने में मदद करेगी। राव ने विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तक आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान और प्रेरणा का एक उपयोगी स्रोत बनेगी।

पटना में बारिश, सिविल सर्जन ऑफिस में घुटने तक पानी

पटना, 15 सितंबर (एजेंसियां)। पटना में मंगलवार को तेज बारिश हुई। 2 घंटे की बारिश में सिविल सर्जन ऑफिस में घुटनों तक पानी भर गया है। आने-जाने वालों को काफी परेशानी हो रही है। बांका में भी दोपहर होते-होते मौसम बदला और मूसलाधार बारिश शुरू हो गई, इससे लोगों को उमस से राहत मिली है।

इधर, मौसम विभाग ने प्रदेश के 22 जिलों यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है।

बिहार के 15 जिलों में बाढ़, सरकार ने बाढ़ पीड़ितों के खाते में भेजे 7–7 हजार

बिहार में बाढ़ की स्थिति अब भी बनी हुई है। 15 जिलों के 575 पंचायतों में करीब 49.67 लाख की आबादी अभी भी बाढ़ के पानी से घिरी हुई है। इनमें पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया, पूर्णिया, मधेपुरा और अरवल जिले शामिल हैं। इस बीच बिहार सरकार ने बाढ़ पीड़ितों को आर्थिक मदद देने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मंगलवार यानी आज 8 लाख 27 हजार 472 बाढ़ पीड़ित परिवारों को सात-सात हजार रुपए उनके बैंक खाते में डीबीटी के जरिए भेज हैं।

कार्यक्रम के दौरान सीएम ने कहा कि जब तक स्थिति नहीं सुधरती है, कम्यूनिटी किचन और बाकी राहत-बचाव कार्य जारी रहेगा।

5 नदियां लाल निशान से ऊपर

उत्तर बिहार में नदियां लाल निशान से ऊपर बह रही हैं। कोसी खगड़िया के बलतारा में 114 सेमी और कटिहार के कुरसेला में 125 सेमी, बागमती मुजफ्फरपुर के बेनीबाद में 31 सेमी, बूढ़ी गंडक खगड़िया में 134 सेमी, घाघरा सीवान के दरौली में 34 सेमी खतरे के निशान से ऊपर है।

बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए केंद्रीय टीम आएगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें फोन कर इसकी जानकारी दी है।

पीएम मोदी के निर्देश पर यह टीम गठित की गई है। बाढ़ से हुई तबाही का आकलन किया जाएगा। 16 सितंबर को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में टीम बिहार आएगी।

सुपौल में करीब एक घंटे की मूसलाधार बारिश के बाद राघोपुर में ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर एनएच-27 (फोरलेन) और एनएच-106 पर 2 फीट तक पानी भर गया। अररिया और पटना के कुछ इलाकों में भी तेज बारिश हुई।

वहीं, सारण के बनियापुर में बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। अचानक हुई बारिश के दौरान खेत में मवेशी चरा रहे लोगों पर बिजली गिर गई।

बिहार में बाढ़ की स्थिति अब भी बनी हुई है। 15 जिलों के 2,360 गांवों में करीब 49 लाख की आबादी अभी भी बाढ़ के पानी से घिरी हुई है। वहीं, प्रदेश की 5 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

यूपी में बारिश से भरभराकर गिरी दीवार

लखीमपुर में 7 मकान नदी में बहे, काशी में तेज बारिश, 72 जिलों में अलर्ट

वाराणसी, प्रयागराज, 15 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी में मानसून अभी सक्रिय है। बारिश से नदियां उफान पर हैं। 26 जिलों में बाढ़ के हालात हैं। करीब 4 लाख की आबादी प्रभावित है। सिद्धार्थनगर में बारिश के बीच दीवार भरभराकर गिर गई। सिर्फ 4 सेकेंड में 20 फीट लंबी दीवार जमींदोज हो गई। लखीमपुर में शारदा नदी का कटान तेज हो गया है। 24 घंटे में 7 मकान नदी में समा गए। चंदौली में बारिश के चलते मंगलवार सुबह मुसाखाड़, लतीफशाह और भैसोड़ा डैम ओवरफ्लो हो गए। तीनों से 2,270 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। लतीफशाह डैम से झरने की तरह पानी बहता दिखा।

बदायूं में गंगा फिर उफना गई। पुल के ऊपर से पानी बह रहा है। कई इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। आज सुबह 11 बजे काशी में तेज बारिश हुई। मौसम विभाग ने 72 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

सीएम हाउस घेरने निकले छात्रों ने बैरिकेडिंग तोड़ी

डाकबंगला पर इंतजार करती रही पुलिस, फ्लाइओवर से विधानसभा की तरफ बढ़ गए छात्र

पटना, 15 सितंबर (एजेंसियां)। पटना में दरोगा भर्ती की 1,799 पदों वाली मुख्य परीक्षा और 70वीं बीपीएससी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा को रद्द कर दोबारा परीक्षा कराने की मांग को लेकर आज छात्र आंदोलन किया।

पहले जेपी गोलंबर के पास जुटे। पुलिस ने उन्हें बैरिकेडिंग कर रोकने की कोशिश की,लेकिन छात्र बैरिकेडिंग तोड़कर आगे निकल गए। पुलिस ने डाकबंगाल पर छात्रों को रोकने की तैयारी की थी, लेकिन छात्र अशोक सिनेमा स्थित फ्लाइओवर की तरफ बढ़ गए। पुलिस ने फ्लाइओवर को ब्रज वाहन लगाकर ब्लॉक किया लेकिन पुलिस छात्रों को यहां पर भी नहीं रोक पाई। छात्र अब विधानसभा की तरफ बढ़ने लगे, लेकिन पुलिस ने समझा बुझाकर छात्रों का प्रदर्शन खत्म करवा दिया।

प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने हाथ में बैनर ले रखा था, जिसमें लिखा था कि ना परीक्षा में खेल चलेगा, ना भविष्य से खिलवाड़ चलेगा।

छात्रों का आरोप है कि परीक्षा में हुई कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। जांच में गड़बड़ी मिलती है तो दोनों परीक्षाओं को रद्द कर सभी अभ्यर्थियों के लिए दोबारा परीक्षा कराई जाए।

मई 2026 में हुई थी मुख्य परीक्षा

बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग (बीपीएसएससी) ने पुलिस अवर निरीक्षक के 1,799 पदों पर भर्ती के लिए मई 2026 में मुख्य लिखित परीक्षा आयोजित की थी। इसमें करीब 35,857 अभ्यर्थी शामिल हुए। परीक्षा के बाद कुछ केंद्रों से कदाचार और प्रश्नपत्र से जुड़ी शिकायतें सामने आईं।

पूर्णिया के राजकीय कन्या उच्च विद्यालय में 27 मई को हुई परीक्षा के बाद प्रश्नपत्र की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने की सूचना मिली। पुलिस जांच में शिक्षक मृत्युंजय कुमार को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार, शिक्षक ने परीक्षा समाप्त होने के बाद प्रश्नपत्र की तस्वीर खींचकर अपने रिश्तेदार को भेजी थी। उसके बाद ईओयू ने जांच शुरू की थी। ईओयू को प्रश्नपत्र/बुकलेट की तस्वीरें मिली हैं। ईओयू ने इन तस्वीरों की सत्यता और उनके स्रोत को लेकर बीपीएसएससी से जवाब मांगा है।

लापता पति-पत्नी के शव जंगल में मिले

पति पेड़ से लटका मिला, पत्नी के पैर बंधे थे, शव अर्धनग्न हालत में पड़ा मिला

बिजनौर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। बिजनौर में लकड़ी काटने निकले पति-पत्नी के शव मंगलवार को अलग-अलग जगह मिले। पत्नी का शव नदी में पड़ा मिला, जबकि पति का शव पेड़ से लटका हुआ था। दोनों सोमवार को लकड़ी काटने निकले थे। जब काफी देरकर घर नहीं पहुंचे तो परिजनों ने तलाश शुरू की।

सोमवार दोपहर को ही परिवार को तलाशी के दौरान घटनास्थल के पास खून के निशान, चप्पल और दरांती पड़ी मिली। रातभर तलाश के बावजूद दोनों का पता नहीं चला। मंगलवार को दोबारा खोजबीन शुरू हुई तो करीब एक किमी के फासले पर दोनों के शव मिले।

पति का शव पेड़ पर बाइक की क्लच वायर से टंगा था। उसके शरीर पर पत्नी की सलवार थी। वहीं, पत्नी का शव नदी में अर्धनग्न शव मिला, उसके पैर दुपट्टे से बंधा हुआ था। परिजनों ने दोनों की हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। मामला जिला मुख्यालय से 6 किमी दूर जलालपुर काजी गांव का है।

जलालपुर काजी गांव का रहने वाला देशराज उर्फ छोटे (40) लकड़ी काटने का काम करता था। परिवार में पत्नी सुषमा (37) बड़ी बेटी कामनी, बेटा हनी, सिद्धार्थ और छोटी बेटी कशिश हैं। परिजनों के मुताबिक, देशराज अपनी पत्नी सुषमा के साथ सोमवार सुबह करीब 10 बजे नहर की पटरी पर लकड़ी काटने गया था। दंपती पिछले तीन दिनों से लगातार इसी जगह लकड़ी काटने जा रहे थे।

सोमवार को काफी समय बीतने के बाद भी दोनों घर नहीं लौटे तो परिवार वालों को चिंता हुई। उन्होंने दोनों की तलाश शुरू की। सोमवार दोपहर में घटनास्थल के आसपास खून के निशान, चप्पल और दरांती पड़ी मिली। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस और परिजन सभी मिलकर दंपती की तलाश शुरू कर दी। देर रात तक तलाश के बावजूद उनका कोई पता नहीं चल सका।

मंगलवार सुबह पुलिस ने परिजनों के साथ फिर से तलाशी शुरू की तो सुबह करीब 10 बजे देशराज का शव पेड़ पर बाइक की क्लच वायर से टंगा था। उसके शरीर पर पत्नी की सलवार थी। वहीं, पत्नी का शव नदी में अर्धनग्न शव मिला, उसके पैर दुपट्टे से बंधा हुआ था। दोनों शवों के बीच करीब एक किलोमीटर का फासला था।

देशराज की बहन मोनी ने बताया कि आज जब हम गंगा के किनारे पहुंचे तो मेरी भाभी की लाश मिली। उनकी चोटी भी बंधी हुई थी। गले में फंदा लगा था।

लालू के थिंक टैंक से नीतीश के भरोसेमंद

क्या विधान परिषद के कार्यकारी सभापति बनेंगे रामवचन राय?

पटना, 15 सितंबर (एजेंसियां)। जदयू नेता रामवचन राय अभी बिहार विधान परिषद के उपसभापति हैं। चर्चा है कि भाजपा-जदयू के बीच हुई 'पॉलिटिकल डील' के तहत अब विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह पद छोड़ने वाले हैं। अगर सभापति अपने पद से इस्तीफा देते हैं तो उपसभापति रामवचन राय स्वतः कार्यकारी सभापति बन जाएंगे। इस तरह दावा के अनुरूप जदयू को सभापति पद मिल जाएगा।

रामवचन राय 2021 में राज्यपाल कोटे से विधान परिषद में मनोनीत हुए थे। इस तरह उनका कार्यकाल मार्च 2027 तक रहेगा। रामवचन राय जब पटना विश्वविद्यालय में हिंदी के प्रोफेसर थे तब वे लालू यादव के प्रति अपनी निष्ठा के लिए मशहूर थे। आठवीं कक्षा की पाठ्यपुस्तक में लालू यादव की जीवनी जोड़ने में उनका भी नाम आया था। लेकिन बाद में (2010-11) रामवचन राय का

लालू यादव से मोहभंग हो गया और वे नीतीश कुमार के प्रति निष्ठावान हो गये।

1994 के आसपास बिहार राज्य पाठ्य पुस्तक प्रकाशन निगम, सरकारी स्कूलों की किताबों के लिए नया पाठ्यक्रम तैयार कर रहा था। इसके लिए भाषा, साहित्य और संपादन के लिए विशेषज्ञों की एक समिति (एडिटोरियल एंड करिकुलम बोर्ड) बनायी गयी थी। रामवचन राय उस समय पटना विश्वविद्यालय में हिंदी के प्रोफेसर थे। एक साहित्यकार और लेखक के रूप में वे मशहूर थे। वे लालू यादव की विचारधारा से बहुत प्रभावित थे। उनकी एक पहचान लालू यादव के समर्थक के रूप में भी थी। रामवचन राय हिंदी की किताबों का पाठ्यक्रम तैयार करने वाले एडिटोरियल एंड करिकुलम बोर्ड सदस्य थे। इस समिति की सहमति से आठवीं कक्षा की पुस्तक गद्य सोपान में एक नया अध्याय जोड़ा गया जिसमें लालू यादव की जीवनी भी थी। लालू यादव उस समय मुख्यमंत्री थे। उनके जीवन काल में ही उन्हें एक महापुरुष के रूप में चित्रित करने वाला आलेख, स्कूल की किताब में जोड़ दिया गया। इस चैप्टर में कर्पूरी ठाकुर, भोला पासवान शास्त्री और लालू यादव की जीवनी थी। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि लालू यादव को जानबूझ कर कर्पूरी ठाकुर और भोला पासवान शास्त्री जैसा महान नेता बनाने की कोशिश हो रही है। चूंकि इस आलेख को मंजूर करने वाली विशेषज्ञ समिति में रामवचन राय भी थे।

इसलिए विपक्षी दलों ने उन पर भी राजनीतिक चाटुकारिता का आरोप लगाया था। एक समय रामवचन राय को राजद का 'थिंक टैंक" माना जाता था। उन्हें लालू यादव के विश्वस्त सलाहकारों में एक माना जाता था। जब लालू यादव की जीवनी पर विवाद हुआ तो रामवचन राय ने एक कुशल रणनीतिकार की तरह इसका बचाव किया था। उन्होंने तर्क दिया था कि एक गरीब परिवार से ऊपर उठ कर लालू यादव बिहार के मुख्यमंत्री बने। उनके जीवन की कहानी छात्रों को प्रेरणा देगी। इसलिए उनकी जीवनी को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया था। कई वर्षों तक इस पर विवाद होते रहा। आखिरकार जब नीतीश कुमार सत्ता में आये तो जनवरी 2008 में लालू यादव की जीवनी को आठवीं कक्षा की किताब से हटा दिया गया।

ऑटो वाले के नाम पर ले लिया 80 लाख रुपये का लोन

हड़प ली राशि, ऐसे हुआ फ्रॉड का खुलासा

कानपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर से लोन फर्जीवाड़े का बड़ा मामला सामने आया है। शातिरों ने ऑटो चालक के नाम पर 80 लाख रुपये का लोन पास कर लिया। जब बैंक के लोन का नोटिस पीड़ित को मिला तो उसके होश उड़ गए। पीड़ित ने नोटिस मिलने पर पुलिस कमिश्नर से शिकायत की। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर बैंक और जीएसटी अफसर समेत 9 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। मामले में सामने आया है कि खुद को सीए बताने वाले शातिरों ने 10 लाख रुपये का लोन का झांसा देकर ऑटो चालक से डॉक्यूमेंट लिए थे। इसके बाद उसके नाम पर राइस मिल के लिए 80 लाख रुपये का लोन पास कर लिया। विनायकपुर निवासी ऑटो चालक शिवम शुक्ला का आरोप है कि सितंबर 2024 में राहुल ओझा, ज्ञानेंद्र विश्वकर्मा और अर्पित ने खुद को सीए बताकर उसे नौकरी पर रखा।

डकैती की साजिश का खुलासा

सपा नेता के बेटे समेत 7 गिरफ्तार

अलीगढ़, 15 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में थाना बन्नादेवी पुलिस ने डकैती की योजना बनाने के आरोप में समाजवादी पार्टी के नेता के बेटे समेत सात युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार आरोपियों में सपा नेता निराले खां का बेटा कबीर खां भी शामिल है। कबीर खां सपा के अलीगढ़ जिला सचिव बताए जा रहे हैं।

सपा नेता के बेटे की गिरफ्तारी के बाद मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। निराले खां कोल विधानसभा सीट से सपा के टिकट की दावेदारी कर रहे हैं।

शहर में निराले खां और उनके बेटे कबीर खां को संभावित प्रत्याशी बताते हुए होर्डिंग भी लगाए गए हैं। ऐसे में कबीर की गिरफ्तारी के बाद निराले खां की टिकट की दावेदारी को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। पुलिस के मुताबिक, रविवार 13 सितंबर की रात थाना बन्नादेवी क्षेत्र के नुमाइश मैदान में कुछ लोग एक सफेद रंग की कार में बैठकर डकैती की योजना बना रहे थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और कार में मौजूद सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शोएब, हुसैन, आमिर, अब्दुल्ला, वारिश, जिशान और क्वार्सी क्षेत्र के सागर कॉम्प्लेक्स निवासी सपा नेता कबीर खां के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपियों की तलाशी ली तो उनके पास से दो .32 बोर पिस्टल, चार कारतूस, दो .315 बोर तमंचे और दो कारतूस बरामद हुए। इसके अलावा एक चाकू, हथौड़ा और पेचकस भी मिला।

यूपी की आईएएस दिव्या मित्तल का इस्तीफा मंजूर

लिखा- प्रशस्त पुण्य पंथ है, बढ़े चलो बढ़े चलो, 15 दिन पहले नौकरी छोड़ी थी

लखनऊ, 15 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी कैडर की आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल का इस्तीफा केंद्र सरकार ने स्वीकार कर लिया है। उन्होंने 30 अगस्त को व्यक्तिगत कारणों, पारिवारिक प्राथमिकताओं और जीवन के नए लक्ष्यों का हवाला देते हुए सेवा से इस्तीफा दिया था। मई में दिव्या मित्तल को देवरिया के जिलाधिकारी पद से हटाकर राजस्व विभाग में विशेष सचिव बनाया गया था। सोमवार रात करीब 11 बजे उन्होंने X पर पोस्ट कर इस्तीफा स्वीकार किए जाने की जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने कवि जयशंकर प्रसाद के नाटक चंद्रगुप्त की पंक्ति लिखी- "प्रशस्त पुण्य पंथ है, बढ़े चलो, बढ़े चलो।"

प्रशस्त पुण्य पंथ है: इसका अर्थ है कि मातृभूमि की रक्षा और स्वतंत्रता का यह मार्ग बहुत ही

दिव्या मित्तल, आईएएस

विशाल, साफ और पवित्र (पुण्यदायी) है।

बढ़े चलो, बढ़े चलो: कवि देश के साहसी सपूतों और सैनिकों का आह्वान करते हैं कि वे बिना रुके, बिना डरे इस पावन मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ते रहें।

2013 बैच की दिव्या 13 साल से नौकरी कर रही थीं। अभी उनकी 17 साल की नौकरी बची थी। आईआईटी दिल्ली से बीटेक और आईआईएम बेंगलुरु से एमबीए की डिग्री लेने के बाद लंदन में नौकरी की। लाखों रुपए की नौकरी छोड़कर वह वापस आईं। दो साल में दो बार यूपीएससी क्लियर किया। पहली बार में आईपीएस बनीं। फिर अगले साल आईएएस बन गईं। दिव्या के पति गगनदीप सिंह भी 2011 बैच के भारतीय व्यापार सेवा (आईटीएस) अफसर हैं। 2022 में वह भी अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं। गगनदीप ने अपनी एक कंपनी 'न्यूरोकैप' बनाई है। यह कंपनी देश-विदेश से ट्रेडिंग का काम करती है।

दिव्या मित्तल मिर्जापुर, बस्ती और देवरिया की डीएम रह चुकी हैं। बेहद सख्त छवि की मानी जाती हैं। अफसरों को मौके पर ही फटकार लगा देती थीं। 4 महीने पहले ही देवरिया से उनका ट्रांसफर लखनऊ हुआ था।

संजय झा के नए पैंतरे ने बढ़ाई सहयोगियों की धड़कनें

बिहार में फिर सियासी हलचल

पटना, 15 सितंबर (एजेंसियां)। एनडीए की राजनीति में इन दिनों मतभेद के जरिए कुछ अलग दिखने की कवायद बड़ी गंभीरता के साथ की जा रही है। इसमें एनडीए के छोटे दल तो हैं हीं, बड़े दल भी शामिल हो गए हैं। सबसे दिलचस्प तो ये है कि जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा एंड टीम मतभेद खड़ा करने की नई-नई वजह तैयार करने में लगी हैं। मतभेद के अब तक कितने बीज बोए गए और मतभेद के इस धरातल पर जदयू के रणनीतिकार आखिर पाना क्या चाह रहे हैं?

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जैसे ही वर्ष 2029 तक सभी राज्यों यूसीसी लागू करने की घोषणा की, लालू स्कूल के प्रोडक्ट जदयू नेताओं में खलबली मच गई। पूर्व मंत्री श्याम रजक ने कहा कि उनकी पार्टी ने संसद में यूसीसी बिल का समर्थन किया था, लेकिन तभी ये

साफ कर दिया था कि इसे अपने राज्य में लागू नहीं किया जाएगा।

श्याम रजक ने कहा कि पार्टी आज भी अपने इस पुराने रुख पर कायम है। वे यही नहीं रुके बल्कि गठबंधन की परिभाषा समझाने लगे। उन्होंने गठबंधन का गणित समझाते हुए कहा कि बिहार में सिर्फ एक पार्टी (भाजपा) की सरकार नहीं है, बल्कि यह एनडीए की मिली-जुली सरकार है, इसलिए अकेले किसी एक दल के फैसले के आधार पर राज्य में यूसीसी लागू नहीं किया जा सकता। भारत और बांग्लादेश के बीच 12 दिसंबर 1996 को 30 साल के लिए फरक्का जल संधि पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसकी अवधि इस साल दिसंबर में खत्म हो रही है। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने यह कह कर बवाल काटा कि सरकार रहे या जाए भारत-बांग्लादेश गंगा जल बंटवारा संधि का नवीनीकरण किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं होगा।

राजस्थान निकाय चुनाव में बसपा को 19 सीटें

फिर भी खुश क्यों हैं मायावती? क्या पार्टी की जीत का गणित सिमटा

लखनऊ, 15 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान नगर निकाय चुनाव में बहुजन समाज पार्टी को बड़ी सफलता नहीं मिल सकी। पार्टी महज 19 सीटों पर जीत दर्ज कर पाने में सफलता हासिल कर पाई।

309 नगर निकायों में हुए आम चुनाव में 10,244 वार्ड में वोट डाले गए थे। इसमें बहुजन समाज पार्टी महज 19 वार्ड में काउंसलर को जीत दर्ज कराने में कामयाब हो सकी। राजस्थान नगर निकाय चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में भारतीय जनता पार्टी उभरी। भाजपा ने 4179 सीटों पर जीत दर्ज कर पाने में सफलता हासिल की। वहीं, कांग्रेस को 3613 सीटें मिली। निर्दलीय 2273 सीटों पर जीत दर्ज कर पाने में कामयाब रहे।

राजस्थान नगर निकाय चुनाव रिजल्ट में आरएलपी ने भी 63 सीटों पर जीत दर्ज की। देश में लगातार सिमटती दिख रही मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने राजस्थान नगर निकाय चुनाव में 38 सीटों पर जीत दर्ज की है। यह बहुजन समाज पार्टी को मिली सीटों से दोगुनी है। इसको लेकर अब चर्चा का बाजार गरमा गया है। दरअसल, बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने राजस्थान नगर निकाय चुनाव के रिजल्ट के बाद पार्टी को बधाई दी है।

मायावती ने जीते उम्मीदवारों का उत्साह बढ़ाते हुए बढ़ाई दी। साथ ही, उन्होंने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल भी खड़े किए। लेकिन, 19 सीटों पर जीत के बाद जिस तरह से उनका बधाई संदेश आया है, सवाल उसी पर हो रहा है कि क्या मायावती लगातार पार्टी के गिरते प्रदर्शन के बाद अब इस प्रकार

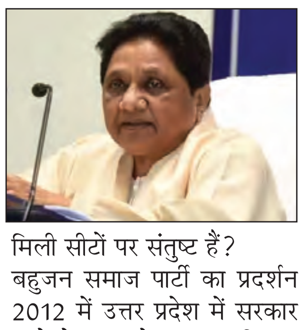

मिली सीटों पर संतुष्ट हैं?

बहुजन समाज पार्टी का प्रदर्शन 2012 में उत्तर प्रदेश में सरकार जाने के बाद से लगातार बिगड़ा है। 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी खाता खोलने में भी कामयाब नहीं हो पाई थी। वहीं, 2017 के विधानसभा चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन काफी खराब रहा।

इन दोनों चुनाव में यूपी के राजनीतिक मैदान में मोदी लहर चरम पर था। 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने सपा के साथ गठबंधन कर चुनावी मैदान में उम्मीदवार उतारे।

स्वामी गोविंददेव गिरि बोले– सीईओ की नियुक्ति सही

एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र ने दिया था इंटरव्यू सिलेक्शन में नहीं हुई कोई गड़बड़ी

अयोध्या, 15 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के चयन को लेकर ट्रस्ट के महासचिव स्वामी गोविंददेव गिरि ने सफाई दी है। उन्होंने सोमवार रात प्रेस रिलीज जारी कर कहा कि सीईओ का चयन पूरी पारदर्शिता के साथ किया गया है। एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र ने अयोध्या आकर इंटरव्यू दिया था। स्वामी गोविंददेव गिरि ने कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में चयन प्रक्रिया को लेकर गलत जानकारी दी जा रही है। इसे स्पष्ट करने के लिए ट्रस्ट ने पूरी प्रक्रिया की जानकारी साझा की है।

उन्होंने बताया कि 6 जुलाई 2026 को सीईओ चयन के लिए खोज समिति बनाई गई थी। समिति को कुल 5,585 आवेदन मिले। इसके बाद दिल्ली-एनसीआर, पुणे और संबलपुर में एआई स्क्रीनिंग और

विशेषज्ञों की मैनुअल जांच के जरिए कई चरणों में आवेदनों का मूल्यांकन किया गया।

इस प्रक्रिया के बाद 16 उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए चुना गया। इन सभी ने 11 और 12 अगस्त को अयोध्या में आमने-सामने इंटरव्यू दिया। ट्रस्ट के मुताबिक एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र ने 11 अगस्त को पहली पाली में इंटरव्यू में हिस्सा लिया था। स्वामी गोविंददेव गिरि के मुताबिक खोज समिति ने 1 सितंबर को अपनी अंतिम रिपोर्ट और सिफारिशें ट्रस्ट को सौंपीं। इसके बाद 2 सितंबर को शीर्ष तीन उम्मीदवारों के नाम सार्वजनिक किए गए। इनमें एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र, संजय प्रतापसिंह विश्वास राव और श्रुति भारद्वाज शामिल थे। ट्रस्ट महासचिव ने कहा कि एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र के 11-12 अगस्त के इंटरव्यू में शामिल नहीं होने की बात तथ्यात्मक रूप से गलत है।

शीर्ष तीन उम्मीदवारों में उनका शामिल होना उनकी इंटरव्यू में भागीदारी, मूल्यांकन और योग्यता के आधार पर चयन का दस्तावेजी प्रमाण है। उन्होंने कहा कि सीईओ चयन की पूरी प्रक्रिया संस्थागत नियमों और पारदर्शिता के तय मानकों के अनुसार हुई है।

महिला की रेप के बाद गला दबाकर हत्या

आरोपी बोला– नशे में था, इसलिए मार डाला, कई दिनों से टारगेट पर थी

आरा, 15 सितंबर (एजेंसियां)। भोजपुर में युवक ने 45 साल की महिला के साथ रेप किया। उसके बाद उसकी हत्या कर दी। आरोपी युवक की पहचान रामदुलार राम उर्फ प्रभास(25) के रूप में हुई है। घटना गड़हनी थाना इलाके के बगवां-धमनिया मार्ग की है। सोमवार की सुबह महिला की लाश मिली। मर्डर की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। अब पुलिस इस केस को सोल्व करने में जुट गई।

सोमवार सुबह करीब 10 बजे गड़हनी के बगवां नहर के पास महिला की लाश मिली थी। महिला के कपड़े अस्त-व्यस्थ थे, जिससे आशंका जताई गई कि रेप के बाद हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है। लाश मिलने की सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। एफएसएल की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर सबूत जुटाए। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तो रविवार रात करीब 10 बजे एक संदिग्ध व्यक्ति महिला के साथ हाथापाई करता दिखा।

सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे संदिग्ध के बारे में पड़ताल करने पर उसकी पहचान बगवां गांव के रामदुलार राम उर्फ प्रभास के रूप में की। पुलिस ने सोमवार रात को ही उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने महिला के साथ रेप करने के बाद हत्या की बात स्वीकार की, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

करीब 24 साल के आरोपी रामदुलार राम उर्फ प्रभास ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि मैं कुछ महीनों से महिला को देख रहा था।

शमसाबाद बडेर में मां आईमाता का 611वां अवतरण दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीरवी समाज शमसाबाद बडेर में मां आईमाता का 611वां अवतरण दिवस व 12वां वार्षिक सम्मेलन का आयोजन दो दिवसीय कार्यक्रम को उत्सव के रूप में मनाया गया है।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में सचिव भोलाराम पंवार और सहसचिव नरेश परिहार ने बताया कि समाज बंधुओं के सान्निध्य में श्री आई माता जी के मंदिर को रंग -बिरंगे फूलों और लाईटों की रोशनी से जगमगा हुआ मां आईजी का मंदिर सजाया गया।

शनिवार शाम 7:15 बजे सभी भक्तों ने श्री आई माता जी की भावपूर्ण सामूहिक आरती की। तत्पश्चात सभी भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। 8:15 बजे को महिला मंडल द्वारा हरजस (भजन) शुरू हुआ। लगभग 9:15बजे से भजन गायक श्री विशाल श्रीमाली एण्ड पार्टी द्वारा सुमधुर वाणी से भजनो की प्रस्तुति दी गई। रात्रि 10:30बजे से जो बोलीया आनलाइन चल रहीं थीं उन सभी बोलीया का पूर्ण रूप विराम दिया। निम्न बिंदुओं ने बोलीमें भाग लिया - माताजी के पट खोलने की -हरजी राम हाम्बड,माताजी के तिलक की-राजुराम हाम्बड, माताजी के हार की-भेराराम परिहार , माताजी की चुनडी की-भुराराम परिहार माताजी के नारियल अगरबत्ती की -धर्माराम काग ,पांचो भगवान के पोशाक की-रुपाराम गेहलोत, खेतलाजी पट हार अगरबत्ती की- रमेश काग, गणेश जी पट हार अगरबत्ती की-रुपाराम गेहलोत हनुमान जी पट हार अगरबत्ती की-आसाराम गेहलोत, रामदेव जी हार अगरबत्ती की-आसाराम गेहलोत , महाप्रसादी की बोली-धर्माराम काग ने बढचढ कर बोलीयो में भाग लिया।

रविवार को प्रातः पूजा अर्चना, ज्योत प्रज्ज्वलन व महाआरती के पश्चात समाज बंधुओं व बोली दाता ने सपरिवार सहित अपने बोली से संबंधित समस्त प्राण प्रतिष्ठात देवी देवताओं की श्रद्धा एवं भावपूर्ण पूजा अर्चना संपन्न कराई।सचिव -भोलाराम पंवार ने मंच कार्यक्रम शुरू किया जिसमें मुख्य अतिथि -तेलंगाना महासभा के प्रांतीय अध्यक्ष हरजीराम काग, बडेर अध्यक्ष आसाराम गेहलोत, सचिव -भोलाराम पंवार, नवनिर्वाचित अध्यक्ष भुराराम परिहार, सचिव हरिराम परिहारिया, कोषाध्यक्ष राजुराम परिहार,मारवाड़ गुड़ीया ग्राम के पंच तिलोक राम जी बर्फा , सीरवी छात्रावास सोजत रोड के उपाध्यक्ष कन्हैयालाल गेहलोत, शिक्षा समिति के अध्यक्ष केसाराम काग, नवनिर्वाचित शिक्षा समिति के सचिव सोहनलाल बर्फा,महिला मंडल अध्यक्षा पारी देवी काग, सचिव -भारती परिहारीया , नवनिर्वाचित अध्यक्षा सन्तोष देवी परिहार, सचिव कमला देवी पंवार,पूर्व रायपुर पंचायत समिति के सदस्य गौरी देवी काग इन सभी महानुभावों ने मंच पर विराजमान किया। महिला मंडल सचिव भारती परिहारीया के नेतृत्व में नन्हे मुन्ने बाल -कलाकारो ने राजस्थान की संस्कृति की झलक अपने सामाजिक परिवेश में शालीनता के साथ भक्ति भावपूर्ण तरीके से नृत्य करके अपनी -अपनी प्रस्तुतियां दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम दौरान अतिथि पैदा सापुर तान्डा. के सरपंच रवि नायक व उपसरपंच के प्रतिनिधि गोपाल नायक का स्वागत किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष भुराराम परिहार ने स्वागत भाषण में समाज बंधुओं व भक्तों को बताया कि आगामी कार्यकाल में समाज के चहुंमुखी विकास के कार्य करने का आश्वासन दिया।

प्रजापति समाज कांटेदान का दूज महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांटेदान स्थित श्री श्रीयादेमाता मंदिर ट्रस्ट प्रांगण में प्रजापति समाज बन्धुओं के सानिध्य में श्री श्रीयादेमाताजी के अवतरण दिवस पर दो दिवसीय दूज कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अध्यक्ष हरिराम ब्रांदणा व सचिव धर्मीचन्द बाबरिया ने बताया कि दो दिवसीय भादवा सुदी दूज महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। शनिवार 12 सितम्बर प्रातः वेला मे श्री श्रीयादेमाताजी की तस्वीर पर माल्यार्पण, पूजा-अर्चना, ज्योत प्रज्वलितकर रात्रि 9.15 बजे से जागरण आयोजित किया गया। जिसमे ओमप्रकाश कुमावत एंड पार्टी माई के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित किये। रविवार 13 सितम्बर प्रातः 9.15 बजे पूजा-अर्चना, धर्मसभा,मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के लिए बोलिया एवं स्वागत-समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्ष हरिराम ब्रांदणा ने दूज महोत्सव की शुभकामनाएँ देते हुए समाज बन्धुओं द्वारा दिये गये सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। आगामी दिसम्बर में आयोजित होने वाले प्राण-प्रतिष्ठा के लिए भी विचार-विमर्श किया गया। भोजन प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में चेयरमैन दुर्गाराम कपूरपूरा, तेजाराम बेतेड़िया, अध्यक्ष हरिराम ब्रांदणा, सचिव धर्मीचन्द बाबरिया,कोषाध्यक्ष किशोरकुमार बाबरिया, प्रचार मंत्री किशोरकुमार रावरिया, पदाधिकारी व समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहे। मंच का संचालन सोहनसिंह राजपुरोहित ने किया। महाआरती के पश्चात कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

सीरवी समाज एल.बी.नगर का बीज महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंडलागुडा स्थित श्री आईमाता मंदिर प्रांगण में सीरवी समाज एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोशिएशन समाज बन्धुओं के सानिध्य में श्री आईमाताजी के 611 वें अवतरण दिवस व प्रथम वार्षिक सम्मेलन पर दो दिवसीय बीज कार्यक्रम आयोजित किया गया । सचिव प्रकाश सेपटा ने बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य में दो दिवसीय भादवा सुदी बीज महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया।

शनिवार 12 सितम्बर प्रातः वेला मे श्री आईमाता की तस्वीर पर माल्यार्पण, पजा-अर्चनाकर दोपहर 3.15 बजे से महिला मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं ज्योत प्रज्वलितकर रात्रि 9.15 बजे से जागरण आयोजित किया गया । जिसमें गुरु मारवाड़ी देसुरी एवं गोविन्द दास वैष्णव बिजोवा ने माई के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित किये । अध्यक्ष वेनाराम चोयल व सचिव प्रकाश सेपटा ने पधारे सम्मानित अतिथियों का सम्मानकर, बीज महोत्सव की शुभकामनाएँ देते हुए, समाज बन्धुओं द्वारा दिये गये सहयोग के लिए आभार प्रकट किया । रविवार 13 सितम्बर प्रातः 7.15 बजे ज्योत प्रज्वलितकर, पुजा-अर्चना व महाप्रसादी का आयोजन किया गया जिसका समाज बन्धुओ ने सपरिवार लाभ लिया ।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष वेनाराम चोयल, उपाध्यक्ष धन्नाराम देवड़ा, चुन्नीलाल पंवार, छोगालाल गेहलोत, सचिव प्रकाश सेपटा, सहसचिव मोहनलाल चोयल, कोषाध्यक्ष लक्ष्मणराम परिहार, सहकोषाध्यक्ष स्वरुपराम पंवार, सलाहकार जगदीश प्रसाद काग, देवाराम आगलेचा, खंगारराम सेपटा, मनोनीत सदस्य : जुगराज सोलंकी, ताराराम पंवार, चेनाराम काग, चम्पालाल आगलेचा, तिलोकराम पंवार, एरिया मेम्बर : कानाराम चोयल, सोहनलाल चोयल, रामलाल परिहार, मनाराम देवड़ा, केनाराम काग, लिकमाराम लचेटा, रामलाल काग, अमराराम मुलेवा, भंवरलाल मुलेवा, लकाराम भायल, शंकरलाल गहलोत, रमेश वरपा, दुर्गाराम सिन्दड़ा, राजाराम चोयल, खेल मंत्री : मांगीलाल सोयल, राजाराम मुलेवा, अ.भा.महासभा सदस्य : भगाराम चोयल, हरिलाल लचेटा, मीडिया प्रभारीः खंगारराम मुलेवा, एवं नवयुवक मंडल के सभी कार्यकर्ताओ का विशेष सहयोग रहा । मंच का संचालन रुपेश सोलंकी ने किया ।

सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट का बीज महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाता मंदिर मे समाज बन्धुओं के सानिध्य मे श्री आईमाताजी के 611 वें अवतरण दिवस व दसवें वार्षिकोत्सव दो दिवसीय कार्यक्रम भव्यरुप से आयोजित किया गया। परबत सोलंकी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति मे सचिव पुखराज चोयल ने बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य मे दो दिवसीय भादवा सुदी बीज महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। शनिवार 12 सितम्बर प्रातः वेला मे श्री आईमाताजी का विशेष श्रृंगारकर रात्रि 9.15 बजे से जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिसमे महेश चौहान ने श्री आईमाँ के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित किये। जिसका समाज बन्धुओं ने नाचते गाते हुए देर रात तक लाभ लिया। रविवार 13 सितम्बर भादवा सुदी बीज को प्रातः 9.15 बजे पुजारी अम्बाराम सोलंकी द्वारा पुजा-अर्चना, व महाआरती के पश्चात समाज बन्धुओं ने श्री आईमाताजी के चरणों मे श्रीफल व श्रद्धा के पुष्प अर्पितकर माई का आर्शीवाद प्राप्त किया। स्वागत कार्यक्रम के तहत पदाधिकारियों द्वारा पधारे अतिथियों का सम्मान किया गया। सम्बोधन भाषण मे अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा व सचिव पुखराज चोयल ने पधारे समाज बन्धुओं का आभार प्रकट करते हुए भादवा सुदी बीज व वार्षिकोत्सव की शुभकामनाँए दी । समाज बन्धुओं व अतिथियों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी । अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा व सचिव पुखराज चोयल की अध्यक्षता मे नवनिर्वाचित पदाधिकारियोफ्ल को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाकर वर्तमान कार्यकारिणी का विदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया । अध्यक्ष चुने जाने पर भारमल वरपा व सचिव लालाराम हाम्बड़ ने समाज बन्धुओ को भरोसा दिलाया की उनके कार्यकाल मे सभी के सहयोग से कार्य करेंगे । कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, उपाध्यक्ष भाणाराम वरपा, चेनाराम सिन्दड़ा, सचिव पुखराज चोयल, सहसचिव गजाराम सैंणचा, कोषाध्यक्ष दौलतराम पंवार, सहकोषाध्यक्ष मंगलाराम परिहारियां, सलाहकार हंसाराम आगलेचा, मगाराम परिहार, वेनाराम वरपा, चौथाराम पंवार, खेल मंत्री धनराज बर्फा, सहखेल मंत्री मोतीलाल चोयल, मीडिया प्रभारी गोविन्दराम पंवार, समस्त कार्यकारिणी सदस्यों, समाज बन्धुओं, महिला मंडल एवं युवा शक्ति का विशेष सहयोग रहा । मंच का संचालन पुखराज चोयल एवं अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ ।

लोवर टैंकबंड स्थित जगदीश मंदिर में पूरबिया प्रजापति समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद समाज बन्धुओं के तत्वावधान में श्री श्रीयादेमाताजी के दो दिवसीय बीज महोत्सव पर आयोजित जागरण, पुजा-अर्चना, स्वागत-समारोह व महाप्रसादी कार्यक्रम में भजन प्रस्तुत करते हुए भजन गायकार विक्रम प्रजापति एंड पार्टी। अवसर पर अध्यक्ष मांगीलाल कुशावटिया, उपाध्यक्ष मंगलाराम राजोरिया सर्वसहमति से चुने गये। भजनो व बीज महोत्सव कार्यक्रम का लाभलेते हुए समाज बन्धु व भक्तगण।

भादवा सुदी बीज महोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुट्टा स्थित सीरवी समाज की धार्मिक आस्था का केन्द्र अराध्यदेवी श्री आईमाता के मन्दिर में 611 वें अवतरण दिवस व 44 वें वार्षिक उत्सव, भादवा सुदी बीज समारोह, सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा समाज बन्धुओ के सानिध्य मे दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

सचिव नारायणलाल काग ने बताया कि समाज बंधुओ के सानिध्य मे श्री आईमाताजी का दो दिवसीय बीज महोत्सव पूजा-अर्चनाकर आयोजित किया गया । शनिवार 12 सितम्बर प्रातः वेला मे पूजा-अर्चना के पश्चात सायं 4.15 बजे महिला मंडल के सानिध्य मे विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया । रविवार 13 सितम्बर प्रातः पूजा-अर्चना, ज्योत प्रज्वलितकर, महाआरती के पश्चात समाज बन्धुओं व भक्तों ने सपरिवार अवतरण दिवस के अवसर पर आईमाँ के चरणों मे आस्था के पुष्प व नारियल अर्पितकर परिवार की सुख शांति की कामना की । प्रातः 10.15 बजे भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसमे भँवर सीरवी एवं एम.पी से पधारी निकिता सीरवी ने राजस्थानी अंदाज में भजन प्रस्तुत किये ।

अवसर पर चिल्कलगुड़ा सी.आई. रामकृष्णा, एस.आई.रमेश का एवं सम्मानित अतिथियो का सम्मान समारोह व पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी । अध्यक्ष मोहलाल हाम्बड़ ने सभी समाज बन्धुओ व भक्तो को बधाई देते हुए बताया कि एक ही छत के नीचे सम्मलित होकर इस तरह का महोत्सव मनाना समाज के लिए बड़े ही गर्व की बात है । सचिव नारायणलाल काग ने समाज मे किये गये विकासशील कार्यो व नव निर्मित फंक्शन हॉल से समाज को अवगत काराया । कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा ने समाज का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। महिला अध्यक्षा सुशीला देवड़ा व सचिव निर्मला देवड़ा ने भी भादवा सुदी दूज की बधाई दी व समाज के सुख-समृद्धि की कामना करते हुए समाज मे नारी शिक्षा व युवाओं मे संस्कार के प्रति समाज को अवगत कराया । कार्यक्रम के सफल आयोजन में तीनों कमिटियों के पदाधिकारी, अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, उपाध्यक्ष मूलाराम चोयल, रमेश.जी पंवार, सचिव नारायणलाल काग, सहसचिव हीराराम खंडाला, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, सलाहकार जे.सी.चोलाराम हाम्बड़, परसराम वरपा, जसवन्त देवड़ा, मनोनित सदस्य सी.ए. जसाराम वरपा, कालुराम काग, रामलाल परिहार, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबुराम पंवार, उपाध्यक्ष वोराराम भायल, सचिव चेलाराम भायल, सहसचिव रमेश परिहार, कोषाध्यक्ष हिमताराम हाम्बड़, खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़, महिला मंडल अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, उपाध्यक्ष इन्द्रादेवी आगलेचा, अनितादेवी चोयल, सचिव निर्मला देवड़ा, सहसचिव कविता सोलंकी, कोषाध्यक्ष नीलु लचेटा, सलाहकार मंजुदेवी सोलंकी, गवरीदेवी परिहार कार्यकारिणी सदस्य व समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहे । मंच का संचालन नारायणलाल काग ने किया ।

सीरवी विकास मण्डल मल्लापुर में बीज महोत्सव

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मल्लापुर स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में श्री आईमाँ के 611 वें अवतरण दिवस व 10 वां वार्षिकोत्सव दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत भादवा सुदी बीज महोत्सव आयोजित किया गया।

अध्यक्ष तुलसाराम सिन्दडा, सचिव ओकाराम ने बताया कि शनिवार 12 सितंबर भादवा सुदी एकम आईमाताजी के मंदिर को पुष्प माला व लाइटिंग से सजाकर श्री आईजी का विशेष श्रृंगार किया गया। मध्याह्न 2 बजे से महिला मंडल द्वारा विशेष रंगारंग - सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। सायं 5.15 बजे से पूजा-अर्चना, साँची ज्योत प्रज्वलितकर, महाआरती के पश्चात जागरण का आयोजन किया गया।

जिसमे श्री आईमाता भजन मंडली ने आई माँ के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित किये। रविवार 13 सितंबर को भादवा सुदी बीज प्रातः वेला में समाज बन्धुओं ने श्री आईमाताजी के चरणों मे श्रद्धा के पुष्प व श्रीफल भेंट कर महाआरती करते हुए दर्शन व प्रसाद का लाभ लिया। कोषाध्यक्ष नेमीराम हाम्बड़ ने आय व्याय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। भोजन प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। जिसमें समाज बन्धुओं ने सपरिवार पधारकर लाभ लिया। महिला मंडल अध्यक्ष पार्वती देवी पंवार महिला मंडल सचिव कविता चोयल ने भादवी बीज की शुभकामनाएं दी। मंच का संचालन सुरेश सैणचा ने किया।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 16 सितंबर - 2026

खेल की गरिमा बचाने की जरूरत

एक टूर्नामेंट में यदि कोई टीम लगातार अपना दबदबा कायम करे, उसके ज्यादातर मुकाबले जीते और खिताब अपने नाम करे, तो चर्चा उसकी खेल प्रतिभा और उपलब्धि की होनी चाहिए। लेकिन एशिया कप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शानदार जीत के बाद भी सुर्खियों का बड़ा हिस्सा ट्रॉफी विवाद ने ले लिया। यह विडंबना ही नहीं, बल्कि एशियाई क्रिकेट व्यवस्था की अपरिपक्वता का आईना भी है। मैदान पर खिलाड़ियों ने जिस आत्मविश्वास और श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया, उसके मुकाबले मैदान के बाहर की अव्यवस्था कहीं अधिक शर्मनाक दिखाई दी। भारतीय महिला टीम ने एशिया कप में अपने सभी मुकाबले लगभग एकतरफा अंदाज में जीतकर साबित किया कि वह इस समय एशियाई क्रिकेट में किस स्तर पर खड़ी है। इसके विपरीत उपमहाद्वीप की दूसरी टीमें काफी पीछे छूट चुकी हैं। ऐसे प्रदर्शन के बाद खिलाड़ियों के हाथ में ट्रॉफी होनी चाहिए थी और चर्चा उनके खेल की होनी चाहिए थी। दुर्भाग्य से सम्मान समारोह की परिस्थितियों ने पूरी तस्वीर बदल दी। विवाद की सबसे गंभीर बात यह है कि स्थिति अचानक पैदा नहीं हुई थी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के अनुसार, एशियन क्रिकेट काउंसिल को पहले ही बता दिया गया था कि भारतीय टीम मोहसिन नकवी के हाथों ट्रॉफी नहीं लेगी। नकवी एसीसी के अध्यक्ष होने के साथ पाकिस्तान के इंटीरियर मिनिस्टर भी हैं। भारत-पाकिस्तान के मौजूदा रिश्तों को देखते हुए यह संवेदनशीलता किसी से छिपी नहीं थी। फिर सवाल सीधा है कि जब संभावित विवाद पहले से मालूम था तो एसीसी ने पहले ही कोई सम्मानजनक और व्यावहारिक समाधान क्यों नहीं निकाला? यह पहली बार नहीं है जब भारत-पाकिस्तान के रिश्तों की छाया क्रिकेट पर पड़ी हो। पिछले साल भारतीय पुरुष टीम के एशिया कप जीतने के बाद भी ट्रॉफी को लेकर ऐसी ही स्थिति बनी थी। यानी एसीसी के सामने अनुभव भी था और चेतावनी भी। इसके बावजूद वही समस्या दोबारा खड़ी होना बताता है कि संस्था ने पुराने विवाद से कोई ठोस सबक नहीं लिया। यहां राजनीति की वास्तविकता को नकारना संभव नहीं है। भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध सामान्य नहीं हैं और खेल संस्थाएं इस माहौल से पूरी तरह अछूती नहीं रह सकतीं। लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं कि खिलाड़ियों की उपलब्धियों को राजनीतिक खींचतान का मंच बना दिया जाए। यदि किसी व्यक्ति से ट्रॉफी लेने को लेकर आपत्ति पहले से स्पष्ट थी तो किसी तटस्थ पदाधिकारी या प्रतिनिधि के जरिए सम्मान समारोह आयोजित किया जा सकता था। आखिर ट्रॉफी किसी व्यक्ति की निजी उपलब्धि नहीं, खिलाड़ियों की मेहनत और पूरे टूर्नामेंट की खेल भावना का प्रतीक है। एसीसी का काम केवल मैचों का कार्यक्रम बनाना और टूर्नामेंट आयोजित करना नहीं है। उसकी जिम्मेदारी खेल की गरिमा, निष्पक्षता और प्रतिष्ठा को सुरक्षित रखना भी है। यदि वह संभावित विवादों का अनुमान लगाकर समय रहते प्रोटोकॉल तैयार नहीं कर सकती तो उसकी प्रशासनिक क्षमता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। खिलाड़ियों ने मैदान पर अपना काम पूरी ईमानदारी से किया। अब खेल संस्थाओं की बारी है। राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन उन्हें खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर हावी नहीं होने दिया जाना चाहिए। क्रिकेट को विवादों का अखाड़ा बनाने के बजाय संवाद, स्पष्ट प्रोटोकॉल और परिपक्व प्रशासन का रास्ता अपनाना होगा। क्योंकि अंततः खेल किसी व्यक्ति के सम्मान से नहीं, बल्कि खेल की गरिमा से बड़ा होता है।

विशेष प्रावधान और आरक्षण

अशोक कुमार झा

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता केवल यह नहीं है कि यहां प्रत्येक वयस्क नागरिक को मतदान का अधिकार प्राप्त है बल्कि यह है कि देश का संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता, न्याय और गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार प्रदान करता है। संविधान की दृष्टि में प्रत्येक नागरिक समान है लेकिन भारतीय समाज का ऐतिहासिक अनुभव यह बताता है कि कानून की किताब में लिखी गई समानता और जमीन पर दिखाई देने वाली वास्तविक समानता के बीच अभी भी एक लंबी दूरी है। यही वह अंतर है जिसने विशेष प्रावधानों और आरक्षण जैसी संवैधानिक व्यवस्थाओं की आवश्यकता को जन्म दिया।

सदियों से सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से वंचित रहे समुदायों को यदि केवल यह कह दिया जाता कि अब संविधान के सामने सभी बराबर हैं, तो क्या उनके सामने खड़ी ऐतिहासिक बाधाएं तत्काल समाप्त हो जातीं? निश्चित रूप से नहीं। इसी वास्तविकता को ध्यान में रखते हुए संविधान निर्माताओं ने ऐसी व्यवस्थाओं का प्रावधान किया, जिनके माध्यम से समाज के उन वर्गों को आगे आने का अवसर दिया जा सके, जो लंबे समय तक मुख्यधारा से दूर रहे।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 कानून के समक्ष समानता और कानून के समान संरक्षण की बात करता है। अनुच्छेद 15 नागरिकों के साथ धर्म, जाति, लिंग, जन्मस्थान आदि के आधार पर भेदभाव के विरुद्ध सुरक्षा देता है और संविधान विशेष परिस्थितियों में पिछड़े तथा वंचित वर्गों के लिए विशेष प्रावधानों की अनुमति भी देता है। इसी प्रकार अनुच्छेद 16 सार्वजनिक रोजगार में समान अवसर की गारंटी देता है लेकिन साथ ही ऐसे वर्गों के लिए विशेष व्यवस्था की संवैधानिक गुंजाइश रखता है, जो राज्य की सेवाओं में पर्याप्त रूप से प्रतिनिधित्व नहीं कर पा रहे हों। इसका स्पष्ट अर्थ यह है कि संविधान निर्माताओं ने समानता को केवल एक औपचारिक अवधारणा के रूप में नहीं देखा था। वे यह जानते थे कि जब समाज में असमान शुरुआती परिस्थितियां मौजूद हों, तब केवल समान कानून बना देने से वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसलिए भारतीय संविधान की समानता की अवधारणा में सामाजिक न्याय का तत्व भी अंतर्निहित है।

आरक्षण को समझने के लिए उसके ऐतिहासिक संदर्भ को समझना आवश्यक है। भारतीय समाज में जाति आधारित व्यवस्था ने लंबे समय तक समाज के एक बड़े हिस्से को शिक्षा, रोजगार, सार्वजनिक संसाधनों और सामाजिक सम्मान के अवसरों से दूर रखा। अस्पृश्यता जैसी अमानवीय सामाजिक प्रथाओं ने करोड़ों लोगों की गरिमा और नागरिक अधिकारों को प्रभावित किया।

ऐसे वातावरण में संविधान द्वारा समानता की घोषणा अपने आप में महत्वपूर्ण थी, लेकिन उसके साथ ऐसी संस्थागत व्यवस्थाओं की भी आवश्यकता थी, जो वास्तविक जीवन में अवसरों का विस्तार कर सकें। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए संवैधानिक सुरक्षा और प्रतिनिधित्व की व्यवस्था इसी ऐतिहासिक आवश्यकता की पृष्ठभूमि में विकसित हुई। बाद के दशकों में सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए अन्य पिछड़ा वर्ग भी आरक्षण व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बना। इसलिए आरक्षण को केवल सरकारी नौकरी में कुछ प्रतिशत सीटों के आरक्षण तक सीमित करके देखना उसके व्यापक संवैधानिक उद्देश्य को छोटा करना होगा। इसका मूल उद्देश्य उन बाधाओं को कम करना था, जिनके कारण समाज के कुछ वर्ग समान अवसरों की दौड़ में प्रारंभ से ही पीछे रह जाते थे।

विवाह क्यों नहीं करना चाहते आज के युवा?

डा. शैलेश शुक्ला

पिछले एक दशक में भारत में विवाह को लेकर जो आंकड़े आए हैं, वे व्यक्तिगत राय नहीं बल्कि बड़े प्रामाणिक शोधों पर आधारित हैं। पहला बड़ा शोध यूगोव-मिंट-सीपीआर मिलेनियल सर्वे है जिसमें बीस से पैंतीस साल के सात हजार तीन सौ अठानवे युवाओं से बात की गई। इस सर्वे ने बताया कि हर चार में से एक युवा विवाह नहीं करना चाहता, उन्नीस प्रतिशत युवा विवाह और संतान दोनों से इनकार करते हैं और नौ प्रतिशत विवाह चाहते हैं पर संतान नहीं। आय के साथ सीधा संबंध निकला, दस हजार से कम आय वाले परिवारों में चालीस प्रतिशत युवा विवाह से कतराते हैं जबकि साठ हजार से अधिक आय में यह आंकड़ा बीस प्रतिशत रह जाता है।

दूसरा स्रोत भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की यूथ इन इंडिया रिपोर्ट और राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण है। इसके अनुसार कभी विवाह न करने वाले युवा पुरुषों की संख्या दो हजार ग्यारह में बीस दशमलव आठ प्रतिशत थी, जो दो हजार उन्नीस में छब्बीस दशमलव एक प्रतिशत हो गई। महिलाओं में यह आंकड़ा तेरह दशमलव पांच से बढ़कर उन्नीस दशमलव नौ प्रतिशत हो गया। विवाह की औसत आयु दो हजार पांच-छह में सत्रह दशमलव चार वर्ष थी, जो दो हजार उन्नीस-इक्कीस में उन्नीस दशमलव सात वर्ष हो गई। बारह वर्ष से अधिक शिक्षा प्राप्त महिलाओं की शादी की उम्र अशिक्षित महिलाओं से साढ़े पांच वर्ष अधिक पाई गई। तीसरा शोध कॉर्नेल विश्वविद्यालय की समाजशास्त्री प्रोफेसर अलका बसु का है जो पॉपुलेशन स्टडीज जर्नल में नवंबर दो हजार बाइस में प्रकाशित हुआ। उन्होंने भारतीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण का विश्लेषण कर बताया कि पुरुषों में विवाह में देरी मौज-मस्ती के लिए नहीं बल्कि बेरोजगारी के कारण है। अब वधू पक्ष केवल डिग्री नहीं, रोजगार वाला वर चाहता है। चौथा साक्ष्य यूनिसेफ के युवा मंच यूवाह और यू-रिपोर्ट का सर्वे है, जिसमें अठारह से उनतीस साल के चौबीस हजार युवाओं ने भाग लिया। पचहत्तर प्रतिशत युवाओं ने कहा कि पढ़ाई के बाद महिलाओं के लिए सबसे जरूरी कदम नौकरी है, विवाह नहीं। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष यूएनएफपीए ने तिहत्तर देशों के एक लाख से अधिक युवाओं पर सर्वे कर बताया कि युवा रिश्तों को नकार नहीं रहे, बल्कि आर्थिक सुरक्षा के बाद उन्हें करना चाहते हैं। इन शोधों की पृष्ठभूमि में आज के सवाल को समझना जरूरी है।

विवाह कभी खत्म नहीं होगा, क्योंकि मनुष्य को साथ की जरूरत रहेगी। पर उसका स्वरूप बदलेगा। पहले विवाह दो परिवारों का अनुबंध था, अब वह दो व्यक्तियों की दोस्ती बन रहा है। पहले वह जीवन की शुरुआत थी, अब वह ठहराव के बाद लिया गया परिपक्व निर्णय बन रहा है।

विवाह भारतीय समाज में केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं बल्कि संस्कृति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा का संगम रहा है। पहले विवाह समय पर हो जाना परिपक्वता का प्रमाण था पर आज युवा विवाह को टाल रहे हैं। इसे विद्रोह कहना आसान है, पर समझना अधिक जरूरी है। पहला कारण आर्थिक है और सबसे कठोर भी। आज स्थिर नौकरी पाना ही सबसे बड़ी चुनौती है। किराया, शिक्षा ऋण, माता-पिता की जिम्मेदारी और भविष्य की अनिश्चितता के बीच विवाह अतिरिक्त वित्तीय बोझ लगता है। जब YouGov सर्वे कहता है कि कम आय में विवाह की इच्छा आधी रह जाती है तो स्पष्ट होता है कि विवाह अब केवल भावना नहीं, बजट का प्रश्न है। युवा पहले अपने पैरों पर खड़ा होना चाहते हैं।

दूसरा कारण शिक्षा और स्त्री स्वतंत्रता का उदय है। जब लड़की बारह साल से अधिक पढ़ती है तो उसकी शादी औसतन पांच साल देर से होती है। यह देरी उसकी महत्वाकांक्षा की जीत है। वह अब केवल पत्नी बनने के लिए नहीं पढ़ी, वह अधिकारी, शिक्षक, उद्यमी बनना चाहती है। वह ऐसा जीवनसाथी चाहती है जो उसकी नौकरी और सपनों का सम्मान करे। यदि ऐसा साथी नहीं मिलता, तो अकेले रहना उसे गरिमा लगता है। तीसरा कारण स्वतंत्रता और पहचान की खोज है।

आज के युवाओं ने अपने माता-पिता की समझौते वाली शादियां देखी हैं। उन्होंने घर में चुपचाप सहती मां और थका हुआ पिता देखा है। वे उस कहानी को दोहराना नहीं चाहते। वे प्रेम में मित्रता चाहते हैं, बंधन में नहीं। वे घूमना चाहते हैं, लिखना चाहते हैं, असफल होना चाहते हैं, फिर खड़े होना चाहते हैं। विवाह उन्हें लगता है कि इन सब पर विराम लग जाएगा। यह स्वार्थ नहीं, आत्म-खोज है। चौथा कारण रिश्तों का बदलता मनोविज्ञान है। सोशल मीडिया ने परफेक्ट पार्टनर की अवास्तविक अपेक्षा बना दी है। छह फुट लंबा, अच्छी नौकरी, कविता भी लिखे और खाना भी बनाए, ऐसा व्यक्ति मिलना कठिन है। दूसरी ओर तलाक, घरेलू हिंसा और दहेज की खबरें युवाओं में डर पैदा करती हैं। वे सोचते हैं कि जल्दबाजी में गलत व्यक्ति से बंधने से अच्छा है, प्रतीक्षा की जाए। पांचवां कारण विकल्पों की उपलब्धता है। पहले विवाह ही एकमात्र मान्य सहजीवन था। आज लिव-इन, लंबी मित्रता और अकेले रहने को भी समाज स्वीकार कर रहा है। कानून भी लिव-इन को संरक्षण देता है। जब विकल्प हैं, तो अनिवार्यता खत्म हो जाती है। विवाह अब मजबूरी नहीं, चुनाव बन गया है।

क्या इसका अर्थ युवा विवाह संस्था के विरुद्ध हैं? नहीं। यूएनएफपीए का वैश्विक सर्वे कहता है कि युवा प्रेम और परिवार चाहते हैं, पर भय में नहीं, भरोसे में चाहते हैं। वे देर से शादी करना चाहते हैं, पर बेहतर शादी करना चाहते हैं। वे ऐसी शादी चाहते हैं जहां संवाद हो, बराबरी हो, और जरूरत पर अलग होने की स्वतंत्रता भी हो। समाज को इस परिवर्तन को कोसने की बजाय समझना होगा।

यदि बेरोजगारी देरी का कारण है, तो रोजगार बढ़ाना होगा। यदि लड़कियों की शिक्षा विवाह टाल रही है, तो यह उत्सव का विषय है। यदि युवा बराबरी वाला रिश्ता खोज रहे हैं, तो लड़कों को भी घर संभालना और भावना व्यक्त करना सिखाना होगा। विवाह कभी खत्म नहीं होगा, क्योंकि मनुष्य को साथ की जरूरत रहेगी। पर उसका स्वरूप बदलेगा। पहले विवाह दो परिवारों का अनुबंध था, अब वह दो व्यक्तियों की दोस्ती बन रहा है। पहले वह जीवन की शुरुआत थी, अब वह ठहराव के बाद लिया गया परिपक्व निर्णय बन रहा है।

इसलिए जब कोई युवा कहे कि मुझे अभी शादी नहीं करनी, तो उसे गैर-जिम्मेदार न समझें। वह जिम्मेदार बनने की तैयारी कर रहा है। वह ऐसी जमीन तैयार कर रहा है जहां विवाह बेड़ी नहीं, दो स्वतंत्र लोगों की साझा उड़ान बन सके। यही नए भारत की चेतना है, जो देर से आती है पर दूर तक जाती है।

प्रधानमंत्री से 'विकसित भारत' के संकल्प तक की यात्रा

लिंगमनेनी रमेश
सांसद राज्यसभा

राजनीति में कुछ यात्राएं पदों की सीढ़ियां चढ़ने की कहानी होती हैं और कुछ यात्राएं किसी देश के बदलते समय की कहानी बन जाती हैं। नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक जीवन यात्रा को दूसरी श्रेणी में रखा जा सकता है। 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने जब पहली बार राज्य की सत्ता की जिम्मेदारी संभाली थी, तब शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि वडनगर से निकला एक संगठन कार्यकर्ता आगे चलकर भारत का सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने का रिकॉर्ड बनाएगा। 10 जून 2026 को यह ऐतिहासिक पड़ाव आया, जब नरेंद्र मोदी ने लगातार 4,399 दिन निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कार्य पूरा किया और जवाहरलाल नेहरू के 4,398 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। 4,399 दिन केवल समय की गणना नहीं बल्कि ये भारत के शासन, राजनीति, अर्थव्यवस्था, सामाजिक कल्याण, डिजिटल व्यवस्था, बुनियादी ढांचे और वैश्विक भूमिका में आए बदलावों को देखने का एक अवसर भी हैं। 17 सितंबर 2026 को नरेंद्र मोदी 76 वर्ष के होंगे और 7 अक्टूबर 2026 को सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे करेंगे। इन दोनों अवसरों को केवल एक नेता की व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में देखना इस यात्रा को छोटा करके देखना होगा। यह पिछले ढाई दशकों में भारत की राजनीतिक प्राथमिकताओं और विकास की दिशा में आए परिवर्तन का भी अवसर है।

वडनगर से वडोदरा और वडोदरा से वाराणसी

नरेंद्र मोदी की कहानी सत्ता के गलियारों से शुरू नहीं हुई। वह संगठन के एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में आगे बढ़े। गुजरात में संगठनात्मक जिम्मेदारियों से लेकर मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने के बाद 2014 ने उनके जीवन में एक निर्णायक मोड़ पैदा किया। 2014 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने वडोदरा और वाराणसी दोनों सीटों से चुनाव लड़ा और दोनों जगह जीत दर्ज की। स्वयं प्रधानमंत्री ने बाद में वडोदरा और काशी को अपने राजनीतिक जीवन के उस महत्वपूर्ण क्षण से जोड़ा है। वडोदरा गुजरात की उस राजनीतिक यात्रा का प्रतीक था, जिसने उन्हें राष्ट्रीय नेतृत्व तक पहुंचाया। वाराणसी ने उस यात्रा को राष्ट्रीय पहचान दी। यही कारण है कि "वडोदरा से वाराणसी" केवल दो लोकसभा क्षेत्रों के बीच की दूरी नहीं है। यह क्षेत्रीय नेतृत्व के राष्ट्रीय नेतृत्व में रूपांतरण की कहानी है। शायद इसी लिए 2014 के लोकसभा चुनाव में वाराणसी से अपना नामांकन पत्र दाखिल करते समय नरेंद्र मोदी ने कहा – ना मैं नया आया हूं, ना मुझे यहां लाया गया है, मुझे मां गंगा ने बुलाया है।

पहली बड़ी परीक्षा: भूकंप से पुनर्निर्माण तक

गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के सामने शुरुआती वर्षों में सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक 2001 का भुज भूकंप था। विनाशकारी भूकंप ने गुजरात के बड़े हिस्से को प्रभावित किया। हजारों लोगों की जान गई और घरों, सड़कों, स्कूलों, अस्पतालों तथा अन्य बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। आपदा के बाद पुनर्वास और पुनर्निर्माण ने शासन की क्षमता की परीक्षा ली। यहीं से मोदी के प्रशासनिक दृष्टिकोण की एक विशेषता दिखाई देने लगी- संकट का जवाब केवल राहत से नहीं, बल्कि पुनर्निर्माण और दीर्घकालिक व्यवस्था निर्माण से देना। गुजरात के बाद यही सोच राष्ट्रीय स्तर पर दिखाई दी-बड़ी समस्या के सामने बड़े पैमाने का प्रशासनिक उत्तर।

2014: सत्ता परिवर्तन से शासन की नई शैली तक

2014 का चुनाव नरेंद्र मोदी के लिए केवल सत्ता परिवर्तन नहीं था। यह शासन की एक नई शैली का आरंभ भी था।जनधन, स्वच्छ भारत, उज्ज्वला, मुद्रा, पीएम-किसान, आवास, जल जीवन, आयुष्मान भारत और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता केवल उनका नाम नहीं, बल्कि उनका पैमाना और प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाने की कोशिश रही। यही वह दौर था जब सरकारी योजनाओं के साथ एक नया शब्द तेजी से जुड़ा-डीबीटी यानी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर। जनधन, आधार और मोबाइल की जाम त्रिमूर्ति ने बैंकिंग, पहचान और मोबाइल कनेक्टिविटी को सरकारी सहायता वितरण के साथ जोड़ने का आधार तैयार किया। जून 2026 तक 58.63 करोड़ से अधिक जनधन खाते खोले जा चुके थे। इनमें 32.68 करोड़ खाते महिलाओं के थे और 45.62 करोड़ खाते ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में थे। जनधन खातों में जमा राशि 3 लाख करोड़ से अधिक थी। यानी जिस व्यक्ति के पास पहले बैंक खाता तक नहीं था, वह अब औपचारिक वित्तीय व्यवस्था का हिस्सा बन चुका था। यही बदलाव आगे चलकर कल्याणकारी योजनाओं की रीढ़ बना।

किसान: सहायता से आय-सुरक्षा की ओर

भारत की राजनीति में किसान हमेशा केंद्रीय विषय रहा है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसान कल्याण को प्रत्यक्ष आय सहायता, बीमा, बाजार और तकनीक से जोड़ने की कोशिश हुई। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। 20 जून 2026 को पीएम-किसान की 23वीं किस्त के रूप में 9.44 करोड़ से अधिक किसानों को 18,880 करोड़ से अधिक सीधे बैंक खातों में हस्तांतरित किए गए। इनमें 2.18 करोड़ से अधिक महिला किसान थीं। योजना शुरू होने से अब तक 4.46 लाख करोड़ से अधिक की राशि वितरित की जा चुकी है। 4.46 लाख करोड़ केवल एक वित्तीय आंकड़ा नहीं है। यह बताता है कि देश में पहली बार करोड़ों किसानों को नियमित प्रत्यक्ष आय सहायता देने की एक राष्ट्रीय व्यवस्था कितने बड़े स्तर तक पहुंची। इसके साथ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, ई-नाम, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, सिंचाई विस्तार, कृषि अवसंरचना और कृषि में ड्रोन जैसी पहलें किसान को केवल उत्पादनकर्ता नहीं, बल्कि आधुनिक अर्थव्यवस्था के सक्रिय भागीदार के रूप में देखने की दिशा में आगे बढ़ती हैं।

नारी शक्ति: लाभार्थी से नेतृत्व तक

मोदी सरकार के दौर में महिला सशक्तीकरण की भाषा भी बदली है। पहले चर्चा अक्सर "महिला कल्याण" तक सीमित रहती थी। अब "महिला-नेतृत्व वाला विकास" राजनीतिक और आर्थिक विमर्श का हिस्सा बन चुका है। उज्ज्वला योजना ने करोड़ों गरीब परिवारों की महिलाओं को एलपीजी कनेक्शन से जोड़ा। जनधन ने महिलाओं को बैंकिंग व्यवस्था में बड़ी संख्या में शामिल किया। स्वयं सहायता समूहों, मुद्रा, लखपति दीदी और ड्रोन दीदी जैसी पहलों ने महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने की कोशिश की। जनधन के 58.63 करोड़ से अधिक खातों में 32.68 करोड़ खाते महिलाओं के होना अपने आप में इस बदलाव का एक बड़ा संकेत है। यह परिवर्तन केवल बैंक खाते का नहीं है। बैंक खाते से बचत, बचत से ऋण, ऋण से उद्यम और उद्यम से आत्मनिर्भरता-यही महिला सशक्तीकरण की अगली सीढ़ी है।

मुद्रा: नौकरी मांगने वाले से नौकरी देने वाले तकभारत जैसे युवा देश के सामने सबसे बड़ी आर्थिक चुनौतियों में से एक रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा करना है। हर युवा को सरकारी नौकरी देना संभव नहीं है।

बोझ नहीं है बुजुर्ग भरण-पोषण करना कानूनन जिम्मेदारी

मनोज कुमार अग्रवाल

बदलते परिवेश में बहुत सी संतानो को बुजुर्गों की सेवा भरण-पोषण दवा की जिम्मेदारी बोझ लगने लगी है यह एक कड़वी और चिंताजनक सच्चाई बन चुकी है। आधुनिकता, एकल परिवार की चाहत और भागदौड़ भरी जिंदगी में कई बच्चे अपने जन्मदाताओं को ही बोझ समझने लगे हैं। ऐसे में बुजुर्गों को न केवल मानसिक रूप से अकेलापन झेलना पड़ता है, बल्कि कई बार वे बुनियादी जरूरतों भोजन, स्वास्थ्य के लिए भी मोहताज हो जाते हैं

आजकल अनेक संतानें शादी के बाद अपने माता-पिता की ओर से आंखें फेर लेती हैं। उनका एकमात्र उद्देश्य किसी न किसी तरह उनकी सम्पत्ति पर कब्जा करना ही रह जाता है जिस कारण अनेक बुजुर्ग अपनी ही संतानों के हाथों अपमान और अत्याचारों का शिकार हो रहे हैं। भारत सरकार और देश की न्यायपालिका ने बुजुर्गों के संरक्षण के लिए कड़े कदम उठाए हैं:माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण अधिनियम, 2007: इस कानून के तहत यदि संतानें माता-पिता की देखभाल नहीं करती हैं, तो बुजुर्ग अपने क्षेत्र के एसडीएम कार्यालय में शिकायत कर गुजारा भत्ता मांग सकते हैं। संपत्ति वापसी का नियम (धारा 23): सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न अदालतों के फैसलों के अनुसार, यदि किसी बुजुर्ग ने इस शर्त पर अपनी संपत्ति संतानों के नाम की थी कि वे बुढ़ापे में उनकी सेवा करेंगे, और बाद में बच्चे मुकर जाते हैं, तो बुजुर्ग अपनी गिफ्ट डीड या संपत्ति हस्तांतरण को निरस्त करवाकर संपत्ति वापस ले सकते हैं।घर से बेदखली: अगर बच्चे अपने माता-पिता के ही घर में रहकर उनके साथ दुर्व्यवहार करते हैं या सेवा नहीं करते, तो कोर्ट उन्हें घर से बाहर निकालने का आदेश दे सकता है। आपको बता दें इसीलिए माता-पिता अपनी सम्पत्ति की वसीयत तो अपने बच्चों के नाम अवश्य कर दें परंतु इसे ट्रांसफर न करें। ऐसा करके वे अपने जीवन की संध्या में आने वाली कई परेशानियों से बच सकते हैं।

भारत में 'वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण कल्याण अधिनियम, 2007'के अंतर्गत स्पष्ट कानूनी प्रावधान मौजूद हैं। इनका इस्तेमाल करके संतानों द्वारा अपने कर्त्तव्य का पालन न करने, प्रताड़ित करने या संपत्ति हड़पने का प्रयास करने पर बुजुर्ग अपनी संतानों को दी हुई सम्पत्ति उनसे वापस लेने के लिए उन्हें कानूनन बाध्य कर सकते हैं। न्याय पालिका द्वारा इस साल कई ऐसे ही फैसले दिए गए जिनमे साफ कहा गया है कि अपने बुजुर्गों की देखभाल भरण-पोषण सेवा संतानो का फर्ज ही नहीं है बल्कि कानूनन बाध्यता भी है आपको ऐसे अदालती फैसलों की सिलसिलेवार जानकारी बता रहे हैं बीती 2 फरवरी को 'कर्नाटक हाई कोर्ट' के जस्टिस 'सूरज गोविंदराज' ने अपने बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल न करने वाले एक दम्पति को ट्रांसफर की गई संपत्ति का मालिकाना हक उनके बुजुर्गों को वापस दिलवाया।

6 फरवरी को 'झारखंड हाई कोर्ट' ने बेटे और बहू द्वारा उत्पीड़ित 'लखन लाल पोद्दार' और उनकी पत्नी 'उमा रानी पोद्दार' की याचिका पर सुनवाई के दौरान एस. डी. एम. द्वारा पारित आदेश को बहाल रख कर पीड़ित दम्पति के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उनके बेटे और बहू को तुरंत अपने माता-पिता का जबरन कब्जाया मकान खाली करने का आदेश दिया। 2 मई को दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस 'पुरुषेंद्र कुमार' ने 'बुजुर्गों को भरण-पोषण कल्याण अधिनियम' के अंतर्गत अपने सास-ससुर को प्रताड़ित करने वाली एक महिला को अपने सास-ससुर के घर से निकाल बाहर करने का 'मैंटेनेंस ट्रिब्यूनल' द्वारा सुनाया गया फैसला सही ठहराया ताकि महिला के बुजुर्ग सास-ससुर वहां शांति से रह सकें।

9 मई को 'गदरपुर' (उत्तराखंड) में 'माता-पिता तथा वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिकरण न्यायालय' ने अपने बेटे व बहू के अत्याचारों के शिकार बुजुर्ग दम्पति, जिन्हें अपने ही घर में सम्मानपूर्वक जीवन जीने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था, के बेटे और बहू को उनकी संपत्ति से बेदखल करने के आदेश जारी किए।

4 जुलाई को छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के जस्टिस 'अमितेंद्र किशोर प्रसाद' ने 93 वर्षीय बुजुर्ग महिला संतोष खन्ना की शिकायत पर उनके बड़े बेटे देवेंद्र और बहू नीरजा को तुरंत उनका घर खाली करने का आदेश दिया। महिला ने अपने बेटे व बहू पर लगातार उन्हें प्रताड़ित करने और उनसे अपने जीवन को खतरे के दृष्टिगत दोनों को घर से निकालने की गुहार लगाई थी। 20 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस 'पी.एस. नरसिम्हा' और जस्टिस 'आलोक आराध्य' ने 'लखनऊ' की एक 81 वर्षीय बुजुर्ग महिला को वृद्धाश्रम जाने के लिए मजबूर करने वाले उसके पोते और बहू को तुरंत उनके घर से निकाल बाहर करने का आदेश दिया। 28 अगस्त को 'बॉम्बे हाई कोर्ट' ने 'पुणे' के एक फ्लैट से बेटे को तुरंत बेदखल करने के एडिशनल कलैक्टर (ट्रिब्यूनल) के आदेश को सही करार देते हुए कहा कि बुजुर्ग माता-पिता को अपनी प्रॉपर्टी में पूरी शांति, गरिमा और सुरक्षा के साथ रहने का पहला अधिकार है। यदि बेटा या बहू उनके शांतिपूर्ण जीवन में बाधा बनते हैं या खर्चा व दवाइयों की जिम्मेदारी नहीं उठाते, तो उन्हें उनके घर में रहने का कोई अधिकार नहीं है।

किसी के भी कंट्रोल में नहीं

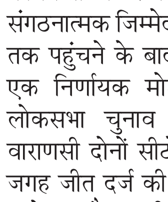

डॉ टी महादेव राव

भैया। यह बताइए ब्रह्मचारी, अविवाहित और परित्यक्त के मायने क्या हैं? इनके अर्थ क्या हैं? क्या हो गया छोटू। हमेशा ज्ञानार्जन, जिज्ञासा और शोध के मूड में रहने लगा है आजकल। अचानक इन शब्दों से क्या जरूरत आन पड़ी तुझे? वह व्यक्ति जो यौन संबंधों से दूर रहता है और वह व्यक्ति जो अविवाहित रहता है, विशेषतः धार्मिक कारणों से वह ब्रह्मचारी है। अविवाहित किसी भी पुरुष अथवा महिला के जीवन की वह स्थिति होती है जब तक उसका विवाह नहीं हुआ होता। परित्यक्त जो त्याग दिया गया हो । जो छोड़ दिया गया हो। छोड़ा, फेंका, निकाला या दूर किया हुआ।

तीनों में एक बात कॉमन है। तीनों किसी के भी कंट्रोल में नहीं रहते। रहें भी कैसे कोई लगाम कसने वाली ही जब नहीं है।

आखिर बात क्या है, कुछ बोलेगा भी या ...बताता हूं यह बताइए एक बुजुर्ग कह रहे थे ब्रह्मचारी शतमर्कटः । इसका मतलब क्या है भैया? आज यह परित्यक्त, अविवाहित और ब्रह्मचारी पर ट्यूशन लेने आया है छोटू? ब्रह्मचारी शत मर्कटः का मतलब है एक ब्रह्मचारी सौ बंदरों के बराबर होता है। अच्छा। यही बात अविवाहित और परित्यक्त के साथ भी लागू होती है न? शायद होती होगी। शायद नहीं भैया। होती ही होगी। वरना इतना अधिक उठापटक, बाद विवाद, गाली गलौच कैसे संभव है?तू कहना क्या चाहता है छोटू। साफ साफ बता भैया मुझे उस बुजुर्ग ने कहा कि इस ब्रह्मचारी शत मर्कटः की भी कोई कहानी है। आप तो इतना अधिक पढ़ते लिखते रहते हो, आपको भी वह कहानी मालूम होगी। बताइए न। आज क्या हो गया है तुझे? बच्चों जैसी हरकत कर रहा है।अच्छा सुन। एक नाव से कई लोग नदी पार कर रहे थे। नाव चलाने वाले के अलावा एक स्त्री अपने बच्चों के साथ, एक बंदर नचाने वाला अपने बंदर के साथ, झाड़ू बेचने वाला अपने झाड़ुओं के साथ और एक ब्रह्मचारी बैठे थे। नाव चली। सारे लोग अपने अपने में व्यस्त थे। ब्रह्मचारी ने स्त्री की ओर देखा जो मुस्कुरा रही थी। ब्रह्मचारी ने झाड़ू से एक तिनका तोड़ा और बैठे हुए बंदर के गर्दन में चुभोया। बंदर इस अकस्मात चुभन से कूदा और जाकर नाव वाले पर गिरा। दोनों नदी में गिर गए। नांव डांवाडोल होने लगी और सारे लोग ब्रह्मचारी समेत पानी में गिर पड़े। किनारे पे लोग देख रहे थे सबने कूदकर पानी से सभी की जान बचाई और नांव को किनारे पे लगाया। ब्रह्मचारी की एक शरारत ने बड़ी दुर्घटना को अंजाम दिया। इसी से तो कहा जाता है ब्रह्मचारी शत मर्कटः। देश में, संसद में, कुछ राज्यों में जो उठापटक और विवादास्पद स्थितियां जो बन रही हैं उनके लिए यह परित्यक्त और ब्रह्मचारी ही कारण हैं। रोज दर रोज खबरों में बने रहना, हर दिन नई सनसनी, दिन प्रतिदिन नए नए विषय और वाद विवाद के पीछे यही सब वजह हैं। प्रचार में खुद को बनाए रखना, कभी कुछ कभी कुछ सुरसुरी छोड़कर क्रूर आनंद प्राप्त करना और तो और अपने अहम को महाज्ञानी रावण से भी ऊंचे शिखर पर रखकर अहम ब्रह्मास्मी का व्यवहार करने के पीछे यही परित्यक्त और ब्रह्मचारी ही काम कर रहे हैं, यह सिद्ध हुआ।

विश्वकर्मा पूजा कल

धन-धान्य की अभिलाषा पूरी करते हैं देवताओं के इंजिनियर

विश्वकर्मा को देवताओं के शिल्पी के रूप में विशिष्ट स्थान प्राप्त है। शिल्पी वर्ग दीपावली के दूसरे दिन शिल्पकला के अधिदेवता भगवान विश्वकर्मा की पूजा करता है। देवताओं के समस्त विमानादि तथा अस्त्र-शस्त्र इन्हीं के द्वारा निर्मित हैं। संसार में आज जितना भी विकास हुआ है वह भगवान विश्वकर्मा जी की देन है, जिन्होंने सूई से लेकर जहाज तक बनवाने के गुण अपने पैरोकारों को सिखाए। आज समुद्र, आसमान और जमीन पर जो कुछ भी हो रहा है वह सब विश्वकर्मा जी की देन है। हिंदू धर्म के लगभग सभी ग्रंथों में यांत्रिक, वास्तुकला, धातुकर्म, प्रक्षेपास्त्र विद्या, वैमानिकी विद्या आदि के जितने भी प्रसंग प्राप्त होते हैं, उन सभी के अधिष्ठाता विश्वकर्मा माने गए हैं। आज मनुष्य योनि में जितनी भी सुख-सुविधाओं का सुख भोगा जा रहा है उनका निर्माण विश्वकर्मा जी ने ही किया। कहते हैं इंद्रपुरी, यमपुरी, वरुणपुरी, कुबेरपुरी, पांडवपुरी, सुदामापुरी और शिवमंडलपुरी आदि को बनाने का श्रेय भी इन्हीं को जाता है। कहा जाता है कि प्राचीन काल में जितनी राजधानियां थीं, प्रायः सभी विश्वकर्मा की ही बनाई कही जाती हैं। यहां तक कि सतयुग का 'स्वर्ग लोक', त्रेता युग की 'लंका', द्वापर की 'द्वारिका' और कलयुग का 'हस्तिनापुर' आदि विश्वकर्मा रचित ही थे। 'सुदामापुरी' की तत्क्षण रचना के बारे में भी यह कहा जाता है कि उसके निर्माता भी विश्वकर्मा थे। इससे यह आशय लगाया जाता है कि धन-धान्य और सुख-समृद्धि की अभिलाषा रखने वाले पुरुषों को बाबा विश्वकर्मा की पूजा करना आवश्यक और मंगलदायी है। कर्ण का कुंडल, विष्णु का सुदर्शन चक्र, शंकर का त्रिशूल और यमराज का कालदंड इत्यादि वस्तुओं का निर्माण भी भगवान विश्वकर्मा ने ही किया है। भगवान श्री राम के लिए सेतु निर्माण करने वाले वानर राज नल इन्हीं के अंश से उत्पन्न हुए थे। हिन्दू शिल्पी अपने कर्म की उन्नति के लिए इनकी आराधना करते हैं।

कैसे करें भगवान विश्वकर्मा की पूजा?

- सबसे पहले स्नान करने के बाद अपनी गाड़ी, मोटर या दुकान की मशीनों को साफ कर लें.
- उसके बाद स्नान करें.
- घर के मंदिर में बैठकर विष्णु जी का ध्यान करें और पुष्प चढाएं.
- एक कमंडल में पानी लेकर उसमें पुष्प डालें.
- अब भगवान विश्वकर्मा का ध्यान करें.
- अब जमीन पर आठ पंखुड़ियों वाला कमल बनाएं.
- अब उस स्थान पर सात प्रकार के अनाज रखें.
- अनाज पर तांबे या मिट्टी के बर्तन में रखे पानी का छिड़काव करें.
- अब चावल पात्र को समर्पित करते हुए वरुण देव का ध्यान करें.
- अब सात प्रकार की मिट्टी, सुपारी और दक्षिणा को कलश में डालकर उसे कपड़े से ढक दें.
- अब भगवान विश्वकर्मा को फूल चढ़ाकर आशीर्वाद लें.
- अंत में भगवान विश्वकर्मा की आरती उतारें।

जयपुर का गढ़ गणेश मंदिर: जहां बालरूप में बिना सूंड के विराजते हैं गणपति बप्पा!

राजस्थान के जयपुर शहर में स्थित गढ़ गणेश मंदिर एक ऐतिहासिक स्थल है, जो भगवान गणेश के भक्तों के लिए बहुत महत्व रखता है. यह मंदिर लगभग 300 साल पुराना है और यहां की विशेषता ये है कि यहा भक्त अपनी मनोकामनाओं की चिट्ठियां भगवान गणेश को लिखते हैं. यह मंदिर नाहरगढ़ और जयगढ़ किलों के पास अरावली पर्वत एक पहाड़ी पर स्थित है, और 500 फीट की ऊंचाई पर स्थित, इस स्थान पर पहुचने के लिए 365 सीढ़िया चढ़नी पड़ती हैं. हर रोज यहां भक्तों की भीड़ लगी रहती है, जो भगवान गणेश के दर्शन करने के लिए इस कठिन चढ़ाई को खुशी-खुशी पूरा करते हैं।

इतिहास और महत्व

गढ़ गणेश मंदिर का निर्माण 18वीं सदी में हुआ था, जब महाराजा सवाई जय सिंह II ने इसे बनवाया था. महाराजा ने जयपुर की स्थापना के लिए गुजरात के पंडितों को बुलाकर अश्वमेध यज्ञ करवाया था और इसी यज्ञ के बाद गढ़ गणेश मंदिर की स्थापना की गई. इसके बाद जयपुर शहर की नींव रखी गई. इस मंदिर का निर्माण धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए किया गया था, ताकि भगवान गणेश की पूजा से शहर की स्थापना और विकास में शुभता और सफलता सुनिश्चित हो सके।

मूर्ति की विशेषताएं

गढ़ गणेश मंदिर में भगवान गणेश की मूर्ति की विशिष्टता इसे अन्य गणेश मंदिरों से अलग बनाती है. इस मूर्ति की प्रमुख विशेषता यह है कि इसे बिना सूंड के बनाया गया है. आमतौर पर गणेश जी की मूर्तियों में सूंड का चित्रण होता है, लेकिन गढ़ गणेश की मूर्ति में सूंड का न होना उनके अद्वितीय और विशेष स्वरूप को दर्शाता है. मूर्ति के आस-पास उनकी सवारी, मूषक, भी विराजमान है. मूषक, जो गणेश जी का वाहन है।

मंदिर की विशेषताएं

गणेश मंदिर अरावली पर्वत पर स्थित है, जो इसके धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व को और भी बढ़ा देता है. मंदिर की संरचना और इसका वातावरण भक्तों को आध्यात्मिक शांति प्रदान करते हैं. यहां भक्त भगवान गणेश से अपनी इच्छाओं और समस्याओं के बारे में पत्र लिखते हैं. ये पत्र न केवल व्यक्तिगत मनोकामनाओं को व्यक्त करते हैं, बल्कि भक्तों की आस्थाओं और विश्वासों को भी प्रकट करते हैं. मंदिर में विशेष स्थान पर एक टेबल रखी गई है, जहां लोग अपने पत्र डाल सकते हैं और आशा करते हैं कि भगवान गणेश उनकी इच्छाए पूरी करेंगे।

नाहरगढ़ और जयगढ़ की सुंदरता

गणेश मंदिर की भव्यता और ऐतिहासिक महत्व केवल इसके धार्मिक महत्व तक ही सीमित नहीं है. यह मंदिर नाहरगढ़ और जयगढ़ किलों के बीच स्थित है, जो जयपुर के ऐतिहासिक किलों में से दो महत्वपूर्ण किले हैं. इन किलों की भव्यता और इतिहास इस मंदिर की महिमा को और भी बढ़ा देते हैं. नाहरगढ़ किला, जो मंदिर के पास स्थित है, अपने शानदार दृश्य और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है. यहां से जयपुर शहर का दृश्य मंत्रमुग्ध कर देने वाला होता है. इसी तरह, जयगढ़ किला भी एक प्रमुख ऐतिहासिक स्थल है और यहां से भी खूबसूरत दृश्य देखने को मिलते हैं. इन किलों की यात्रा के साथ-साथ गढ़ गणेश मंदिर का दौरा करना एक अद्वितीय अनुभव हो सकता है।

गढ़ गणेश मंदिर की मूर्ति की क्या विशेषता है?

गढ़ गणेश मंदिर की मूर्ति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि भगवान गणेश की इस मूर्ति में सूंड नहीं है. यह मंदिर जयपुर के अरावली पर्वत पर स्थित है और इसकी स्थापना सवाई जय सिंह II द्वारा की गई थी।

ऐसा कहा जाता हैं कि सवाई जय सिंह II मंदिर की ऊंचाई और दूरी के कारण दूरबीन का उपयोग करके गढ़ गणेश मंदिर के दर्शन करते थे. यह उनके लिए एक विशेष व्यवस्था थी ताकि वे बिना मंदिर आए भी भगवान गणेश के दर्शन कर सकें.

गढ़ गणेश मंदिर में भक्त अपनी मनोकामनाएं कैसे व्यक्त करते हैं?

गढ़ गणेश मंदिर में भक्त भगवान गणेश को चिट्ठियाँ लिखकर अपनी मनोकामनाएं व्यक्त करते हैं. ये चिट्ठियाँ मंदिर में विशेष स्थान पर रखी जाती हैं, और भक्त विश्वास करते हैं कि भगवान गणेश उनकी इच्छाएँ पूरी करेंगे।

इंदौर के खजराना गणेश मंदिर की दीवार पर बनाया जाता है उल्टा स्वास्तिक

पूरे भारत में भगवान गणपति के कई ऐसे मंदिर हैं जो अपनी विचित्रताओं के लिए मशहूर हैं। ऐसा ही एक मंदिर मध्य प्रदेश के इंदौर में स्थित है। इंदौर का ये मंदिर पूरे भारत में प्रसिद्द है और पूरे देश से इंदौर आए श्रद्धालु यहां दर्शन करने आते हैं। खास बात है कि बप्पा के इस चमत्कारी मंदिर में भक्तों को अपनी मुराद पूरी करवाने के लिए उल्टा स्वास्तिक बनाना पड़ता है। आज इस आलेख में हम आपको इसी मंदिर के बारे में बता रहे हैं।

कौन सा है यह मंदिर

मध्य प्रदेश के इंदौर में कई मंदिर हैं, जिनमें भगवान गणेश का काफी लोकप्रिय मंदिर है, खरजाना गणेश का मंदिर। इस मंदिर में स्थापित भगवान गणेश की मूर्ति को स्वयंभू गणेश माना जाता है। कहा जाता है कि यह मंदिर काफी चमत्कारी है और भक्तों की मनोकामनाओं को जरूर पूरी करते हैं। इस मंदिर में हर बुधवार को भगवान गणेश की विशेष पूजा आयोजित की जाती है। गणेश चतुर्थी पर विनायक जयंति का आयोजन इस मंदिर में बहुत धूमधाम के साथ किया जाता है। यहां भक्त भगवान गणेश को अपनी मनोकामनाएं बताते हैं और उनके समक्ष लड्डू का भोग लगाते हैं।

क्या है खरजाना गणेश मंदिर का इतिहास

इंदौर का खजराना स्थित गणेश मंदिर का निर्माण 1735 में होलकर वंश की महारानी अहिल्या बाई ने करवाया था। कहा जाता है कि औरंगजेब के शासनकाल में जब हिंदू देवी-देवताओं के मंदिरों को तोड़ा जा रहा था, उस समय इस मंदिर में स्थापित भगवान गणेश की मूर्ति को एक कुएं में छिपा दिया गया था। सालों बाद मंदिर के पंडित मंगल भट्ट को सपने में भगवान गणेश ने अपनी उपस्थिति का अहसास दिलवाया।

मंगल भट्ट ने महारानी अहिल्या बाई होल्कर को अपने सपने के बारे में बताया। उन्होंने इस सपने की बात को बेहद गंभीरता से लिया और सपने के अनुसार उस जगह खुदाई करवाई। खुदाई के बाद ठीक वैसी ही भगवान गणेश की मूर्ति प्राप्त हुई जैसा पंडित मंगल भट्ट ने बतायी थी। इसके बाद यहां मंदिर का निर्माण करवाया गया।

बनाया जाता है उल्टा स्वास्तिक

अपनी मनोकामना पूरी करवाने के लिए इस मंदिर में बड़ा ही अनोखा तरीका अपनाया जाता है। खजराना मंदिर में भगवान गणेशजी के मंदिर के पीछे दीवार यानी गणेशजी की पीठ पर लोग उल्टा स्वास्तिक चिह्न बनाते हैं। जब उनकी मन्नतें पूरी हो जाती हैं तो वापस इस मंदिर में आकर सीधा स्वास्तिक का चिन्ह बनाकर जाते हैं। ऐसा यहां पिछले कई सालों से होता आया है। कहा जाता है कि मंदिर की दीवार पर उल्टा स्वास्तिक का चिन्ह बनाने से हर मुराद पूरी होती है। इसके अलावा भक्त मंदिर की 3 परिक्रमा करने के लिए मंदिर की दीवार पर धागा बांधते हैं। कहा जाता है इससे भी उनकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

खरजाना गणेश की ख्याति इतनी ज्यादा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य भी खरजाना गणेश को टीम का सुपर सिलेक्टर मानते हैं। कहा जाता है कि टीम इंडिया का कोई भी सदस्य अगर इंदौर आता है, तो वह खरजाना गणेश मंदिर में बाप्पा के आर्शिवाद लेने जरूर जाता है। क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे ने एक बार कहा था कि बाप्पा का आर्शिवाद मिलने के बाद ही कोई खिलाड़ी टीम में सिलेक्ट होता है और अच्छा प्रदर्शन भी करता है। टीम इंडिया इन्हें सुपर सिलेक्टर मानती है।

देश से सबसे धनी मंदिरों में से है एक

इंदौर के खरजाना गणेश का मंदिर देश के सबसे धनी मंदिरों में से एक है। इस मंदिर की गिनती शिर्डी साईं बाबा और तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर के साथ की जाती है। इस मंदिर में भक्त दिल खोलकर ऑनलाइन चढ़ावा चढ़ाते हैं और हर साल मंदिर की दानपेटियों में काफी अच्छी खासी रकम विदेशी मुद्राओं से भरी रहती है। इससे ही यह पता चलता है कि इस मंदिर में विदेशों से आने वाले भक्तों की संख्या भी काफी ज्यादा होती है।

पंचमुखी गणेश मंदिर, यहां चूहे नहीं शेर के साथ पूजे जाते हैं गजानन

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में भगवान गणेशजी का खूबसूरत मंदिर है, जिसे पंचमुखी गणेश मंदिर के नाम से जाना जाता है। बेंगलुरु के हनुमंतनगर में कुमारा स्वामी देवस्थान के पास पंचमुखी गणेश मंदिर स्थित है। मंदिर के पास में विश्वकर्मा आश्रम भी है। आश्रम के छात्र मंदिर में होने वाले आयोजनों में अपनी सेवा देते हैं।

30 फीट ऊंचे गोपुरम पर है पंचमुखी गणेश

मंदिर का गोपुरम 30 फीट ऊंचा है, जिस पर गणेशजी की पंचमुखी प्रतिमा बनी हुई है, यह स्वर्ण रंग की है। इस प्रतिमा के पांच में से 4 मुख चार दिशाओं में बने हुए हैं और पांचवा मुख इन चारों मुखों के ऊपर सामने की ओर है। इस पंचमुखी गणेश मंदिर भगवान का वाहन चूहा नहीं है। बल्की यहां पर भगवान गजानन शेर के साथ पूजे जाते हैं। मंदिर का निर्माण श्रीचक्र कमेटी द्वारा 2007 में किया गया था। इस मंदिर की एक विशेषता यह भी है कि इसका निर्माण श्रीचक्र के आकार में किया गया है।

गणेशजी के 32 रूपों के चित्र

मंदिर के गर्भगृह में भगवान गणेश के 32 रूप के खूबसूरत चित्र देखे जा सकते हैं। प्रत्येक पूर्णिमा के अवसर पर मंदिर में सत्यनारायण स्वामी की पूजा की जाती है। गुरु पूर्णिमा, संकष्टी चतुर्थी और गणेश चतुर्थी के अवसर पर विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है।

जलकुंड में डालते हैं सिक्के

मंदिर के अंदर भी 6 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा स्थापित की गई है, काले पत्थर की यह प्रतिमा भी पंचमुखी है। यह मंदिर बाकी गणेश मंदिरों से इसलिए भी अलग है, क्योंकि यहां भगवान का वाहन मूषक नहीं बल्कि शेर है। मान्यता है कि सिंह के साथ भगवान गणेश के इस रूप की पूजा करने से व्यक्ति के दंभ का नाश होता है। मंदिर में एक छोटा सा जलकुंड है, इसके बारे में कहा जाता है कि लोग अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए इस कुंड में सिक्का डालते हैं।

केरलम का मधुर महागणपति मंदिर: जहां दीवार से प्रकट हुए गणपति

शिव-पार्वती के पुत्र गणेश भगवान को हर पूजा में सबसे पहले याद किया जाता है। गणपति जीवन के हर दुख व बाधा को हरने वाले हैं। किसी भी शुभ काम को करने से पहले भगवान गणेश को याद किया जाता है।

भगवान गणेश उनके लिए अच्छे भाग्य ले कर आते हैं। यही वजह है कई हिंदू कोई भी नया काम करने से पहले भगवान गणेश की पूजा करते हैं, ताकि नए काम में उन्हें सफलता मिले। भारत के तकरीबन हर हिस्से में बड़ी संख्या में गणेश मंदिर है। सभी मंदिर अपने-अपने कथाओं और चमत्कारों के कारण प्रसिद्ध है। आज हम आपको ऐसे मंदिर के बारें में बता रहे है। जो कि अपने आप में सबसे प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिर है। यह मंदिर केरल में है। इस मंदिर का नाम है मधुर महागणपति मंदिर। जानिए इस गणेश मंदिर के बारें में रोचक बातें।

इस मंदिर से जुड़ी सबसे रोचक बात ये है कि शुरुआत में ये भगवान शिव का मंदिर था लेकिन पुजारी के छोटे से बेटे ने मंदिर की दीवार पर भगवान गणेश की प्रतिमा का निर्माण किया। कहते हैं मंदिर के गर्भगृह की दीवार पर बनाई हुई बच्चे की प्रतिमा धीरे-धीरे अपना आकार बढ़ाने लगी। वो हर दिन बड़ी और मोटी होती गई। उस समय से ये मंदिर भगवान गणेश का बेहद खास मंदिर हो गया।

गणपति सेलिब्रेशन में डीप नेक ब्लाउज पहनने पर ट्रोल हुईं दिशा पाटनी

दिशा पाटनी सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं. हाल ही में वो अंबानी परिवार के गणपति उत्सव में पहुंची थीं. इस दौरान वो रेड कलर के लहंगे और डीप नेक ब्लाउज में नजर आईं. यूजर्स उनके लुक पर सवाल उठा रहे हैं.अंबानी परिवार के गणपति उत्सव में एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने शिरकत की. इस दौरान वो रेड लहंगे और डीप नेक ब्लाउज में नजर आईं. दिशा के इस लुक की तस्वीरें और वीडियो सामने आने के बाद कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया और उनके आउटफिट को लेकर सवाल उठाए. गणेश चतुर्थी के मौके पर एक्ट्रेस दिशा पाटनी अंबानी परिवार के गणपति सेलिब्रेशन में पहुंचीं. इस दौरान वो रेड कलर का लहंगा और डीप नेक ब्लाउज में पहने नजर आईं. हालांकि उनका ये लुक चर्चा का विषय बन गया. गणपति सेलिब्रेशन से दिशा के कई वीडियोज और फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. वीडियो सामने आने के बाद कई यूजर्स ने उनके आउटफिट को लेकर कमेंट किए और उन्हें ट्रोल भी किया.

दिशा के लुक की बात करें तो उन्होंने लहंगे के साथ मैचिंग ब्लाउज पहना, जिसकी नेकलाइन काफी डीप थी और लाल दुपट्टा एक कंधे पर डाला हुआ था.

उन्होंने स्टेटमेंट ईयररिंग्स और चूड़ियों के साथ अपना लुक पूरा किया. खुले बालों में दिशा बेहद खूबसूरत लग रही थीं. गणपति सेलिब्रेशन में पहुंचते ही एक्ट्रेस ने कैमरों के सामने पोज भी दिए.

हालांकि, दिशा का आउटफिट जल्द ही सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग की वजह बन गया. एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'कृति सेनन को ट्रोल करने वालों जरा यहां भी देख लो.' हाल ही में कृति सेनन को रक्षाबंधन के एक एड को लेकर ट्रोल किया गया था.

वहीं दूसरे ने लिखा, 'फैशन शो था क्या??', तीसरे ने कहा, 'कृति ने वो आउटफिट पहना तो बड़ी प्रॉबलम थी, ये ठीक है???' एक और यूजर ने लिखा, 'इसको नहीं पता कब क्या पहनना है.'

वर्क फ्रंट की बात करें तो दिशा पाटनी हाल ही में फिल्म 'आवारपन 2' में नजर आई थी. फिल्म में इमरान हाशमी लीड रोल में थे.

पहले क्या करती थीं रणबीर कपूर की बड़ी बहन रिद्धिमा कपूर? 45 की उम्र में किया था बॉलीवुड डेब्यू

ऋषि कपूर बॉलीवुड के सबसे बेहतरीन एक्टर्स में से एक रहे हैं. उनकी राह पर चलते हुए उनके बेटे रणबीर कपूर ने भी बॉलीवुड में करियर बनाया और खूब नाम कमाया. हालांकि बेटी रिद्धिमा कपूर ने पिता ऋषि कपूर और मां नीतू कपूर की तरह एक्टिंग को नहीं चुना था. हालांकि 45 साल की उम्र बीत जाने के बाद रिद्धिमा ने एक्टिंग डेब्यू किया था. आइए आज जानते हैं कि एक्टिंग में आने से पहले रिद्धिमा आखिर क्या करती थीं?

ऋषि कपूर ने मशहूर एक्ट्रेस नीतू कपूर से साल 1980 में शादी की थी. इसके बाद कपल ने दो बच्चों का वेलकम किया था. कपल के घर पहले बेटी रिद्धिमा कपूर और फिर बेटे रणबीर कपूर ने दस्तक दी थी. रणबीर का जन्म 28 सितंबर 1982 को हुआ था. वहीं रिद्धिमा का जन्म 15 सितंबर 1980 को हुआ था जो आज 46 साल की हो चुकी हैं.

एक्टिंग में आने से पहले क्या करती थीं रिद्धिमा?

रणबीर कपूर ने साल 2007 में फिल्म 'सांवरिया' से अपना बतौर लीड एक्टर डेब्यू किया था, लेकिन रिद्धिमा ने फिल्मी बैकग्राउंड से होने के बावजूद सिनेमा से दूरी बनाए रखी. उन्होंने ज्वेलरी डिजाइनर और इंटरप्रेन्योर के रूप में काम किया. रिद्धिमा ने साल 2016 में रिद्धिमा कपूर साहनी नाम के ज्वैलरी ब्रांड की शुरुआत की थी.

45 साल की उम्र में किया एक्टिंग डेब्यू

जिस उम्र में एक्ट्रेसेस को काम मिलना कम हो जाता है या बतौर लीड कलाकार उनका करियर खत्म हो जाता है उस उम्र में रिद्धिमा ने अपने एक्टिंग करियर का आगाज किया.

मई 2026 में रिलीज हुई फिल्म 'दादी की शादी' में वो एक्टिंग करती हुई नजर आई थीं. फिल्म में उन्होंने सुनैना नाम का किरदार निभाया था. इसमें रिद्धिमा की मां नीतू कपूर और कपिल शर्मा अहम रोल में नजर आए थे.

20 साल पहले भरत साहनी से की थी शादी

रिद्धिमा कपूर की पर्सनल लाइफ की बात करें तो आपको बता दें कि रिद्धिमा 20 साल पहले ही शादी कर चुकी हैं. 46 वर्षीय रिद्धिमा की शादी साल 2006 में बिजनेसमैन भरत साहनी से हुई थी. दोनों ने शादी के बाद एक बेटी समायरा साहनी का वेलकम किया था. रिद्धिमा अपने परिवार के साथ दिल्ली में रहती हैं.

क्यों 'धुरंधर' पर फूटा गीतकार समीर का गुस्सा?
फिल्म इंडस्ट्री के नए संगीतकारों पर बोली यह बड़ी बात

मशहूर गीतकार समीर अंजान ने आदित्य धर की 'धुरंधर की कड़ी अलोचना की है। इस दौरान समीर ने फिल्म इंडस्ट्री में संगीत की मौजूदा हालात पर भी काफी कुछ कहा।

पुराने गानों पर क्या बोले समीर

दिग्गज गीतकार समीर अंजान ने कई हिट फिल्मों में संगीत दिया है। उन्होंने हाल ही में 'धुरंधर' में उपयोग किये गए पुराने गानों की काफी आलोचना की। उन्होंने कहा, 'जो चीज अच्छी होती है, वही लंबे समय तक चलती है। इसलिए 100 साल बाद भी पुराने गाने सुनने वाले ढूंढ ही लेंगे।

एक प्रोड्यूसर ने मुझे बताया कि उन्होंने अपने ऑफिस में सिर्फ युवा लोगों को ही काम पर रखा है। मैंने पूछा, 'अच्छी बात है, कब से रखा है आपने?' उन्होंने जवाब दिया, '5-6 साल से'। एक समय था जब आपकी कंपनी हर साल 10 सुपरहिट एल्बम देती थी। लेकिन पिछले 5-6 साल में ऐसा नहीं हुआ है। तो फिर आपने किन लोगों को काम पर रखा है?'

नए और पुराने टैलेंट का हो मिश्रण

समीर अंजान ने आगे अपनी बातचीत में आगे कहा, 'मैं यह नहीं कह रहा कि युवा लोग टैलेंटेड नहीं हैं। लेकिन जब पुराने और नए लोग साथ मिलकर काम करते हैं, तो यह फायदेमंद हो सकता है। मैंने 'फालतू' में सचिन-जिगर के साथ काम किया और 'आल्तू जलालतू' और 'चार बज गए लेकिन पार्टी अभी बाकी है' जैसे गाने लिखे। इन गानों से मैंने साबित किया कि मैं युवाओं के साथ मिलकर काम कर सकता हूं और ऐसे युवा-जोश वाले गाने बना सकता हूं।'

'धुरंधर' पर दी कड़ी प्रतिक्रिया

रणवीर सिंह की 'धुरंधर' पर समीर ने कहा, 'यही कारण है कि संगीत का फिल्म इंडस्ट्री में यह हाल हुआ है। ऊपर से 'धुरंधर' ने और सत्यानाश किया। उन्होंने संगीत को उठाकर बैकग्राउंड में डाल दिया। 'धुरंधर द रिवेंज' में मेरे गाने 'हम प्यार करने वाले, दुनिया से ना डरने वाले' को दोबारा बनाया। लेकिन स्क्रीन पर, गोलियां चल रही हैं भाई? अब यह मेरे पिता का उद्योग नहीं है कि मैं ऐसी प्रथाओं को रोक सकता हूं। अजय देवगन की चौहान का टीजर देखें। 'जुम्मा चुम्मा' बैकग्राउंड में बजता है जबकि सारा एक्शन स्क्रीन पर होता है।'

अरिजीत के इंडस्ट्री छोड़ने की वजह बताई

अपने इंटरव्यू में आगे समीर अंजान ने अरिजीत सिंह के इंडस्ट्री छोड़ने पर कहा, 'इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि अरिजीत सिंह परेशान हो गए और इंडस्ट्री छोड़ दी। उनके लिए काम एक जैसा हो गया था; ज्यादातर गानों का साउंड एक जैसा ही होता है। उन्हें वैरायटी नहीं मिल रही थी। उस जमाने में उदित नारायण और दूसरे गायकों को अलग-अलग तरह के गाने मिलते थे।'

कौन हैं समीर अंजान ?

समीर अंजान बॉलीवुड फिल्मों के प्रसिद्ध गीतकार हैं। उन्होंने 4,500 से अधिक गाने लिखे हैं। 2015 में उन्हें सबसे विपुल बॉलीवुड गीतकार के रूप में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता दी गई थी।

सामंथा की हुई गोद भराई की रस्म चेहरे पर दिखा प्रेग्नेंसी ग्लो

सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों प्रेग्नेंसी फेज को एन्जॉय कर रही हैं. गणेश चतुर्थी के मौके पर उनकी गोद भराई की रस्म हुई, जिसकी तस्वीरें और वीडियोज को उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर किया है. सामंथा रुथ प्रभु प्रेग्नेंट हैं और वो इस फेज को एन्जॉय करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं. एक्ट्रेस ने काम से भी ब्रेक ले लिया है. ऐसे में आज जहां गणेश चतुर्थी के मौके पर देशभर में सेलिब्रेट किया जा रहा है. इसी बीच उनकी दोस्त शिल्पा रेड्डी ने उनके प्रेग्नेंसी फेज को और भी खास बना दिया है. उनकी गोद भराई की रस्म हुई, जिसमें उनके चेहरे पर ग्लो तो देखने के लिए मिला ही साथ ही एक्ट्रेस ने हर रीति-रिवाज का मतलब भी बताया.

सामंथा इस वीडियो को शेयर करने के साथ ही लिखती हैं, 'परंपराओं के लिए मेरे मन में हमेशा सम्मान रहा है. हो सकता है कि मैं हर रीति-रिवाज मतलब ना समझूं लेकिन मेरा हमेशा ही यही मानना रहा है कि उनके पीछे कुछ गहरी बात है. जैसे मंत्र की आवाज, जाप से पैदा होने वाल एनर्जी, सावधानी से ये पुरानी परंपराएं पीढ़ियों से आगे बढ़ाई गई हैं.' सामंथा को इस फोटो के लिए लिखा, 'कला आवरण (श्री कल्पम) श्रीविद्या परंपरा की खास मान्यता है. इसमें होने वाली मां के 7 चक्रों के जरिए देवी की 94 कलाओं और उनके कई दिव्य गुणों का सम्मान किया जाता है. इसे पवित्र जल और मंत्रों के जरिए शुद्ध और ऊर्जावान बनाया जाता है. ताकि चेतना की जीवंत उपस्थिति उनमें प्रवाहित की जा सके.'

एक्ट्रेस बताती हैं, 'इस रस्म में मां को जिस नजरिए से देखा जाता है, उसने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया. उन्हें साक्षात देवी के रूप में सम्मान दिया जाता है, जिनके जरिए वो एक नए जीवन में प्रवेश करती है. ये उनके भीतर पल रहे बच्चे के लिए और उस महिला के लिए भी एक आशीर्वाद है, जो स्वयं एक नए रूप में जन्म ले रही है.' इस तस्वीर के लिए सामंथा लिखती हैं, 'होने वाली मां का पहले अभिषेक किया जाता है फिर उसे श्री चक्र यंत्र के पवित्र केंद्र में बिठाया जाता है. ये 9 आवरणों से बना होता है, जो आध्यात्मिक सफर के अलग-अलग चरणों को दर्शाता है. इसके सेंटर में एक बिंदु होता है, जो अकेला बिंदु और सृष्टि के स्त्रोत और ललिता त्रिपुरसुंदरी की उपस्थिति का प्रतीक है.'

सामंथा बताती हैं, 'देवी खड्गमाला के पाठ के दौरान, इन 9 घेरों से जुड़े देवी-देवताओं और दैवीय शक्तियों के नामों का उच्चारण किया जाता है. यह पाठ प्रतीकात्मक रूप से बाहरी परतों से केंद्र की ओर बढ़ता है, जिससे सुरक्षा और आशीर्वाद का आह्वान होता है.'

'बंगारम' एक्ट्रेस लिखती हैं, 'मान्यता है कि मंत्रों के जाप से मां और बच्चे के चारों ओर एक सुरक्षा घेरा बनता है, जिससे बच्चे को जन्म से पहले ही एक पवित्र संस्कार-मंत्रों के जरिए बनने वाली एक आध्यात्मिक छाप-मिलती है.'

कंगना रनौत: 'स्वीपर की नौकरी भी नहीं मिलेगी'
राखी सावंत के विवादित बयान पर एक्ट्रेस का करारा जवाब

एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने राखी सावंत के हालिया विवादित बयान पर करारा जवाब दिया है। राखी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कंगना रनौत और एक्ट्रेस से नेता बनीं स्मृति ईरानी को लेकर कुछ ऐसी बातें कही थीं, जिसके बाद वह सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रही हैं। अब कंगना ने राखी पर जमकर निशाना साधा है।

क्या था राखी का विवादित बयान?

दरअसल, यह पूरा विवाद 'एमके टॉक्स' पॉडकास्ट के एक एपिसोड के बाद शुरू हुआ। बातचीत के दौरान राखी सावंत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कई महिला नेताओं को लेकर विवादित टिप्पणी की।

राखी ने कहा, 'मोदी जी इधर-उधर क्यों देख रहे हैं? कंगना से उन्हें हड्डियों के अलावा क्या मिलेगा? मोदी जी, इन स्मृति, कंगना और इन सभी महिलाओं ने आपको ऐसा क्या दिया कि आपने उन्हें मंत्री बना दिया? तो उन्होंने जो भी आपको दिया है, मैं भी दे सकती हूं।'

कंगना ने स्टोरी शेयर कर दिया करारा जवाब

राखी के इस बयान पर कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए जवाब दिया। उन्होंने लिखा कि सिर्फ राखी ही नहीं, बल्कि ज्यादातर असफल और कड़वाहट से भरे लोग सफल महिलाओं के चरित्र पर सवाल उठाकर अपनी जलन, ईर्ष्या, असफलता और अहंकार को सही साबित करने की कोशिश करते हैं। कंगना ने आगे कहा कि अब समय आ गया है कि लोग इस तरह के लगातार और जानबूझकर किए जाने वाले हमलों के सामने कमजोर पड़ना बंद करें। उन्होंने कहा कि लोगों को ऐसी बातों से अपमानित और आहत महसूस करना बंद करना चाहिए और हर बात पर सफाई देने की जरूरत नहीं है।

फेवर करने से स्वीपर की नौकरी भी नहीं मिलेगी

इसके बाद कंगना ने राखी पर सीधा निशाना साधते हुए लिखा, 'हां मेरे प्यारों! तुम भी सफलता के लिए सब कुछ करने को तैयार हो, लेकिन अंदाजा लगाओ क्या? दुर्भाग्य से किसी को तुमसे कुछ नहीं चाहिए। याद रखना, तुम्हारे सारे फेवर मिलकर भी तुम्हें स्वीपर की नौकरी नहीं दिला पाए, क्योंकि उसके लिए भी कुछ क्वालिटी और टैलेंट चाहिए।' कंगना ने आगे लिखा कि इसलिए फेवर करो या न करो, तुम कहीं नहीं जा रही हो। उन्होंने राखी को बैठकर अपनी रील्स देखने और रोते रहने की बात भी कही।

राम्या कृष्णन ने 14 की उम्र में किया डेब्यू, अमिताभ-शाहरुख संग किया रोमांस; 'बाहुबली' से मिली नई पहचान

अभिनेत्री राम्या कृष्णन को आप 'बाहुबली' की 'राजमाता' शिवागामी के रूप में जानते होंगे। आखिर, इसी किरदार ने उन्हें लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचाया भी है। मगर, करियर की बात करें तो 'राजमाता' बनने से पहले वे साउथ से बॉलीवुड तक कई बड़ी फिल्मों में काम कर चुकी थीं। हिंदी इंडस्ट्री में अमिताभ बच्चन से शाहरुख खान तक, कई बड़े सितारों के साथ उन्होंने काम किया। आज 56वें जन्मदिन पर जानिए उनसे जुड़ी बातें...

तमिल फिल्म से किया था आगाज

राम्या कृष्णन का जन्म 15 सितंबर 1970 को चेन्नई में हुआ था। 14 साल की उम्र में राम्या ने तमिल फिल्म 'वेल्लई मनासु' (1984) से डेब्यू किया। 'बाहुबली' में राम्या का गुस्सैल और रौद्र रूप देखने को मिला था। उनके पहले की फिल्मों को देखें तो वो ग्लैमरस और बोल्ड अंदाज में दिखी थीं। डेब्यू से लेकर अब तक, इतने वर्षों में उनके पहनावे और अंदाज में काफी बदलाव आया है।

बॉलीवुड की चकाचौंध ने किया आकर्षित

राम्या ने साउथ में तेलुगु, मलायलम और कन्नड़ भाषा की फिल्मों में काम किया है। इनकी पहली मलयालम फिल्म 'नीरम पुलारुमबोल' थी, जो 1986 में आई। वहीं, पहली तेलुगु फिल्म 'भलाए मिथरुलु' थी।

राम्या ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री के बाद बॉलीवुड का रुख किया। दरअसल, राम्या साउथ इंडस्ट्री में पहले से ही अच्छा काम कर रहीं थीं, लेकिन बॉलीवुड की चकाचौंध उन्हें हिंदी फिल्मों में खींच लाई। राम्या को पहली हिंदी फिल्म 1988 में मिली। ये फिल्म

थी 'दयावान' जिसमें उनके साथ विनोद खन्ना और माधुरी दीक्षित थीं। हालांकि इस फिल्म में उन्हें कुछ खास पहचान नहीं दिलाई, क्योंकि इसमें वो एक डांसर के किरदार में थीं।

यश चोपड़ा की फिल्म में दिया था 'लिपलॉक' सीन

साल 1993 में उन्होंने यश चोपड़ा की फिल्म 'परंपरा' से हिंदी सिनेमा जगत में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर कदम रखा। बॉलीवुड में राम्या अपने बोल्ड अंदाज के चलते खूब सुर्खियों में रहीं।

फिल्म 'परंपरा' में तो उन्होंने उम्र में 24 साल बड़े एक्टर विनोद खन्ना के साथ एक लिपलॉक किया जो खूब चर्चित रहा।

इसके बाद राम्या ने सुभाष घई की 'खलनायक', महेश भट्ट की 'चाहत' और डेविड धवन की 'बनारसी बाबू' और 'बड़े मियां छोटे मियां' में अभिनय किया।

साल 1993 में रिलीज 'खलनायक' में राम्या का बहुत छोटा सा किरदार है। मगर, वे इसमें भी छा गईं।

राम्या ने शाहरुख के साथ फिल्म 'चाहत' में रोमांस किया था। इस फिल्म में शाहरुख के अपोजिट पूजा भट्ट थीं। फिल्म का गाना 'दिल की तनहाई' सुपरहिट हुआ था। इस फिल्म में राम्या को बहुत पसंद किया गया था।

साल 1998 में आई फिल्म 'बड़े मियां-छोटे मियां' में अभिनेत्री ने अमिताभ बच्चन के साथ काम किया था। दर्शकों ने इस जोड़ी को खूब पसंद किया था। 1997 में राम्या ने फिल्म 'शपथ' में जैकी श्रॉफ के साथ काम किया था। इस फिल्म में दोनों ने रोमांस किया था।

श्रीदेवी की वजह से हाथ लगा राजमाता का रोल

फिल्म 'बाहुबली' राम्या के करियर के लिए एक मील का पत्थर साबित हुई। कम ही लोगों को पता होगा कि शिवगामी के रोल के लिए पहले दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी से बात की गई थी लेकिन ज्यादा फीस मांगने की वजह से निर्देशक राजामौली ने राम्या को साइन कर लिया और इस फिल्म ने राम्या को एक नई पहचान दिलाई। राम्या कृष्णन अभी तक 200 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

'मिर्जापुर'-'हनुमान अंश' के शोर के बीच चुपचाप हिट हो गई इरुमुडी, कमा डाला 422% प्रॉफिट

मास महाराजा रवि तेजा ने अपनी लेटेस्ट रिलीज इमोशनल एक्शन ड्रामा फिल्म 'इरुमुडी' के साथ बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाया हुआ है. शिवा निर्वाण के निर्देशन में बनी यह फिल्म मेकर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स, दोनों के लिए ही जबरदस्त फायदे का सौदा साबित हुई है और हाल के समय की सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली तेलुगु फिल्मों में से एक बन गई है. इसने सिनेमाघरों में रिलीज के 25 दिन पूरे कर लिए हैं. चलिए यहां इसका अब तक का कलेक्शन और प्रॉफिट जानते हैं.

'इरुमुडी' ने 25वें दिन कितना किया कलेक्शन?

रवि तेजा की फिल्म 'इरुमुडी' एक जबरदस्त ब्लॉकबस्टर साबित हुई है, इस फिल्म ने रिलीज के 25वें दिन भी भारतीय बॉक्स ऑफ़िस पर अच्छा परफॉर्म किया. बता दें कि सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रपोर्ट के मुताबिक 'इरुमुडी' ने अपनी रिलीज के 25वें दिन यानी चौथे सोमवार 2.50 करोड़

रुपये (नेट) की कमाई की है,इसी के साथ इस फिल्म की भारत में 25 दिनों की कुल नेट कमाई अब 182.90 करोड़ रुपये हो गई है.

वहीं इसकी वर्ल्डवाइड ग्रॉस कमाई अब 234.95 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है.

25 दिनों में कमा लिया तगड़ा मुनाफा

बता दें कि 'इरुमुडी' को 35 करोड़ के बजट में बनाया गया है. इस फिल्म ने रिलीज के 25 दिनो में 182.90 करोड़ की नेट कमाई कर 147.90 करोड़ का रिटर्न ऑन इनवेस्टमेंट हासिल किया है जो कि 422.57% प्रॉफिट है. रवि तेजा की ये फिल्म अब 'कपल फ्रेंडली' के बाद साल 2026 की दूसरी सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली तेलुगु फिल्म बन गई है. दिलचस्प बात ये है कि इसने बॉक्स ऑफिस की सभी उम्मीदों को पीछे छोड़ते हुए 2025 और 2026 में रिलीज़ हुई लगभग हर तेलुगु फिल्म के मुनाफे के मार्जिन को पीछे छोड़ दिया है. ये बस तीन फिल्मों 2026 की 'कपल फ्रेंडली' और 2025 की 'लिटिल हार्ट्स' और 'राजू वेड्स रंबाई'! से पीछे है.

'इरुमुडी' के बारे में

इस कामयाबी के साथ, 'इरुमुडी' रवि तेजा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली सोलो फिल्म बन गई है. इसने 'धमाका' को पीछे छोड़ दिया है, जिसने दुनिया भर में 82.81 करोड़ कमाए थे. फिल्म में रवि तेजा ने लीड रोल प्ले किया है. उनके साथ प्रिया भवानी शंकर, 'लबर पांडु' फेम स्वासिका (जो एक नेगेटिव किरदार निभा रही हैं) और चाइल्ड एक्टर बेबी नक्षत्र भी हैं.

'इरुमुडी' की क्या है कहानी?

'इरुमुडी' की कहानी त्रिनाथ (रवि तेजा) के इर्द-गिर्द घूमती है. वह शराब की लत से जूझ रहा एक पिता हैं जो अपनी बेटी मणिकंटा (बेबी नक्षत्र) के बेहतर भविष्य के लिए अयप्पा दीक्षा लेने का फ़ैसला करता है. 'इरुमुडी' 18 सितंबर से नेटफ़्लिक्स पर तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में स्ट्रीम होगी.

पार्टनर को सबकुछ बताना सही है या गलत? हेल्दी रिश्ते का क्या है राज

एक हेल्दी और मजबूत रिश्ता सिर्फ प्यार पर नहीं, बल्कि भरोसे, ईमानदारी, सम्मान और सही संवाद पर टिका होता है। अक्सर रिलेशनशिप में यह सवाल उठता है कि क्या पार्टनर से हर छोटी-बड़ी बात शेयर करनी चाहिए? क्या प्यार में कोई राज या पर्सनल स्पेस नहीं होना चाहिए? कुछ लोग मानते हैं कि रिश्ते में पूरी पारदर्शिता जरूरी है, जबकि कुछ अपनी निजी बातें पूरी तरह अपने तक रखना पसंद करते हैं। सच इन दोनों के बीच मौजूद है।

एक स्वस्थ रिश्ते में ईमानदारी और प्राइवेसी दोनों की अपनी जगह होती है। पार्टनर से महत्वपूर्ण बातें छिपाना भरोसे को नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन हर विचार, हर पुरानी याद या किसी दूसरे व्यक्ति की निजी जानकारी साझा करना भी जरूरी नहीं है। अच्छी रिलेशनशिप वह होती है, जहां दोनों लोग खुलकर बात कर सकें और साथ ही एक-दूसरे की व्यक्तिगत सीमाओं का सम्मान भी करें।

अपनी भावनाएं और परेशानियां जरूर शेयर करें

रिश्ते में अगर कोई बात आपको परेशान कर रही है, आप दुखी हैं, नाराज हैं या किसी बात से असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, तो उसे लंबे समय तक दबाकर रखना सही नहीं है। पार्टनर से शांत तरीके से अपनी भावनाएं साझा करने से गलतफहमियां कम हो सकती हैं। हालांकि बातचीत का तरीका भी मायने रखता है। आरोप लगाने के बजाय अपनी भावना बताना बेहतर होता है। जैसे, तुम कभी मेरी बात नहीं समझते, कहने के बजाय मुझे इस स्थिति में अकेलापन महसूस हुआ, कहना बातचीत को ज्यादा सकारात्मक दिशा दे सकता है।

आर्थिक मामलों में ईमानदार रहें

अगर आप शादीशुदा हैं, साथ रहते हैं या भविष्य में साथ जीवन बिताने की योजना बना रहे हैं, तो कमाई, कर्ज, बड़ी आर्थिक जिम्मेदारियां और महत्वपूर्ण खर्चों के बारे में ईमानदारी जरूरी है। आर्थिक जानकारी छिपाने से भविष्य में बड़ा विवाद हो सकता है। इसका मतलब यह नहीं कि हर व्यक्ति को अपनी निजी वित्तीय स्वतंत्रता छोड़ देनी चाहिए, बल्कि महत्वपूर्ण फैसलों और ऐसी जिम्मेदारियों पर खुलकर बातचीत होनी चाहिए जो दोनों के जीवन को प्रभावित कर सकती हैं।

भविष्य की उम्मीदों पर जरूर बात करें

रिश्ते की शुरुआत में ही हर चीज तय नहीं होती, लेकिन समय के साथ भविष्य से जुड़ी उम्मीदों पर बातचीत जरूरी है। शादी, परिवार, करियर, रहने की जगह, बच्चों और जीवनशैली जैसी बातें दोनों लोगों के भविष्य को प्रभावित करती हैं। अगर दोनों की इच्छाएं बिल्कुल अलग हैं और उन पर कभी खुलकर बात नहीं होती, तो बाद में रिश्ते में तनाव बढ़ सकता है। इसलिए समय-समय पर यह जानना जरूरी है कि आपका पार्टनर जीवन और रिश्ते को किस नजर से देखता है।

ऐसी बातें न छिपाएं जो पार्टनर को सीधे प्रभावित करती हों

अगर आपके जीवन में कोई ऐसी समस्या, फैसला या परिस्थिति है जिसका असर सीधे आपके पार्टनर और रिश्ते पर पड़ सकता है, तो उसे छिपाना सही नहीं है। उदाहरण के लिए, किसी बड़ी आर्थिक जिम्मेदारी, गंभीर रिश्ते से जुड़े फैसले या ऐसी स्थिति के बारे में ईमानदारी जरूरी है जो विश्वास को प्रभावित कर सकती है।

हर बात शेयर करना जरूरी नहीं, पर्सनल स्पेस भी है जरूरी

पार्टनर से प्यार करने का मतलब यह नहीं कि व्यक्ति की अपनी पहचान और निजी दुनिया खत्म हो जाए। हर व्यक्ति को कुछ पर्सनल टाइम, अपनी पसंद, निजी विचार और व्यक्तिगत स्पेस की जरूरत हो सकती है। आपको हर सोच, हर बातचीत या दिनभर की हर छोटी गतिविधि की रिपोर्ट पार्टनर को देना जरूरी नहीं है। स्वस्थ रिश्ते में भरोसा होता है, जहां दोनों लोग बिना लगातार निगरानी के भी सुरक्षित और सम्मानित महसूस कर सकें।

किसी दूसरे व्यक्ति की निजी बातें शेयर करने से बचें

अगर किसी दोस्त या परिवार के सदस्य ने आपसे कोई निजी बात विश्वास में कही है, तो उसे पार्टनर को बताना हमेशा जरूरी नहीं है। किसी और की प्राइवेसी का सम्मान करना भी रिश्तों की जिम्मेदारी है।

हालांकि अगर कोई गंभीर सुरक्षा या कानूनी मुद्दा हो, तो स्थिति अलग हो सकती है। सामान्य परिस्थितियों में किसी दूसरे व्यक्ति के निजी राज को केवल बातचीत के लिए साझा करने से बचना बेहतर है।

पुराने रिश्तों की हर छोटी डिटेल बताना जरूरी नहीं

पार्टनर को अपने अतीत के बारे में जरूरी और ईमानदार जानकारी होना महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन पुराने रिश्तों की हर छोटी घटना, तुलना या निजी विवरण साझा करना जरूरी नहीं है। बार-बार पुराने रिश्तों की तुलना करना वर्तमान रिश्ते में असुरक्षा और तनाव पैदा कर सकता है। अतीत को समझना जरूरी है, लेकिन वर्तमान रिश्ते को अतीत की हर कहानी का बोझ बनाना सही नहीं।

सीक्रेट और प्राइवेसी में अंतर समझें

सीक्रेट वह बात हो सकती है जिसे जानने से पार्टनर के भरोसे या जीवन पर असर पड़ता हो और जिसे जानबूझकर छिपाया जा रहा हो। वहीं प्राइवेसी का मतलब है कि व्यक्ति के पास अपनी व्यक्तिगत सीमाएं और स्वतंत्र स्थान भी हो। उदाहरण के लिए, अपने महत्वपूर्ण कर्ज को छिपाना और अपने किसी दोस्त के निजी मैसेज को बिना कारण पार्टनर को न दिखाना— दोनों एक जैसी बातें नहीं हैं। हेल्दी रिलेशनशिप में इस अंतर को समझना बेहद जरूरी है।

सूखे पौधों में नई जान डालेगा रसोई का कचरा

अगर आपके घर के पौधे मुरझा रहे हैं, पत्तियां पीली हो रही हैं या बिल्कुल सूखने की कगार पर हैं तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। महंगे फर्टिलाइजर नहीं, बल्कि आपकी रसोई ही उन्हें नई जिंदगी दे सकती है। केले के छिलके, चायपत्ती, छाछ, प्याज के छिलके और दाल का पानी आदि रसोई घर से रोज कचरे के तौर पर निकलने वाली ये चीजें नेचुरल टॉनिक की तरह पौधों पर काम करते हैं। इनका उपयोग सही तरीके से करके घर पर ही पौधों के लिए नेचुरल खाद बना सकते हैं, जिससे मुरझा रहे पौधे एक बार फिर खिल उठेंगे। आइए जानते हैं रसोई घर के किन कचरों का उपयोग खाद की तरह किया जा सकता है और कैसे।

केले का छिलका

केले का छिलका फेंकने की गलती न करें। ये प्राकृतिक पोटैशियम सप्लीमेंट है। केले के छिलकों में भरपूर पोटैशियम और फॉस्फोरस होता है, जो पौधों की जड़ों को मजबूत करता है और फूलों को खिलने में मदद करता है। इसके इस्तेमाल के लिए छिलकों को छोटे टुकड़ों में काटें और मिट्टी में मिला दें। चाहें तो एक लीटर पानी में रातभर भिगोकर उसी पानी से पौधों को सींच सकते हैं।

इस्तेमाल की हुई चायपत्ती

भारतीय घरों की रसोई में दिन में कम से कम दो बार चाय तो जरूर बनती है। चाय बनने के बाद इस्तेमाल हुई चायपत्ती से खाद बना सकते हैं। यह मिट्टी के लिए मल्टीविटामिन के गुण रखती है। बची हुई चायपत्ती पौधों के लिए एक बढ़िया ऑर्गेनिक खाद है। ये मिट्टी की क्वालिटी सुधारती है और फंगल इंफेक्शन से बचाती है। इस्तेमाल करने के लिए चायपत्ती को धोकर सूखा लें और सीधे मिट्टी में मिलाएं या खाद में डालें।

छाछ

छाछ बैक्टीरिया से लड़ने वाली टॉनिक है। छाछ में मौजूद लैक्टिक एसिड पौधों की जड़ों को फंगल इंफेक्शन से बचाता है और मिट्टी के pH को बैलेंस करता है। एक भाग छाछ को तीन भाग पानी में मिलाकर पौधों पर स्प्रे करें या जड़ों में डालें।

प्याज के छिलके

माइक्रोन्यूट्रिएंट्स से भरपूर प्याज के छिलकों में आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम होता है, जो पौधों की वृद्धि में मदद करता है। प्याज के छिलकों को पानी में रातभर भिगोकर छान लें और उससे पौधों को पानी दें।

दाल या सब्जियों का बचा पानी

उबली दाल या सब्जियों का पानी जिसमें नमक न हो, पौधों के लिए फ्री में मल्टीविटामिन की तरह है। यह पौष्टिक और वेस्ट फ्री होता है, इसका उपयोग करना चाहते हैं तो जब भी दाल या सब्जी उबालें, पानी फेंकने के बजाय ठंडा करके पौधों को दें।

मां बनने के बाद बदल दें पैसे संभालने का तरीका, वरना हो सकता है नुकसान

माता-पिता बनना हर जोड़े के जीवन का सबसे खास और भावुक अनुभव होता है। इस नई शुरुआत के साथ खुशियां तो आती ही हैं, लेकिन जिम्मेदारियां भी कई गुना बढ़ जाती हैं। ऐसे में बच्चे की देखभाल, पढ़ाई और भविष्य की सुरक्षा इन सबके लिए सही समय पर फाइनेंशियल प्लानिंग करना बेहद जरूरी हो जाता है।

एक इमरजेंसी फंड

आपके लिए सबसे पहला कदम इमरजेंसी फंड तैयार करना होना चाहिए। यह फंड कम से कम छह महीने के खर्च के बराबर होना चाहिए, ताकि किसी भी मेडिकल इमरजेंसी या नौकरी में बदलाव की स्थिति में आपको किसी से उधार लेने की जरूरत न पड़े। साथ ही मां और बच्चे दोनों की सुरक्षा के लिए एक अच्छा हेल्थ ईंश्योरेंस प्लान जरूरी लें। अगर पहले से पॉलिसी ले रखी है, तो बच्चे को उसमें शामिल करवाना न भूलें।

बचत की आदत

अगर आप अक्सर अपना पूरा वेतन खर्च कर देती हैं, तो अब बचत की आदत डालें। अपनी सैलरी का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा बचाना आदर्श है। यह बचत आपके भविष्य और बच्चों के लिए सुरक्षा प्रदान करेगी। आप इसे सही से रिसर्च कर निवेश भी कर सकती हैं। इससे समय के साथ आपको चक्रवृद्धि का लाभ मिलेगा और आपका पैसा बढ़ेगा। इससे महंगाई के बावजूद आपके निवेश पर अच्छा रिटर्न मिलेगा और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित होगी।

खर्चों का मैनेजमेंट

मां बनने के बाद खर्च अक्सर बढ़ जाते हैं, इसलिए बजट बनाना बहुत जरूरी है। हर महीने अपनी आय और खर्च लिखें। उदाहरण के लिए, अगर कपड़ों या खिलौनों पर ज्यादा पैसा खर्च हो रहे हैं, तो इसे कम करें। गैर-जरूरी खर्च घटाने से बचत बढ़ती है। इससे भविष्य के लिए पैसे सुरक्षित होंगे और आप उनकी जरूरतों के लिए हमेशा तैयार रहेंगी।

छोटे-छोटे गोल्स

फाइनेंशियल प्लानिंग को आसान बनाने के लिए छोटे-छोटे गोल्स बनाएं। उदाहरण के लिए, बच्चे की स्कूलिंग, हेल्थ फंड या सालाना बचत का लक्ष्य तय करें। छोटे गोल्स से आप अपनी प्रगति आसानी से समझ पाएंगी और बड़े लक्ष्य तक पहुंचना आसान होगा। बड़े खर्च या बचत को छोटे हिस्सों में बांटने से आप लक्ष्य के करीब लगातार बढ़ती रहेंगी।

बच्चों को कैसे छुड़ाएं मोबाइल की लत? अपनाएं ये टिप्स

आज के डिजिटल युग में बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रखना हर माता-पिता के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। गेम, यूट्यूब, सोशल मीडिया ये सब बच्चों को इतना आकर्षित करते हैं कि वे बाहरी दुनिया से कटने लगते हैं। इससे न सिर्फ उनकी पढ़ाई और आंखों पर असर पड़ता है, बल्कि उनका सामाजिक विकास भी प्रभावित होता है।

अब बच्चे घर से बाहर खेलने नहीं जाना चाहते, बल्कि मोबाइल पर अपना अधिकतर वक्त बिताते हैं। आजकल का दौर तो ऐसा है कि एक साल का छोटा बच्चा मोबाइल पर वीडियो देखकर खाना खाता है, वरना रोता रहता है। वहीं 14 साल का किशोर बालक भी स्कूल से आकर मोबाइल में लग जाता है और गेम्स व यूट्यूब में घंटों बिता देता है।

मोबाइल फोन के इस्तेमाल की लत उनके सामाजिक, शारीरिक और मानसिक विकास में बाधन बन सकती है। लेकिन चिंता की बात नहीं, क्योंकि कुछ छोटे-छोटे बदलाव और स्मार्ट ट्रिक्स से आप बच्चों की मोबाइल पर निर्भरता को काफी हद तक कम कर सकते हैं।

बच्चों को मोबाइल से दूर रखने के असरदार तरीके

स्क्रीन टाइम तय करें

मोबाइल की लत को कम करने के लिए बच्चों के स्क्रीन टाइम का रूल बनाएं। हर दिन के मोबाइल इस्तेमाल का एक समय तय कर दें ताकि बच्चा पूरा दिन मोबाइल न उपयोग करके सिर्फ उसी समय तक इस्तेमाल करे। इससे वह धीरे धीरे मोबाइल की लत से दूर हो जाएंगे।

एक्टिविटीज में लगाएं

पेंटिंग, कहानियां, आउटडोर गेम्स और DIY प्रोजेक्ट्स से बच्चों का ध्यान मोबाइल से हटाएं। उन्हें इंटरैक्टिव एक्टिविटीज में व्यस्त करें ताकि वह मोबाइल का उपयोग करना कम कर दें।

परिवार के साथ बिताएं क्वालिटी टाइम

बच्चों के साथ खेलें, बात करें और उन्हें ऐसा महसूस कराएं कि मोबाइल से ज्यादा मजा परिवार के साथ है। बच्चा जब बोर फील करता है या अकेलापन महसूस करता है तो मोबाइल का उपयोग करता है जो कि लत बन जाती है लेकिन जब उसे अपने आसपास या परिवार के बीच मजा आने लगेगा तो वह मोबाइल भूल परिवार के साथ वक्त बिताएगा।

मोबाइल का विकल्प दें

बच्चा मोबाइल का उपयोग मनोरंजन के लिए या समय व्यतीत करने के लिए करता है। इस कारण को समझते हुए उन्हें मोबाइल के दूसरे विकल्प उपलब्ध कराएं। जैसे बच्चों के लिए पजल्स, बोर्ड गेम्स, किताबें और संगीत जैसे विकल्प रखें, जो बच्चों में जिज्ञासा को जगाएंगे और इससे मोबाइल की लत घटेगी।

खुद बनें उदाहरण

कहावत है, बच्चे जो देखते हैं, वही सीखते हैं। ऐसे में अगर आप खुद दिनभर मोबाइल पर रहेंगे तो बच्चे भी यही करेंगे। इसलिए खुद भी लिमिटेड मोबाइल यूज करें। उनके लिए एक अच्छा उदाहरण पेश करें ताकि वह वैसी ही दिनचर्या अपनाएं, जैसी आपमें देखें।

औरतों को समझना जरा भी मुश्किल नहीं इन तरीकों से सीखें महिला को मनाना

अक्सर लोग कहते हैं कि महिलाओं को समझना मुश्किल है। कहा जाता है कि वो जो कहती हैं और महसूस नहीं करतीं और जो महसूस करती हैं वो जाहिर नहीं करतीं। ऐसे में पुरुष किसी महिला को कैसे समझें? अगर आप महिलाओं को समझना चाहते हैं तो उन्हें सही तरीके से महसूस करना सीख जाएं तो यह बिल्कुल आसान हो सकता है। हर महिला चाहती है कि कोई उसे सिर्फ सुने नहीं, समझे भी। अगर आप किसी महिला के साथ रिश्ते में हैं, चाहे वह आपकी पत्नी हो, बहन हो, दोस्त हो या प्रेमिका हो तो इन 10 बातों को समझकर आप उसके सबसे करीबी और भरोसेमंद व्यक्ति बन सकते हैं।

जब वो चुप हों

अक्सर ऐसा होता है कि अचानक आपकी पत्नी, पार्टनर या मां चुप्पी साध लेती हैं। दिन की शुरुआत जिनकी बातों और आवाज से होती है, अगर व शांत हो जाएं तो उनकी चुप्पी को हल्के में न लें। महिलाएं तब चुप हो जाती हैं जब वो बहुत कुछ सोच रही होती हैं या टूट रही होती हैं। ऐसे में सलाह देने से ज्यादा जरूरी है, उन्हें सुनना। बस उनके पास बैठिए और पूछिए "क्या हुआ?" और उन्हें अपना मन खोलने दीजिए।

जब वो रोएं

हर आंसू का कोई न कोई कारण होता है। जब वह रो रही हो तो उसे ज्ञान न दें, बस चुपचाप उसका हाथ पकड़िए, कंधा दीजिए और अपने होने का अहसास कराइए। यही सच्चा जुड़ाव है। ऐसी स्थिति में एक महिला को सलाह नहीं, सहारा चाहिए होता है।

जो वो गुस्से में हों

अगर कोई लड़की गुस्से में है तो उस वक्त बहस करने से बात बिगड़ सकती है। यहां आपका दायित्व है कि आप धैर्य रखें। उन्हें थोड़ा वक्त दीजिए और जब माहौल शांत हो, तब प्यार से बात करें। यही समझदारी है।

जब वो खुद को कम समझे

कभी-कभी महिलाएं खुद को दूसरों से कम समझने लगती हैं। कई बार परिवार, कॉलेज, दफ्तर या समाज में उन्हें ऐसा महसूस कराया जाता है कि वह बेहतर नहीं हैं। ऐसी स्थिति में उन्हें उनकी वैल्यू बताएं। उन्हें याद दिलाना जरूरी है कि वो खास हैं, जरूरी हैं और उनके बिना सब अधूरा है।

जब वो खुश हो

महिलाओं के अलग-अलग मूड पर अलग रिएक्शन जरूरी है। अगर वो खुश है तो उसकी खुशी में शामिल हो जाइए। उनकी मुस्कान को नजरअंदाज न करें। छोटी-छोटी बातों में एक्साइटेड होना उनकी खूबी होती है। साथ में खुश होना ही रिश्तों को मजबूत बनाता है।

वो असमंजस में हों

वो जब उलझन में हो या किसी बात पर कंफ्यूज हो तो उन्हें राह मत दिखाओ, बल्कि साथ चलो। इसका मतलब है कि उन्हें ये मत बताइए कि उन्हें 'करना क्या है'। बल्कि उनके साथ बैठिए, समझिए और मिलकर हल ढूंढिए। वो सिर्फ सलाह नहीं, साथ चाहती है।

बार-बार सवाल करें

महिलाएं जब सवाल करती हैं तो जरूरी नहीं कि वो आप पर शक कर रही हैं। वो बस भरोसा ढूंढ रही होती हैं, ये आपका टेस्ट नहीं, उनका डर होता है। इसलिए उनके सवालों से चिढ़े मत, बल्कि धैर्य रखें।

वो तैयार होकर आए

जब लड़की तैयार होकर आए तो उसकी तारीफ करना न भूलें। तुम बहुत अच्छी लग रही हो", ये शब्द उनका पूरा दिन बना सकते हैं। हर महिला तारीफ पसंद करती है, खासकर अपने खास इंसान से।

जब वो थकी हो

कई बार महिलाएं जब थक जाती हैं तो पुरुष उनकी थकान को समझने की बजाएं उनसे सवाल करते हैं। जैसे इतना क्यों थक गई? इस तरह के सवाल पूछने से अच्छा है, चुपचाप उसका काम बांट लीजिए। उनकी थकान को कम करने के लिए मदद करें।

जब वो कुछ निजी शेयर करें

महिलाएं जब भी कोई बात आपसे शेयर करती हैं तो समझें कि उनकी तरफ से ये भरोसे का इशारा होता है। इसे हल्के में लेना या मजाक बनाना उनका दिल तोड़ सकता है।

मुश्किल नहीं है पतली कमर पाना

एक दिन अचानक आपको लगता है कि आपके कपड़े तंग होने लगे हैं। साड़ी पहनने पर कमर के जो प्यारे से खम दिखते थे, उस जगह पर मोटे खम्भे सी आकृति दिख रही है। यह संकेत है कि बढ़ती उम्र ने आपकी कमर पर हमला बोल दिया है।

लगभग 20 वर्ष की आयु से ही आपके शरीर की अधिकांश मांसपेशियां और अंग सिकुड़ने आरंभ हो जाते हैं और शरीर को कैलोरीज की आवश्यकता कम हो जाती है। साथ ही हमारी उपापचय प्रक्रिया भी धीमी पड़ जाती है। परिणामस्वरूप औसत व्यक्ति का वजन बढ़ने लगता है। आयु बढ़ने के साथ आपका पेट भी बढ़ने लगता है और शरीर बेडौल लगने लगता है। लेकिन घबराएं नहीं, नवीनतम खोजों के अनुसार कुछ ऐसे उपाय हैं, जिनके द्वारा कमर को कम किया जा सकता है।

व्यायाम

एरोबिक व्यायाम चर्बी को कम करने के सभी उपायों में श्रेष्ठ है क्योंकि ये व्यायाम उपापचय प्रणाली को तीव्र करने में चमत्कारिक है। जो व्यायाम हृदय की गति को कम से कम 30 मिनट तक बढ़ा दे, वह इस क्षेत्र में उपयोगी हैं। सीढ़ियां चढ़ना, तेज चलना, दौड़ लगाना और साइकिल चलाना कमर घटाने में उपयोगी हैं। इनमें से किसी के भी अभ्यास से जमी हुई चर्बी भस्म होनी शुरू हो जाती है। व्यायाम की अवधि और हृदयगति जितनी अधिक होगी, उतनी ही कैलोरीज की खपत अधिक होगी। एरोबिक व्यायाम पेट की बढ़ी हुई चर्बी को सबसे पहले और तेजी से कम करना आरंभ करते हैं। ठीक भोजन यह एक तथ्य है कि अगर आप खर्च से अधिक कैलोरीज खाती हैं तो अतिरिक्त कैलोरी चर्बी बन कर जम जाती है लेकिन अनुसंधान से पता चला है कि सभी कैलोरीज एक-सी नहीं होतीं। वसा से ही यह अंतर पैदा होता है। आहार में वसा को कम करने पर आप कैलोरीज की चिंता किए बिना अपना वजन घटा सकती हैं। प्रतिदिन आपके द्वारा ली गई कैलोरी से वसा को 35 से 30 प्रतिशत तक कम करने की योजना बनाइए। वसायुक्त मांस और चीज की बजाय साग, सब्जी, फल और अनाज उत्पादों पर बल दीजिए। कार्बोहाइड्रेट से प्राप्त कैलोरी अधिक तेजी से भस्म होती है।

वजन घटाने के प्रयास में एक छिपा अस्त्र है पानी। अक्सर खाने की इच्छा वस्तुतः प्यास होती है। दिन में पानी पीते रहने से, विशेषकर जब भूख महसूस करें, आप भोजन लेने की आवश्यकता से काफी हद तक बच सकती हैं।

एक बार वजन घटाने का निर्णय लेकर उस पर अमल तभी करें, जब आप अपनी सही योजना तय कर लें। आहार नियमन के साथ व्यायाम भी अपनाना होगा, तभी वजन कम करने का आपका निर्णय पक्का हो सकता है। यह ध्यान देने की बात है कि वजन रातों-रात नहीं कम हो सकता। यह न सोचें कि एक माह में 10 किलो वजन कम करेंगी बल्कि पहले अनुमान लगाइए, कि आप कितना भार कम करना चाहती हैं। अगर आप पांच किलो वजन कम करना चाहती हैं तो यही सही होगा कि इतना भार दो माह में कम करें। आपका वजन कम होने लगे तो अपनी पीठ थपथपाएं लेकिन ऐसा न हो तो घबराएं नहीं, अगर अपने लक्ष्य का 70 प्रतिशत भी आप पूरा कर पाती हैं तो भी अपना प्रयास जारी रखिए। हो सकता है एक दिन आप उस पेंट को पहन लें, जो 18 वर्ष की आयु में पहनी थी।

पेट बढ़ने से हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, दौरा और मधुमेह होने की आशंका बढ़ जाती है। अतः पेट कम करें। पेट और कमर कम होने पर आप बेहतर भी दिखेंगी और आपकी आयु भी कम लगेगी।

शुरुआती बढ़त गंवाकर सेंसेक्स 778 अंक टूटा

निफ्टी 23150 से फिसला ; बाजार का हाल बेहाल

मुंबई,15 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को शुरुआती उछाल के बावजूद भारी गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती तेजी के बाद बाजार ने अपनी बढ़त गंवा दी। सेंसेक्स 778 अंक से अधिक टूटकर 74,003.82 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 23,150 के स्तर से नीचे 23,118.60 पर आ गया। इस गिरावट से निवेशकों के करीब सात लाख करोड़ रुपये डूब गए। बढ़ती बॉन्ड आय और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों को डरा दिया। अदाणी एंटरप्राइज और श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में चार-चार फीसदी की गिरावट आई। भारतीय रुपये में भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 0.4 फीसदी की गिरावट आई। यह दो महीने में रुपये की सबसे बड़ी गिरावट थी, जो 95.96 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अधिकांश क्षेत्रीय सूचकांकों में नकारात्मक रुख रहा। निफ्टी सीमेंट, रियल्टी, वित्तीय सेवाएं और धातु क्षेत्र सबसे अधिक नुकसान में रहे। हालांकि, एफएमसीजी और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों ने बढ़त के साथ बेहतर प्रदर्शन किया। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में मजबूत खरीदारी देखने को मिली।

आज बाजार क्यों गिरा?

बाजार में इस बड़ी गिरावट के पीछे पांच प्रमुख कारण बताए गए हैं। बढ़ती बॉन्ड आय ने निवेशकों की चिंताएं बढ़ा दीं। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा दर वृद्धि की उम्मीदें भी एक वजह रहीं। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा संघर्ष भी बाजार पर असर डाल रहा है। कच्चे तेल की कीमतें 108 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गईं। साथ ही, आईपीओ में उछाल भी बाजार की गिरावट का एक कारण रहा।

किन क्षेत्रों में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ?

बाजार में कमजोरी व्यापक रूप से फैली रही। बैंकिंग, वित्तीय, उपभोक्ता, स्वास्थ्य सेवा और औद्योगिक क्षेत्रों में गिरावट देखी गई। यह बाजार में सतर्कता भरे माहौल का संकेत देता है। निफ्टी सीमेंट, रियल्टी, वित्तीय सेवाएं और धातु सूचकांकों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। इन क्षेत्रों में भारी बिकवाली देखने को मिली।

वैश्विक बाजारों का क्या हाल रहा?

भारतीय बाजार की तरह वैश्विक बाजारों में भी गिरावट दर्ज की गई। लंदन के समय अनुसार सुबह 9:52 बजे तक स्टॉक्स यूरोप 600 में 0.8 फीसदी की गिरावट आई। एसएंडपी 500 फ्यूचर्स 0.5 फीसदी नीचे रहा। नैस्डैक 100 फ्यूचर्स में 0.6 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज फ्यूचर्स भी 0.7 फीसदी गिरा। एमएससीआई एशिया पैसिफिक इंडेक्स और एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स दोनों में एक-एक फीसदी की गिरावट आई।

भारत-चीन के बीच यह खाई बहुत गहरी

112 अरब डॉलर के गैप को भरना आसान नहीं

नई दिल्ली,15 सितंबर (एजेंसियां)। भारत-चीन इस बात पर सहमत हुए हैं कि उनके असंतुलित होते व्यापारिक रिश्तों को ठीक करने की जरूरत है। आंकड़ों से पता चलता है कि ऐसा करना कितना मुश्किल हो सकता है। कॉमर्स डिपार्टमेंट के आंकड़ों के मुताबिक, 2025-26 में भारत ने चीन को 19.47 अरब डॉलर का सामान निर्यात किया। वहीं, 131.63 अरब डॉलर का सामान आयात किया। इससे 112.16 अरब डॉलर का रिकॉर्ड व्यापार घाटा हुआ। मान लीजिए, कि चीन से भारत का आयात वैसा ही रहता है। इस घाटे को सिर्फ 10 फीसदी कम करने के लिए भारत को चीन को 11.22 अरब डॉलर का और सामान बेचना होगा। इसके लिए चीन को भारत का निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 के स्तर से लगभग 58 फीसदी बढ़कर लगभग 30.69 अरब डॉलर तक पहुंचना होगा।

25% और 50% की कमी के लिए इतना एक्सपोर्ट जरूरी

घाटे में 25 फीसदी की कमी के लिए 28.04 अरब डॉलर के अतिरिक्त निर्यात की जरूरत होगी। इससे चीन को शिपमेंट 47.51 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। यह वित्त वर्ष 2025-26 के स्तर से 144 फीसदी ज्यादा है। घाटे को आधा करने के लिए भारत को चीन में 56.08 अरब डॉलर की और मांग ढूंढनी होगी। निर्यात को लगभग 75.55 अरब डॉलर तक पहुंचना होगा। यह मौजूदा स्तर से लगभग चार गुना है।

समाधान तलाशने के लिए तैयार हैं दोनों देश

इस वीकेंड भारत-चीन के राजनयिक बयान में इस्तेमाल किए गए वाक्यांश 'स्ट्रक्चरल ट्रेड इम्बैलेंस' के पीछे यही चुनौती है। 12 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद दोनों पक्षों ने कहा कि वे आर्थिक चिंताओं का समाधान करेंगे। इसमें संरचनात्मक व्यापार असंतुलन, सप्लाई-चेन के मुद्दे और

'अर्थपूर्ण और अनुमानित बाजार पहुंच' की जरूरत शामिल है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने अलग से कहा है कि बीजिंग आपसी फायदे वाले आर्थिक सहयोग का विस्तार करने और संतुलित तरीके से व्यापार संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए तैयार है।

बढ़ा है भारत का निर्यात

एक अच्छी बात भी है। वित्त वर्ष 2025-26 में चीन को भारत का निर्यात 36.6 फीसदी बढ़कर 14.25 अरब डॉलर से 19.47 अरब डॉलर हो गया। लेकिन, आयात बढ़कर 131.63 अरब डॉलर पहुंच गया। इसने इस बढ़ोतरी को पीछे छोड़ दिया। यह ट्रेंड 2026 में भी जारी रहा। चीन के कस्टम्स डेटा से पता चला कि 2026 के पहले छह महीनों में चीन को भारत का एक्सपोर्ट सालाना आधार पर 37.2% बढ़ा। यह बढ़कर 12.31 अरब डॉलर हो गया। हालांकि, चीन से भारत को होने वाला एक्सपोर्ट 79.41 अरब डॉलर तक पहुंच गया। नतीजा यह हुआ कि सिर्फ छह महीनों में ही 67.1 अरब डॉलर का घाटा हो गया। दूसरे शब्दों में जब एक्सपोर्ट की शुरुआत बहुत कम बेस से होती है तो सिर्फ तेजी से होने वाली ग्रोथ काफी नहीं होती। फार्मास्यूटिकल सेक्टर शायद इस बात का सबसे साफ उदाहरण है कि अभी कितनी संभावनाएं बाकी हैं।

फार्मा सेक्टर से जगी है बड़ी उम्मीद

नीति आयोग का अनुमान है कि 2025 में चीन में फार्मास्युटिकल इंपोर्ट की मांग 40.4 अरब डॉलर होगी। जेनेरिक दवाओं के दुनिया के सबसे बड़े सप्लायर्स में से एक होने के बावजूद इसमें भारत की हिस्सेदारी सिर्फ 0.2% थी।

दुनिया भर में तेल की डिमांड में भारी गिरावट की आशंका

महामारी के बाद पहली बार हो रहा ऐसा

नई दिल्ली,15 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में संकट बढ़ने से कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है। अभी ब्रेंट क्रूड 108 डॉलर प्रति बैरल के पार चला गया है। अमेरिका में डीजल की कीमत पहली बार 6 डॉलर प्रति गैलन के पार चली गई है। इससे महंगाई बढ़ने की आशंका है जिसे रोकने के लिए फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है। इस बीच तेल की कीमत बढ़ने से दुनियाभर में इसकी डिमांड में गिरावट आई है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने 2026 में दुनिया भर में तेल की मांग के अपने अनुमान को 9,40,000 बैरल प्रति दिन कम कर दिया है। अब उम्मीद है कि खपत में रोजाना 25 लाख बैरल की कमी आएगी, जो 2020 की महामारी के बाद से सबसे बड़ी सालाना गिरावट है। अगस्त में रोजाना 16 लाख बैरल और अप्रैल में 1,00,000 बैरल प्रति दिन की गिरावट का अनुमान जताया गया था।

क्यों घटाया अनुमान?

इससे पहले जनवरी में आईईए ने उम्मीद जताई थी कि 2026 में दुनिया में तेल की खपत में रोजाना 7,00,000 बैरल की तेजी आएगी। ईरान युद्ध के कारण तेल की सप्लाई में रुकावट आ रही है और ग्राहकों को कम सप्लाई के हिसाब से चलना पड़ रहा है।

इसका सबसे ज्यादा असर डीजल और जेट फ्यूल तथा हीटिंग ऑयल जैसे अन्य मिडिल डिस्टिलेट्स पर पड़ने की आशंका है। इस बीच अमेरिका में डीजल की कीमतें आधिकारिक तौर पर रेकॉर्ड $6.20 प्रति गैलन तक बढ़ गई हैं। पिछले 9 महीनों में इसकी कीमत में 78% तेजी आई है। इस वजह से कैलिफोर्निया में डीजल की कीमतें रेकॉर्ड $8.14 प्रति गैलन तक पहुंच गई हैं, और कुछ इलाकों में तो कीमतें $9.00 प्रति गैलन के करीब पहुंच गई हैं।

कीमतों में यह उछाल ऐसे समय में आया है जब अमेरिका में डीजल की मांग का पीक सीजन चल रहा है और सप्लाई ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर है। जेट फ्यूल की कीमतें बढ़कर $4.35 प्रति गैलन हो गई हैं। पिछले 10 हफ्तों में इसमें 61% तेजी आई है। सिर्फ पिछले हफ्ते ही जेट फ्यूल की कीमतों में 10% की बढ़ोतरी हुई है। जेट फ्यूल महंगा होने से अगस्त में एयरलाइन किराए में पिछले साल के मुकाबले 23% की बढ़ोतरी हुई है।

सोना मत खरीदो... काम कर गई पीएम मोदी की अपील, अगस्त में आधे से भी कम रह गया आयात

नई दिल्ली,15 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल में डॉलर बचाने के लिए देशवासियों से सोना न खरीदने की अपील की थी। लगता है उसका असर दिखाई दे रहा है। सरकार की ओर से पेश आंकड़ों के मुताबिक इस साल अगस्त में सोने का आयात गिरकर 2.3 अरब डॉलर रह गया। यह पिछले साल अगस्त में 5.4 अरब डॉलर था। यानी इस बार पिछले साल के मुकाबले आधे से भी कम रकम का सोना आयात हुआ है। वहीं दूसरी ओर भारत का वस्तु निर्यात अगस्त में सालाना आधार पर 26.1 प्रतिशत बढ़कर 43.81 अरब डॉलर हो गया है। यह निर्यात में देश का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। यह इस बात की भी पुष्टि करता है कि देश का निर्यात क्षेत्र लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रहा है। यह जानकारी सरकार की ओर से मंगलवार को दी गई।

व्यापार घाटे में आई कमी

इस दौरान देश के व्यापार घाटे में भी कमी देखने को मिली है। देश में अगस्त में व्यापार घाटा 26.86 अरब डॉलर पर रहा, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 27.22 अरब डॉलर पर था। इस साल जुलाई में व्यापार घाटा 32 अरब डॉलर था। अगस्त में वस्तु आयात सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 72.67 अरब डॉलर पर रहा है, जो कि इस साल जुलाई में 76.22 अरब डॉलर था। मासिक आधार पर अगस्त में निर्यात में भी कमी दर्ज की गई है, जो कि जुलाई में 44.24 अरब डॉलर पर था।

चालू खाता घाटा कितना रहा?

आरबीआई के इस महीने की शुरुआत में जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) 4.2 अरब डॉलर रहा। पश्चिमी एशिया संकट के कारण ग्लोबल मार्केट में तेल, एलपीजी और फर्टिलाइजर की कीमतें बढ़ने के बावजूद यह जीडीपी का 0.5 प्रतिशत बना रहा। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में सीएडी का अनुमान जीडीपी का 0.4 प्रतिशत था।

विदेशी मुद्रा भंडार में बना रिकॉर्ड

ब्लूमबर्ग के डेटा के अनुसार, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की फॉरेन करेंसी नॉन-रेजिडेंट (बैंक) या एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट स्कीम की वजह से डॉलर के इनफ्लो में जबरदस्त बढ़ोतरी के बाद, भारत दुनिया में विदेशी मुद्रा भंडार रखने वाला चौथा सबसे बड़ा देश बन गया है। डेटा से पता चलता है कि 4 सितंबर को खत्म हुए हफ्ते में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 44.9 अरब डॉलर बढ़कर रिकॉर्ड 785.7 अरब डॉलर हो गया, जिससे भारत ने रूस को चौथे स्थान से हटा दिया और अब वह चीन, जापान और स्विट्जरलैंड के बाद चौथे स्थान पर है।

एअर इंडिया से सरकार के तीखे सवाल

इमिग्रेशन बायपास कर म्यूनिख उड़े तीन इतालवी नागरिक, चूक का जिम्मेदार कौन?

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। देश के सबसे व्यस्त इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) पर सुरक्षा और यात्री संचालन प्रक्रिया में एक गंभीर चूक का मामला सामने आया है। अमृतसर से दिल्ली पहुंचे तीन इतालवी नागरिक बिना अनिवार्य इमिग्रेशन क्लीयरेंस पूरा किए ही म्यूनिख जाने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ान में सवार होकर देश से बाहर चले गए। इस बेहद संवेदनशील घटना का संज्ञान लेते हुए नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयर इंडिया को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। सरकार ने इसे स्वीकृत 'हब-एंड-स्पोक' प्रक्रिया का खुला उल्लंघन मानते हुए एयर इंडिया से सात दिनों के भीतर विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर यह गंभीर सुरक्षा चूक कैसे हुई?

यह पूरी घटना 4 सितंबर 2026 की देर रात की है। तीन इतालवी नागरिक- सुरजीत सिंह, बलविंदर कौर और गुरदेव सिंह-अमृतसर से एयर इंडिया की डोमेस्टिक फ्लाइट एआई-1115 के जरिए रात लगभग 12:50 बजे दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे थे। इन यात्रियों के पास केवल घरेलू यात्रा के लिए 'डी'इंडिकेटर वाले बोर्डिंग पास थे और उनका अगला गंतव्य लुफ्थांसा की उड़ान एलएच-763 के जरिए म्यूनिख था, जो रात 1:45 बजे रवाना हुई। स्वीकृत प्रक्रिया के अनुसार, घरेलू उड़ान से आए यात्रियों को गेट नंबर 39 से बाहर निकलकर अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान एरिया में जाना था और अनिवार्य इमिग्रेशन जांच पूरी करनी थी। लेकिन, यात्रियों को सीधे 'इंटरनेशनल-टू-इंटरनेशनल' (I-to-I) ट्रांसफर एरिया में भेज दिया गया, जो केवल उन अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए होता है जिनकी इमिग्रेशन प्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी होती है। इसके बाद ये तीनों नागरिक बिना किसी आव्रजन जांच के लुफ्थांसा के विमान में सवार हो गए।

सुरक्षा चूक उजागर होने के बाद केंद्र सरकार का क्या रुख है?

इस घटना ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा मानकों और आव्रजन नियंत्रण पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। गृह मंत्रालय ने इस चूक को बेहद गंभीरता से लेते हुए नागरिक उड्डयन मंत्रालय, गृह मंत्रालय और अन्य हितधारकों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक आपातकालीन समीक्षा बैठक बुलाई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि एयर इंडिया को नोटिस मिलने की तारीख से 7 दिनों के भीतर जवाब देना अनिवार्य है। यदि एयर इंडिया इस निर्धारित समय में अपना संतोषजनक उत्तर दाखिल करने में विफल रहती है, तो सरकार उपलब्ध रिकॉर्ड्स के आधार पर एयरलाइन के खिलाफ एकतरफा प्रशासनिक और नियामक कार्रवाई शुरू कर सकती है।

एक दिन का किराया 9.6 करोड़ रुपये

ईरान युद्ध ने बदला ऑयल शिपिंग का खेल, तेल टैंकर मालिकों की हुई चांदी

नई दिल्ली,15 सितंबर (एजेंसियां)। ईरान युद्ध का असर अब समुद्री तेल परिवहन पर भी साफ दिखाई देने लगा है। ऑयल टैंकर किराये की दरें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। इंडस्ट्री के एक प्रमुख बेंचमार्क रूट पर बड़े ऑयल टैंकर को किराये पर लेने की लागत पहली बार 10 लाख डॉलर यानी करीब 9.6 करोड़ रुपये प्रतिदिन के पार पहुंच गई है। इसकी बड़ी वजह यह है कि ईरान युद्ध के बीच बहुत कम जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होकर गुजरने और वहां से तेल लेने को तैयार हैं।

लंदन स्थित बाल्टिक एक्सचेंज के आंकड़ों के मुताबिक सोमवार को फारस की खाड़ी से चीन तक कच्चा तेल ले जाने वाले जहाजों को करीब 10.35 लाख डॉलर प्रतिदिन की दर पर किराये पर लिया जा रहा था। हालांकि युद्ध के दौरान यह बेंचमार्क रूट पहले जितना प्रासंगिक नहीं रह गया है। इसकी वजह यह है कि फारस की खाड़ी से तेल निर्यात का तरीका बदल गया है। अब कई टैंकर होर्मुज के अंदर जाने से बच रहे हैं और खाड़ी के बाहर जाकर तेल लोड कर रहे हैं। इसके बावजूद ओमान की खाड़ी से चीन तक कच्चा तेल पहुंचाने की लागत भी करीब 6.44 लाख डॉलर प्रतिदिन के बराबर है। सामान्य बाजार में इसी तरह के जहाजों की कमाई कई बार इतनी कम होती थी कि वे सिर्फ अपनी परिचालन लागत ही निकाल पाते थे। इसका असर भारत पर भी दिखाई दे सकता है। भारत को अभी ईंधन के लिए ज्यादा रकम खर्च करनी पड़ रही है।

तेल की मांग भी तेज

टैंकर किराये में तेजी का एक कारण दुनिया भर में रिफाइनिंग मार्जिन का बढ़ना भी है। ईरान और यूक्रेन में जारी युद्धों के कारण वैश्विक स्तर पर पर्याप्त मात्रा में ईंधन का उत्पादन नहीं हो पा रहा है। इससे डीजल और पेट्रोल जैसे तैयार ईंधनों की मांग और कीमतों पर दबाव बढ़ा है रिफाइनरियों के लिए, मौजूदा परिस्थितियों में कच्चा तेल खरीदकर उसे प्रोसेस करना अभी भी फायदे का सौदा है। इसलिए, रिफाइनर उपलब्ध कच्चे तेल को खरीदने और समुद्र के रास्ते उसे अपने प्लांट तक पहुंचाने के लिए ज्यादा कीमत चुकाने को तैयार हैं।

होर्मुज संकट ने बढ़ाया समय

तेल टैंकरों की कमाई बढ़ने का एक और बड़ा कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से जुड़ा संकट है। यहां से तेल ढोने वाले जहाजों को ज्यादा समय लग रहा है। जब एक टैंकर एक यात्रा में ज्यादा दिन लगाता है तो वह उतने समय तक दूसरी खेप के लिए उपलब्ध नहीं रहता। इससे बाजार में जहाजों की वास्तविक सप्लाई और कम हो जाती है और किराये की दरें ऊपर जाती हैं।

एक्सपोर्ट-इंपोर्ट: भारत का निर्यात 43.81 अरब डॉलर पार

व्यापार घाटा घटा; सोने के आयात पर भी क्या है अपडेट?

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के लिए आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर है। अगस्त 2026 में देश का निर्यात 26.12 फीसदी बढ़कर 43.81 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इसी अवधि में व्यापार घाटा भी कम होकर 26.86 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। यह पिछले साल अगस्त के 27.2 अरब अमेरिकी डॉलर के मुकाबले एक सकारात्मक संकेत है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि अगस्त में आयात भी करीब 14.1 फीसदी बढ़कर 70.76 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। पिछले साल अगस्त में यह 61.96 अरब अमेरिकी डॉलर था। चालू वित्त वर्ष (अप्रैल-अगस्त) के दौरान निर्यात 17.85 फीसदी की वृद्धि के साथ 215.91 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। इसी अवधि में आयात 18.21 फीसदी बढ़कर 363 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया है।

निर्यात में इतनी वृद्धि क्यों हुई?

अगस्त में निर्यात में मजबूत वृद्धि देखी गई है। वाणिज्य सचिव के अनुसार, इंजीनियरिंग, पेट्रोलियम उत्पाद, रसायन और कपड़ा जैसे कई क्षेत्रों ने इसमें महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन क्षेत्रों में उत्पादन और मांग बढ़ने से निर्यात को गति मिली है। भारत के उत्पादों की मांग अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ी है। भारत के निर्यात को अमेरिका, ईयू, ब्रिक्स देशों और अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं से अच्छी मांग मिली है। यह दर्शाता है कि भारतीय उत्पादों की वैश्विक स्वीकार्यता बढ़ रही है। विभिन्न देशों के साथ व्यापार संबंधों में मजबूती भी इस वृद्धि का एक कारण है। यह सकारात्मक गति आगे भी जारी रहने की उम्मीद है। व्यापार घाटा तब होता है जब किसी देश का आयात उसके निर्यात से अधिक हो जाता है। अगस्त 2026 में भारत का व्यापार घाटा 26.86 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो अगस्त 2025 के 27.2 अरब अमेरिकी डॉलर से कम है। यह कमी मुख्य रूप से निर्यात में मजबूत वृद्धि और सोने के आयात में भारी गिरावट के कारण हुई है।

चांदी 1,270 गिरकर 2.28 लाख किलो पर आई

इस महीने 10 हजार सस्ती हो चुकी, 10 ग्राम सोना का दाम आज 888 कम हुआ

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 15 सितंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक एक किलो चांदी की कीमत 1,270 रुपए कम होकर करीब 2.28 लाख रुपए पर आ गई है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 888 रुपए घटकर 1.51 लाख रुपए पर आ गए हैं। वहीं 15 दिन में चांदी 10 हजार और सोना 5 हजार सस्ता हुआ है। 31 अगस्त सोने का दाम करीब 1.56 लाख रुपए और चांदी की कीमत 2.37 लाख रुपए थी।

इस साल सोना 18 हजार महंगा हुआ

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 18 हजार रुपए महंगा हो चुका है।31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.51 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब करीब 2.28 लाख रुपए पर आ गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति

सूर्य	सिंह	मे
चंद्र	तुला	मे
मंगल	मिथुन	मे
बुध	कन्या	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	तुला	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय

सिंह	04-10	बजे
कन्या	06-16	बजे
तुला	07-20	बजे
वृश्चिक	10-30	बजे
धनु	12-46	बजे
मकर	14-58	बजे
कुंभ	16-40	बजे
मीन	18-17	बजे
मेष	19-53	बजे
वृष	21-36	बजे
मिथुन	23-41	बजे
कर्क	02-00	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000** सूर्योदय **06-01**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** सूर्यास्त. **18-39**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - भाद्रपद शुक्ल पक्ष बुधवार **16 Sep 2026**
तिथि - पंचमी **08-59** तक उपरान्त षष्ठी
नक्षत्र - विशाखा **17-22** तक उपरान्त अनुराधा
योग - वैधृति **12-22** तक उप विष्कुंभ
करण - बालव **08-59** तक उप कौलव

विशेष: गर्ग अंगिरा ऋषि ज.

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-11 से 13-42 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
लाभ 06-01 - 07-37 शुभ	उत्पात18-39 - 19-45 अशुभ
अमृत 07-37 - 09-08 शुभ	शुभ 19-45 - 21-14 शुभ
काल 09-08 - 10-40 अशुभ	अमृत. 21-14 - 22-42 शुभ
शुभ 10-40 - 12-11 शुभ	चंचल 22-42 - 00-11 शुभ
रोग 12-11 - 13-42 अशुभ	रोग. 00-11 - 01-40 अशुभ
उत्पात13-42 - 15-14 अशुभ	काल 01-40 - 03-08 अशुभ
चंचल 15-14 - 16-45 शुभ	लाभ 03-08 - 04-37 शुभ
लाभ 16-45 - 18-39 शुभ	उत्पात04-37 - 06-01 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

जिस महत्वपूर्ण कार्य के लिए आपने नींव बिछाने का कार्य किया था उसका फल आज से आपको मिलने लगेगा । हालांकि कुछ महत्वपूर्ण संकेतो को आप शायद न देख पाओ और निराशा और आलसीपन आप में विकसित हो सकता है। अगर आप अपने प्रयासों में कमी लाएंगे तो आपकी सारी की गई मेहनत पर पानी फिर सकता है , इसलिए जरुरी है की आप अपने प्रयासों को मजबूती से करना जारी रखे।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज कई कार्य क्षेत्र के सुनहरे अवसर आपका दरवाजा खटखटायेंगे । आज आपको पदोनत्ति का सन्देश मिल सकता है या नौकरी क्षेत्र में बदलाव के भी आसार है जिसके लिए आप काफी समय से प्रयासरत थे । आपको ऐसी जगह से सहायता मिल सकती है जिस जगह से आपने कल्पना भी नहीं की थी जो की आपको प्रसन्नता से अभिभूत कर सकती है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

ये समय अपनी प्रतिभा पर ध्यान केंद्रित करने और अपनी कमजोरियों के बारे में चिंता न करने का है । यह आप के लिए जीत का युग है! आप अपनी रणनीति के साथ दृढ़ हैं और अपने शब्दों के साथ अत्यंत सटीक रहेंगे । आपको पैतृक संपत्ति से या अपने अतीत के निवेश से कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आप उस पैसे के साथ काफी लापरवाह है जो आपने अपनी जरूरत के लिए बचाया है , लेकिन आपको भविष्य में अपनी वित्तीय सुरक्षा के लिए , अपनी असाधारण आदतों को नियंत्रित करना होगा । आप अपने निवेश के बारे में एक विशेषज्ञ से परामर्श करें जो आपको धन के बारे में उचित परामर्श दे सके जिससे धन की वृद्धि हो ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

अगर आप इसे बारे में सतर्क और जागरूक रहे की दूसरे क्या कर रहे हैं , तो आप अपने व्यक्तिगत काम में बेहतर तरीके से सुधार कर सकते हैं। उनकी चिंताओं को समझने की कोशिश करे और एक तारतम्य स्थापित करे की आप क्या चाहते है और उन्हें क्या चाहिए । अतीत में की गई निवेश की गलतियाँ का भुगतान अब आपको करना पड़ सकता है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

शिक्षण, लेखन, पत्रकारिता और साहित्य में लगे हुए लोग आज अपने कैरियर में बड़ी सफलता का आनंद ले सकते हैं और आपको अपनी उपलब्धियों के लिए सम्मानित भी किया जा सकता है। आज का दिन शैक्षिक संस्थानों और निर्माण के कारोबार में निवेश के लिए उपयुक्त है। सामान्य रूप से आपको पिछले कुछ दिनों के तनाव को पीछे छोड़ कर एक शांत दिन का आनंद मिलेगा ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आप अपने कैरियर की शुरुआत में हैं, इसलिए आपको सीढ़ी पर अगला कदम रखने और पीछे चले गए पथ को देखने की जरूरत है। इन स्थानों में की गई कोई गलती का भुगतान आपको बाद में करना पड़ सकता है । खुद के लिए कुछ प्रस्ताव बनाने के लिए समय निकालें । आपको विरासत में मिला धन का कुछ हिस्सा या पैसा प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आप मे अपनी जिम्मेदारियों से बचने के लिए एक स्वाभाविक प्रवृत्ति रहेगी , लेकिन ये स्थिति आपके वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपकी मुसीबत को बढ़ा सकती हैं। तथ्य यह है कि किसी भी वास्तविक इच्छा से प्रेरित न होकर आपके आलसी होने की आदत से आप अधिक कार्य से परहेज कर रहे है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आपके कार्य क्षेत्र या करियर में परिवर्तन आने के संकेत हैं। अगर आप अपनी नौकरी बदलने के बारे में सोच रहे है, तो आज आपके अंतिम कदम उठाने की संभावना है। हो सकता है की आप अपना प्रशिक्षण संस्थान भी खोले जो की आप लंबे समय से करना चाहते थे । इस प्रक्रिया में, आपको कुछ जोखिम भी लेने पड़ सकते है , पर ये भविष्य में आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज का दिन आपके लिए व्यस्त रहने की संभावना है क्यों की आपकी उपस्थिति अलग अलग दिशाओं में वांछनीय होगी , हालांकि अपने व्यक्तिगत विकास के लिए आप अधिक से अधिक समय समर्पित करने की कोशिश करे । ऑनलाइन परीक्षाओं या प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन कुछ मार्गदर्शन की तलाश करें। आज आपको खर्चों की तुलना में अधिक बचत पर ध्यान देना होगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज आप बहुत महत्वाकांक्षी महसूस करेंगे । नए अवसर आपके कार्य क्षेत्र में खुलेंगे और आप उनका लाभ लेने के लिए उत्सुक होंगे । ध्यान रखे की आपकी उत्सुकता आपके सहयोगियों के बीच ईर्ष्या का कारण न बने इसलिए सावधान रहें। आपको ये एहसास करने की जरूरत है की अपनी परियोजनाओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आपके सितारे आपके कार्यस्थल पर प्यार की और संकेत कर रहे है । अत्यंत सावधान रहें। एक गुप्त काम आपके और आपके साथी के बीच दरार पैदा कर सकता है। आप अपने साथी को गोपनीयता के कारणों को समझाने की कोशिश करे और वे आप का समर्थन करेंगे! आपका वित्त बढ़ेगा और उसमे संतुलन रहेगा।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

सीएम भजनलाल, वसुंधरा से लेकर गहलोत-पायलट तक कहीं गढ़ बचा तो कहीं जमीन खिसकी

वोटर्स ने खोला दिग्गजों की सियासी पकड़ का राज

जयपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के 309 नगरीय निकायों के नतीजों ने शहरी राजस्थान का राजनीतिक मूड साफ कर दिया। भाजपा ने वार्डों की जीत और स्पष्ट बहुमत वाले निकायों की संख्या में बढ़त बनाई है, लेकिन कांग्रेस भी कई जगह मजबूत स्थिति में रही। कुल मत प्रतिशत में भी भाजपा और कांग्रेस के बीच करीब एक फीसदी का ही अंतर रहा। भाजपा को 35.30 और कांग्रेस को 34.36 फीसदी मत मिले। नतीजों ने भाजपा और कांग्रेस के दिग्गज नेताओं की जमीनी पकड़ का भी इम्तिहान ले लिया।

कई नेताओं के अपने बूथ और वार्ड में ही पार्टी को हार का सामना करना पड़ा, तो कुछ के प्रभाव क्षेत्र में पार्टी ने मजबूत प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से लेकर पूर्व मुख्यमंत्री, प्रदेशाध्यक्ष, मंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों और नेता प्रतिपक्ष तक किसी का गढ़ बचा तो किसी के इलाके में सियासी जमीन खिसकती नजर आई। खास यह रही कि कई जगह व्यक्तिगत प्रभाव और पार्टी के सामूहिक प्रदर्शन के बीच भी बड़ा अंतर दिखाई दिया। ऐसे में निकाय चुनाव के नतीजे दिग्गजों के लिए स्थानीय पकड़ का रिपोर्ट कार्ड भी बन गए हैं।

मुख्य मंत्री भजनलाल शर्मा: इनके बगरू विधानसभा के वार्ड 64 में भाजपा जीती। खुद के सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के प्रदर्शन का स्ट्राइक रेट 71% रहा। गृह जिले भरतपुर में वार्ड 41 में भाजपा प्रत्याशी ने जीत दर्ज की है।

उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा: जयपुर के सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 50 में भाजपा के प्रत्याशी प्रहलाद चांवला जीते। बैरवा का मतदान क्षेत्र दूदू के ग्रामीण क्षेत्र में है, लेकिन निवास सुमेर नगर में रहते हैं।

मंत्री राज्यवर्धन राठौड़: झोटवाड़ा क्षेत्र वार्ड 28 का खुद का वार्ड हार गए। यहां से कांग्रेस प्रत्याशी विजयी हुए। वार्ड में नतीजा पार्टी के पक्ष में नहीं रहा, जिसने स्थानीय स्तर पर सियासी समीकरणों में अलग संकेत दिया।

मंत्री कन्हैयालाल चौधरी: मालपुरा विधानसभा क्षेत्र के टोडारायसिंह नगर पालिका के वार्ड 5 और बूथ संख्या पांच दोनों पर भाजपा प्रत्याशी जीते। चारों निकायों में पार्टी बोर्ड बनाने में सफल रही, स्पष्ट बहुमत मिला।

वन मंत्री संजय शर्मा: अपने बूथ के साथ ही खुद के वार्ड में भी भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। वार्ड 50 में कांग्रेस की रजनी सैनी की जीत से पार्टी के प्रदर्शन पर सवाल खड़े हुए।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे: झालावाड नगर परिषद के वार्ड 5 में भाजपा प्रत्याशी ने निर्विरोध जीत दर्ज की। नगर परिषद में कांग्रेस ने 29 सीटें को जीतकर चौंकाया। पिछली बार यहां भाजपा का बोर्ड था।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी: वार्ड 141 के सिटी पैलेस स्थित बूथ पर मतदान किया था, यहां भाजपा प्रत्याशी विजयी हुए। विद्याधर नगर विधानसभा में भाजपा को 22 में से 12 सीटें मिली, दो के परिणाम बाकी हैं।

मंत्री किरोड़ीलाल मीना: सवाईमोधापुर परिषद में भाजपा का पूर्ण बहुमत आया है। चुनाव के दौरान स्वाइन फ्लू से ग्रसित रहे, इस बीच दो दिन नगर परिषद में चुनाव प्रचार में रहे। उनका खुद का मत पंचायत क्षेत्र में है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर: वार्ड 52 के बूथ पर भाजपा को बढ़त मिली, लेकिन वार्ड से हार का सामना करना पड़ा। उनके विधानसभा क्षेत्र के छह वार्डों में नतीजों ने स्थानीय पकड़ की अलग तस्वीर दिखाई। स्पीकर वासुदेव देवनानीः अपने वार्ड 37 के बूथ के साथ ही खुद के वार्ड में भी भाजपा ने जीत दर्ज की। यहां भाजपा प्रत्याशी विजयी रहीं। अजमेर नगर निगम में भाजपा बहुमत हासिल नहीं कर पाई। कांग्रेस ने बढ़त बनाई।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत: गृह वार्ड 88 में भाजपा ने कांग्रेस को झटका दिया। सरदारपुरा विधानसभा क्षेत्र में कुल 26 वार्ड हैं। हालांकि, जोधपुर निगम में भाजपा-कांग्रेस का मुकाबला बराबरी पर टिका हुआ है।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह: ये अपना वोट पंचायत में डालेंगे, लेकिन अपने निवास क्षेत्र सीकर में पार्टी का प्रदर्शन मजबूत रहा। सीकर में कांग्रेस की जीत ने पार्टी के प्रभाव को निकाय चुनाव में भी कायम रखा।

विधायक प्रमोद जैन भाया: बारां के वार्ड 34 के निवासी हैं, जहां कांग्रेस तीसरे नम्बर पर रही। यहां आप प्रत्याशी ने जीत दर्ज की। भाया का वोट ग्रामीण क्षेत्र में है, लेकिन यहां निवासी करते हुए पार्टी को जीता नहीं पाए।

पूर्व मंत्री बीडी कल्ला: बूथ महेश सदन में कांग्रेस आगे रही और वार्ड में भी कांग्रेस की सरिता व्यास ने जीत दर्ज की। उनके विधानसभा क्षेत्र के 39 वार्डों में से कांग्रेस ने 23 सीटें जीती हैं।

विश्वेन्द्र सिंह: खुद के वार्ड 48 से कांग्रेस प्रत्याशी रामेश्वर सैनी हार गए। जबकि निर्दलीय प्रत्याशी मानवेंद्र सिंह जीते हैं। निर्दलीय की जीत पार्टी से नाराजगी या वोटों के बिखराव, पार्टी में इसकी चिंता शुरू हो गई।

विधायक सचिन पायलट: खुद के वार्ड 97 को जीता नहीं पाए। यहां से भाजपा प्रत्याशी विजयी हुए। हालांकि, टोंक विधायक के रूप में कांग्रेस ने मजबूत प्रदर्शन किया। टोंक परिषद में कांग्रेस को बहुमत मिला।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली: अपने ही प्रभाव क्षेत्र में झटका लगा। वार्ड 29 से भाजपा प्रत्याशी ने जीत दर्ज की। न तो बूथ जीता पाए और न ही वार्ड को। भाजपा की जीत से स्थानीय स्तर पर सियासी समीकरणों पर चर्चा चल रही है।

विधायक शांति धारीवाल: कोटा में वार्ड 41 में कांग्रेस के मंगल तम्बोली विजयी रहे, लेकिन बूथ जीता नहीं पाए। बूथ पर भाजपा प्रत्याशी ने जीत दर्ज की। इनके विधानसभा क्षेत्र में कुल 30 वार्ड हैं।

पूर्व मंत्री जितेंद्र सिंह: खुद के वार्ड 36 में झटका लगा। यहां भाजपा विजयी रहीं। यहीं बूथ भी कांग्रेस के पक्ष में नहीं गया और उनके अपने वार्ड में भाजपा ने जीत दर्ज की, जो स्थानीय प्रभाव कम होने को दर्शाता है।

पूर्व स्पीकर डॉ. सी.पी. जोशी: नाथद्वारा के वार्ड 21 से आते हैं, लेकिन अपने ही वार्ड में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। यहां भाजपा प्रत्याशी ने जीत दर्ज कर कांग्रेस के मजबूत माने जाने वाले इलाके में सेंध लगा दी।

पंचायती राज चुनाव के शेड्यूल में फिर बदलाव

17-18 की 'आरक्षण लॉटरी' स्थगित

जयपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में पंचायती राज संस्थाओं के आगामी चुनाव 2026 की तैयारियों में जुटे लाखों ग्रामीण मतदाताओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के लिए एक बड़ी खबर है। राज्य में 17 और 18 सितंबर 2026 को जिला परिषद, पंचायत समिति सदस्यों, सरपंचों और वार्ड पंचों के पदों के लिए प्रस्तावित आरक्षण लॉटरी की तारीखें एक बार फिर टल गई हैं। प्रदेश में चल रही शहरी निकाय चुनाव की जारी प्रक्रिया और प्रशासनिक व्यस्तता के चलते पंचायती राज विभाग ने राज्य निर्वाचन आयोग को इस कार्यक्रम में बदलाव करने के संबंध में सुझाव दिया था, जिसपर आयोग आने बदलाव करने का फैसला लिया है। पंचायती राज विभाग की ओर से राज्य निर्वाचन आयोग को अवगत कराया गया था कि शहरी निकाय चुनाव में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही पंचायती राज संस्थाओं की आरक्षण लॉटरी निकाली जाए।

गौरतलब है कि ग्रामीण राजस्थान के सियासी गलियारों में पंचायती राज चुनावों को लेकर काफी लंबे समय से सरगर्मी बनी हुई है। तय शेड्यूल के मुताबिक 17 सितंबर को जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए और 18 सितंबर को ग्राम पंचायतों के सरपंच व वार्ड पंचों के लिए जिला मुख्यालयों पर पारदर्शी लॉटरी प्रणाली से आरक्षण तय किया जाना था। आरक्षण की स्थिति साफ होने के बाद ही चुनाव लड़ने के इच्छुक ग्रामीण नेता और कार्यकर्ता अपनी-अपनी दावेदारी पक्की करने वाले थे। लेकिन अब इस पूरी प्रक्रिया के टलने से चुनाव लड़ने का इंतजार कर रहे प्रत्याशियों को थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। जल्द ही नई तिथियों की औपचारिक घोषणा कर दी जाएगी।

पंचायती राज संस्थाओं की आरक्षण लॉटरी की तारीखें आगे बढ़ाने के पीछे सबसे मुख्य कारण शहरी निकायों (नगर निगम, नगर परिषद और नगरपालिका) में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों के लिए चल रही चुनाव प्रक्रिया है: 17 सितंबर का निकाय शेड्यूलः 17 सितंबर 2026 को शहरी निकाय चुनाव में अध्यक्ष (मेयर/सभापति/अध्यक्ष) पद के नामांकन पत्रों की संवीक्षा का महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्य होना तय है।

18 सितंबर का निकाय शेड्यूलः 18 सितंबर 2026 को प्रत्याशियों द्वारा नाम वापसी और अंतिम उम्मीदवारों को चुनाव चिन्हों का आवंटन किया जाना है। प्रशासनिक अमले की व्यस्तताः जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी, तहसीलदार और पुलिस महकमा पूरी तरह से निकाय चुनाव की व्यवस्थाओं में व्यस्त रहेगा। एक ही समय पर निकाय चुनाव और पंचायती राज लॉटरी दोनों का संचालन करना प्रशासनिक दृष्टिकोण से बेहद चुनौतीपूर्ण था। पंचायती राज विभाग द्वारा पहले से तैयार किए गए खाके के अनुसार, राज्य में पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव को हर हाल में 15 नवंबर 2026 तक पूरा कराया जाना कानूनी रूप से अनिवार्य है।

विजय का फर्जी वीडियो बना ठगी करने वाला राजस्थान से गिरफ्तार, अलवर में अरेस्ट

अलवर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के सीएम और साउथ सिनेस्टार विजय की एआई जनरेटड डीपफेक वीडियो बनाकर वित्तीय धोखाधड़ी करने के मामले में बड़ा एक्शन हुआ है। तमिलनाडु की सीबी-सीआईडी साइबर क्राइम सेल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले में राजस्थान के अलवर जिले से 28 साल के शयाबू खान नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह पूरा मामला तमिलनाडु साइबर क्राइम सेल की रूटीन ऑनलाइन निगरानी के दौरान 1 सितंबर को सामने आया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, विशेष रूप से फेसबुक पर कुछ ऐसे एआई-जनरेटेड वीडियो तेजी से वायरल हो रहे थे, जिनमें विजय जैसी दिखने वाली आकृति का इस्तेमाल किया गया था। इन वीडियो में हिंदी वॉयस ओवर का प्रयोग कर लोगों को वित्तीय सहायता देने का लालच दिया गया था। फर्जी वीडियो में एक व्हाट्सएप नंबर दिया गया था, जिस पर संपर्क करने के लिए कहा जाता था। इसका मुख्य मकसद सीधे-साधे लोगों को अपने जाल में फंसाकर उनसे पैसे ठगना था।

जांच के दौरान साइबर सेल ने जब डिजिटल साक्ष्यों को खंगाला, तो संदिग्धों के तार राजस्थान और मध्य प्रदेश से जुड़ते दिखे। मामले की गहराई को देखते हुए दो विशेष टीमों का गठन कर राजस्थान और मध्य प्रदेश भेजा गया। स्थानीय पुलिस की मदद से 12 सितंबर को अलवर के लक्ष्मणगढ़ स्थित पूंठोली निवासी शयाबू खान को धर दबोचा गया। पुलिस ने आरोपी के पास से अपराध में इस्तेमाल किए गए मोबाइल फोन, सिम कार्ड और एक सीपीयू जब्त कर लिया है। इसके बाद आरोपी को पीटी वारंट पर तमिलनाडु लाकर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जांच अधिकारियों के अनुसार, इस गिरोह का जाल केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं था। आरोपी मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों के लोगों को भी निशाना बना रहे थे। सीबी-सीआईडी को मध्य प्रदेश में एक ऐसा पीड़ित मिला है, जो इस धोखाधड़ी का शिकार हुआ था। उसके बयान और पेश किए गए सबूतों ने मामले को और मजबूत कर दिया है।

मूसलाधार बारिश का अलर्ट

55 किमी की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

जयपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में 16 सितंबर को मौसम का मिजाज बिगड़ा रहेगा. मौसम विभाग ने कई जिलों में भारी बारिश के साथ तेज हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया है. बारिश के दौरान हवा की रफ्तार 50 से 55 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है.

आईएमडी के अलर्ट के मुताबिक टोंक, करौली, पाली, दौसा, बाड़मेर, भरतपुर, कोटा, चूरू, सवाई माधोपुर, चित्तौड़गढ़, धौलपुर, डूंगरपुर और उदयपुर में भारी बारिश की चेतावनी है. कई इलाकों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश हो सकती है.

राजधानी जयपुर में भी आज बादल छाए रहने और बारिश होने की संभावना है. यहां अधिकतम तापमान करीब 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है.

बारिश के दौरान 50-55 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा के झोंके चल सकते हैं. ऐसे में लोगों को मौसम खराब होने के दौरान खुले स्थानों, पेड़ों और कमजोर ढांचों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी जाती है.

कौन हैं अलीशा देव और खुशबू आचार्य?

बनना था आईएएस/आरएएस, बन गईं पार्षद

बाड़मेर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में नगर निकाय चुनाव के परिणाम घोषित हो गए हैं। वहीं इस बीच चुनाव परिणामों में जेन जी उम्मीदवार भी उभर कर सामने आए हैं। कांग्रेस और भाजपा दोनों ने इस बार जेन जी को टिकट देने में दिलचस्पी दिखाई। इस बीच बाड़मेर में दो जेन जी महिला उम्मीदवारों ने चुनाव जीतकर सबको हैरान कर दिया है। अलीशा देव और खुशबू आचार्य, जिन्होंने सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी को छोड़कर राजनीति में कदम रखा। यह ही नहीं अब चुनाव जीतकर अलीशा देव और खुशबू आचार्य चुनाव जीतकर नगर परिषद में पार्षद भी चुनी गई हैं। बाड़मेर नगर परिषद चुनाव में वार्ड नंबर 25 की विजय प्रत्याशी युवा अलीशा देव, जिसने यूपीएससी एग्जाम की तैयारी छोड़कर राजनीति में प्रवेश किया। अलीशा ने 24 साल की उम्र में वार्ड नंबर 25 से पहली बार चुनाव लड़ा और यह चुनाव जीत भी लिया। उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़कर 261 वोटों से अपने प्रतिद्वंद्वी को मात दी। जेन जी अलीशा देव के पिता शिक्षा विभाग में कार्यरत हैं। जबकि उनके चाचा नरेश देव सारण पूर्व विधायक भी रह चुके हैं। अलीशा का कहना है कि अब वह यूपीएससी छोड़कर राजनीति में आगे बढ़कर लोगों की सेवा करना चाहती हैं। इसी तरह बाड़मेर नगर परिषद के वार्ड नंबर 7 से महिला युवा प्रत्याशी खुशबू आचार्य, जिसने भी कंपटीशन एग्जाम की तैयारी छोड़कर अब राजनीति में प्रवेश कर लिया है। खुशबू पर कांग्रेस ने भरोसा जताते हुए वार्ड नंबर 7 से टिकट दिया। 25 साल की उम्र में खुशबू ने पहली बार चुनाव लड़ा और जीत लिया। खुशबू के पिता बाड़मेर में पार्षद रह चुके हैं। खुशबू राजस्थान प्रशासनिक सेवा की परीक्षा भी दे चुकी है। खुशबू का भी कहना है कि वह भी अब राजनीति के जरिए लोगों की सेवा करना चाहती है। बाड़मेर नगर निकाय चुनाव के दौरान काफी सियासी हलचल रही। कांग्रेस और भाजपा दोनों ने ही नगर परिषद चुनाव में अपना काफी जोर लगाया। चुनाव परिणाम में बाड़मेर में बीजेपी को बहुमत मिला है। बीजेपी यहां बोर्ड बनाने के लिए अग्रसर है, उन्हें इस चुनाव में 29 सीटों पर विजय मिली है। जबकि कांग्रेस 21 सीटों पर ही जीत हासिल कर पाई।

खुशबू आचार्य | अलीशा देव

पूर्व राजपरिवार की राजमाता विजयराज कुमारी का निधन

उदयपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। उदयपुर के पूर्व राजपरिवार से एक दुखद खबर है। मेवाड़ पूर्व राजपरिवार की राजमाता विजयराज कुमारी मेवाड़ का सोमवार, 14 सितंबर 2026 की देर रात लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया है। वे 83 वर्ष की थीं और पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थीं। उनके महाप्रयाण की खबर मिलते ही पूरे उदयपुर, मेवाड़ और मारवाड़ अंचल में शोक की लहर दौड़ गई है। देश-विदेश से जुड़े उनके चाहने वाले, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और राजनीतिक हस्तियां लगातार शोक व्यक्त कर रहे हैं। राजमाता अपने मिलनसार स्वभाव, परोपकारी कार्यों और शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए हमेशा याद की जाती रहेंगी। उनके निधन से एक युग का अंत हो गया है, जिसने उदयपुर की सांस्कृतिक पहचान को गहराई से प्रभावित किया था। राजमाता विजयराज कुमारी मेवाड़ का संबंध देश के अत्यंत प्रतिष्ठित और प्राचीन राजपरिवारों में से रहा है। वे मूल रूप से गुजरात के कच्छ राजपरिवार से ताल्लुक रखती थीं।

चुनाव जीतने के अगले दिन निर्दलीय पार्षद की मौत

पाली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। जिले के मारवाड़ जंक्शन नगर पालिका से दुखद खबर सामने आई है। नगर पालिका चुनाव में वार्ड-7 से जीत दर्ज करने वाले निर्दलीय पार्षद अबरार खान मेव (58) की चुनाव परिणाम आने के अगले ही दिन मौत हो गई। चुनाव परिणाम आने के महज एक दिन बाद हुई इस मौत से परिवार, समर्थकों और स्थानीय लोगों में शोक की लहर है। जीत की खुशी के बीच जो माहौल बना था, वह मंगलवार सुबह अचानक मातम में बदल गया। उनकी मौत का कारण हार्टअटैक बताया जा रहा है।

मंगलवार सुबह अबरार खान अपने घर पर ही थे। नगर पालिका चुनाव में जीत के बाद परिचित और समर्थक उन्हें बधाई देने पहुंच रहे थे। घर पर खुशी का माहौल था और लोग उन्हें चुनाव जीतने की शुभकामनाएं दे रहे थे। इसी दौरान करीब 8 बजे चाय पीते समय अबरार खान के सीने में अचानक तेज दर्द हुआ। उनकी तबीयत बिगड़ते ही परिवार और मौके पर मौजूद लोग उन्हें तुरंत इलाज के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लेकर पहुंचे।

परिजन और आसपास मौजूद लोग अबरार खान को लेकर बांगड़ हॉस्पिटल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू किया। हालांकि, उनकी हालत गंभीर थी। करीब 9 बजे डॉक्टरों ने अबरार खान को मृत घोषित कर दिया। अबरार खान की मौत की सूचना मिलने के बाद पूर्व विधायक खुशवीर सिंह जोजावर भी हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने बताया कि 14 सितंबर को चुनाव में जीत के बाद उन्होंने अबरार खान को बधाई दी थी और उनका मुंह भी मीठा करवाया था।

अबरार खान मेव मारवाड़ जंक्शन क्षेत्र में कोयले के बड़े व्यापारी के तौर पर भी जाने जाते थे। इसके अलावा वे मुस्लिम समाज के सदर यानी अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल रहे थे। इससे पहले वे वार्ड पंच भी रह चुके थे। स्थानीय स्तर पर सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में उनकी सक्रियता रही थी।

साइबर गिरोह का खुलासा, ऑनलाइन गेमिंग-बुकिंग के नाम पर ठगी करने वाले 4 गिरफ्तार

कुचामनसिटी, 15 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में बढ़ रहे साइबर अपराधों के खिलाफ अभियान में डीडवाना-कुचामन पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. कुचामनसिटी थाना पुलिस ने डीएसटी टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई में ऑनलाइन गेमिंग और बुकिंग के नाम पर ठगी करने वाले संगठित साइबर गिरोह का खुलासा किया है. थाना प्रभारी राजेन्द्र खदाव ने बताया कि पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इनके पास से 15 एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 4 लैपटॉप, 3 मोबाइल चार्जर, साइबर लेन-देन का रिकॉर्ड रखने वाली हिसाब-किताब की डायरी बरामद की है. पुलिस के मुताबिक गिरोह ऑनलाइन गेमिंग, बुकिंग, दूसरी डिजिटल सेवाओं का झांसा देता था. ठगी की रकम छिपाने के लिए किराए पर लिए गए बैंक खातों का इस्तेमाल करता था. पूछताछ में साइबर नेटवर्क की अहम कड़ियां खुलने की उम्मीद है.

उन्होंने बताया कि 13 सितंबर 2026 को कुचामनसिटी पुलिस को सूचना मिली थी कि टैगोर कॉलेज के पास एक किराए के कमरे में कुछ युवक संदिग्ध गतिविधियां कर रहे हैं. सूचना पर कुचामनसिटी थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने दबिश दी. तलाशी में चार युवक मोबाइल फोन और लैपटॉप से ऑनलाइन गतिविधियां चलाते मिले. उपकरणों की प्रारंभिक जांच में साइबर ठगी से जुड़े साक्ष्य मिले. इसके बाद चारों को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया गया. प्रारंभिक जांच में सामने आया कि गिरोह सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म से लोगों तक पहुंच बनाता था. आरोपी सोशल मीडिया समेत दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन गेमिंग और बुकिंग के आकर्षक ऑफर देते थे. पुलिस ने इस मामले में गच्छीपुरा थाना इलाके का रवि महिया 20, राजेन्द्र जाट 24 और शिवराज जाट 22 समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है.

30 हज़ार की घूस लेते रंगे हाथ पकड़ा गया पंचायत समिति का एईएन, भरतपुर में बड़ी कार्रवाई

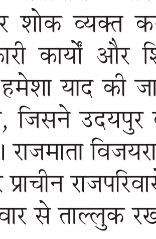

भरतपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को एक बड़ी सफलता मिली है। भरतपुर जिले के भुसावर पंचायत समिति में कार्यरत सहायक अभियंता गोविंद प्रसाद को ब्यूरो की भरतपुर इकाई ने परिवादी से 30,000 रुपये की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह पूरी कार्रवाई एसीबी मुख्यालय के निर्देशों पर भरतपुर चौकी टीम द्वारा अंजाम दी गई। आरोपी अधिकारी ठेकेदार से उसकी माप पुस्तिका और कार्यपूर्णता प्रमाण पत्र को सत्यापित कर हस्ताक्षर करने के बदले पैसों की लगातार मांग कर परेशान कर रहा था। पीड़ित द्वारा एसीबी में शिकायत दर्ज कराने के बाद पूरी योजना के तहत ट्रैप बिछाकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि एसीबी चौकी भरतपुर को हाल ही में एक परिवादी (ठेकेदार) और सहपरिवादी की ओर से लिखित शिकायत प्राप्त हुई थी।

चोरी की फॉर्च्यूनर, नंबर प्लेट फर्जी; अंदर मिला 378 किलो डोडा-पोस्त, पुलिस के पहुंचते ही तस्कर फरार

जोधपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। जोधपुर की डांगियावास थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने देर रात मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस टीम ने ग्राम बिसलपुर स्थित गोशाला के पास से फर्जी नंबर प्लेट लगी टोयोटा फॉर्च्यूनर गाड़ी से 378 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद किया है। पुलिस की जांच में सामने आया कि तस्करों ने वाहन पर जाली नंबर प्लेट लगा रखी थी और यह गाड़ी कर्नाटक राज्य से चोरी की गई थी।

थाना अधिकारी राजूराम काला ने बताया कि देर रात नशा तस्करी के संबंध में पुलिस को गोपनीय सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम बिसलपुर गोशाला के पास मुस्तैदी से गश्त कर रही थी। इसी दौरान वहां खड़ी एक संदिग्ध फॉर्च्यूनर गाड़ी पुलिस की नजर में आई। पुलिस टीम ने वाहन की गहन तलाशी ली तो उसके भीतर से 378 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने वाहन के कागजात और नंबर प्लेट की जांच की तो चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। जांच में पता चला कि फॉर्च्यूनर कर्नाटक राज्य से चोरी की गई थी। तस्करों ने चोरी की इस गाड़ी पर फर्जी नंबर प्लेट लगा रखी थी और इसका इस्तेमाल मादक पदार्थ की तस्करी के लिए किया जा रहा था। डांगियावास पुलिस की ओर से पिछले दो महीनों के भीतर नशा तस्करों के खिलाफ यह तीसरी बड़ी कार्रवाई है।

1.5 करोड़ की कॉपर कॉइल चोरी, गार्ड पर आरोप

अलवर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्र भिवाड़ी में करीब 1.50 करोड़ रुपए की कॉपर कॉइल चोरी का मामला सामने आया है। चोरी रीको इंडसट्रियल एरिया फेज-1 स्थित हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड के कॉपर डिपो गोदाम से हुई। आरोप सुरक्षा एजेंसी के एक गार्ड पर लगा है। पुलिस ने वेयर हाउस इंचार्ज की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के वेयर हाउस इंचार्ज महेश चंद्र शर्मा ने बताया कि गोदाम की सुरक्षा की जिम्मेदारी भारत सिक्योरिटी ग्रुप एजेंसी के पास है। गोदाम पर सुरक्षा गार्ड रामनारायण, गनमैन मुकेश कुमार और कंपनी का वर्कर बालमुकुंद ड्यूटी पर मौजूद थे। आरोप है कि गार्ड रामनारायण ने साजिश के तहत कोल्ड ड्रिंक में कोई नशीला पदार्थ मिलाकर गनमैन मुकेश और वर्कर बालमुकुंद को पिला दिया। इसके बाद दोनों बेहोश होकर गिर गए। शिकायत के मुताबिक दोनों कर्मचारियों के बेहोश होने के बाद कुछ अज्ञात लोग गाड़ी लेकर गोदाम के अंदर पहुंचे। आरोप है कि गार्ड रामनारायण ने उनके साथ मिलकर गोदाम में रखी कॉपर कॉइल को गाड़ी में लोड करवाया।

गणेश विसर्जन शोभायात्रा को लेकर 19 किलोमीटर मार्ग का संयुक्त निरीक्षण

20 हजार पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे, सीसीटीवी से होगी पूरे मार्ग की निगरानी

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी गणेश विसर्जन शोभायात्रा को सुरक्षित, सुगम और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए मंगलवार को हैदराबाद में बालापुर से टैंक बंड तक करीब 19 किलोमीटर लंबे मार्ग का संयुक्त निरीक्षण किया गया। हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार, आईपीएस के नेतृत्व में पुलिस, जीएचएमसी, हाइड्रा, सड़क एवं भवन विभाग सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने मार्ग की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण से पहले पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार, हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ, जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन और हैदराबाद जिला कलेक्टर डॉ. प्रियंका अला ने बालापुर गणेश प्रतिमा के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर बालापुर गणेश उत्सव समिति के आयोजक कल्लेम निरंजन रेड्डी तथा भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के नेताओं जी. राघव रेड्डी और आर. शशिधर ने वरिष्ठ अधिकारियों का पारंपरिक शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत में पुलिस आयुक्त सज्जनार ने सभी नागरिकों और गणेश उत्सव आयोजकों को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति और स्थानीय आयोजकों द्वारा वर्षों से सरकार एवं पुलिस विभाग को दिए जा रहे सहयोग की सराहना की। उन्होंने बालापुर उत्सव समिति द्वारा पुरी के प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर की तर्ज पर तैयार किए गए गणेश पंडाल की भी प्रशंसा की। वरिष्ठ अधिकारियों ने विशेष बस से बालापुर गणेश पंडाल से चंद्रायनगुट्टा, फलकनुमा, चारमीनार, एम.जे. मार्केट होते हुए तेलुगु तल्लि फ्लाईओवर तक पूरे मार्ग का निरीक्षण किया। राजेश मेडिकल हॉल, गुलजार हौज, एम.जे. मार्केट जंक्शन और तेलुगु तल्लि जंक्शन पर विशेष रूप से रुककर मार्ग की स्थिति, ऊंचाई संबंधी प्रतिबंध और बिजली के तारों सहित ऊपरी हिस्से में उपलब्ध सुरक्षित जगह का जायजा लिया गया। पुलिस आयुक्त ने बताया कि गणेश विसर्जन के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पूरे शहर में करीब 20 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। विसर्जन शोभायात्रा के पूरे मार्ग पर कमांड कंट्रोल सेंटर से लगातार सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी रखी जाएगी। इसके अलावा त्वरित प्रतिक्रिया दल, डॉग स्क्वायड, चेन स्नैचिंग रोधी दल और महिला सुरक्षा दलों को भी रणनीतिक स्थानों पर तैनात किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पिछले एक महीने से विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बैठकें आयोजित की जा रही हैं। विसर्जन के दिन जीएचएमसी, एचएमडीए, ट्रांसको, सड़क एवं भवन विभाग, जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड, परिवहन विभाग और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तेलंगाना राज्य एकीकृत कमांड एवं नियंत्रण केंद्र में चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगे, ताकि किसी भी स्थिति से तत्काल निपटा जा सके।सज्जनार ने सभी जोनल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि पंडालों से गणेश प्रतिमाएं समय पर विसर्जन के लिए रवाना हों। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए उन्होंने सभी गणेश उत्सव समितियों से सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने और बिजली से संबंधित किसी भी खतरे को रोकने के लिए विशेष सावधानी बरतने की अपील की। पुलिस आयुक्त ने कहा कि हैदराबाद की गणेश विसर्जन शोभायात्रा देश में अपनी अलग पहचान रखती है। उन्होंने नागरिकों, श्रद्धालुओं और उत्सव समितियों से पुलिस एवं प्रशासन का पूरा सहयोग करने की अपील की, ताकि यह भव्य आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से और बिना किसी अप्रिय घटना के संपन्न हो। संयुक्त निरीक्षण में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) तफसीर इकबाल, संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) डी. जोएल डेविस सहित चारमीनार, राजेंद्रनगर, कार मुख्यालय, खैरताबाद, यातायात और शामशाबाद के पुलिस उपायुक्त तथा विभिन्न सरकारी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

तिरुमला ब्रह्मोत्सव की भव्यता को विश्व के सामने प्रदर्शित करने का आग्रह

तिरुमला, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता) । तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अध्यक्ष बीआर नायडू ने मंगलवार को मीडिया से आग्रह किया कि वे वार्षिक नौ दिवसीय तिरुमाला ब्रह्मोत्सव की भव्यता और पहाड़ी मंदिर में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए की गई विस्तृत व्यवस्थाओं को प्रदर्शित करें। तिरुमला के आरबीआरएच-2 में मीडिया सेंटर का उद्घाटन करते हुए श्री नायडू ने कहा कि मीडिया को त्योहार को व्यापक रूप से कवर करने और दुनिया भर के भक्तों तक इसके आध्यात्मिक महत्व को पहुंचाने में सक्षम बनाने के लिए वाई-फाई, कंप्यूटर, प्रिंटर और हाई-स्पीड बैंडविड्थ सहित सुविधाएं प्रदान की गई हैं।उन्होंने कहा कि कल्याणा वेदिका में आयोजित प्रदर्शनियाँ, जिनमें पुष्प, उद्यान, वन, एसवीआईटीएसए और आयुर्वेद प्रदर्शनियाँ शामिल हैं, प्रमुख आकर्षण हैं। उन्होंने आगे कहा कि फोटो प्रदर्शनी, जिसमें तिरुमाला के प्रारंभिक काल से लेकर वर्तमान तक के विकास को दर्शाने वाली दुर्लभ तस्वीरें हैं, भक्तों को इस पहाड़ी तीर्थस्थल की समृद्ध विरासत को जानने का अवसर प्रदान करती है।

नायडू ने श्रद्धालुओं से प्रदर्शनियों का दौरा करने और तिरुमाला की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक यात्रा का अनुभव करने की अपील की। टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी एम. रविचंद्र ने कहा कि ब्रह्मोत्सवम के लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं और विभिन्न विभागों में सुविधाओं में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। गरुड़ सेवा दिवस पर अन्नप्रसाद की आपूर्ति में 38 प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी, जबकि श्रीवारी प्रसाद में 30 प्रतिशत और पेय पदार्थों में 50 प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी।

एपीएसआरटीसी इस उत्सव के दौरान 500 अतिरिक्त सेवाओं सहित 3,100 ट्रिप संचालित करेगी। मंगलवार को शाम 6.21 बजे से 6.35 बजे के बीच शुभ मीन लग्न में ध्वजारोहण संस्कार संपन्न हुआ। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने राज्य सरकार की ओर से श्री वेंकटेश्वर स्वामी को रेशमी वस्त्र भेंट किए। 16 सितंबर को मुख्यमंत्री द्वारा तीर्थयात्री अनुभव केंद्र, एसवी संग्रहालय, इलेक्ट्रिक बसों, नंदकम ऐप और श्रद्धालुओं के लिए समूह बीमा योजना का उद्घाटन किया जाना निर्धारित है।अंकुरार्पणम, जो शुभ बीजों की बुवाई का प्रतीक है, ब्रह्मोत्सव की रस्मों के प्रारंभ का प्रतीक है। यह समारोह सूर्यास्त के बाद वैदिक मंत्रों और पवित्र अनुष्ठानों के बीच संपन्न हुआ, जिसमें उत्सव के सफल संचालन के लिए दैवीय आशीर्वाद की प्रार्थना की गई। टीटीडी के अतिरिक्त ईओ चौ. वेंकैया चौधरी, सीवीएसओ मुरलीकृष्ण, मुख्य पीआरओ डॉ टी रवि, तिरुमाला के पुजारी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बीडीएल को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार मिला

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत डायनामिक्स लिमिटेड को वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 'ग' क्षेत्र के उपक्रमों के अंतर्गत उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर राजभाषा कीर्ति पुरस्कार (तृतीय)से सम्मानित किया गया।

यह पुरस्कार हिंदी दिवस 2026 एवं छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के अवसर पर मुंबई में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में भारत डायनामिक्स लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक शैलेश वगेरवाल ने भारत सरकार के गृह-राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार से प्राप्त किया।

इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय एवं सचिव राजभाषा श्रीमती अंशुली आर्य सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब बी डी एल को उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार ग्रहण करने के उपरांत सी एम डी शैलेश वगेरवाल ने इस उपलब्धि के लिए राजभाषा कार्यान्वयन में योगदान देने वाले उद्यम के सभी अधिकारी और कर्मचारी को तथा विशेषकर राजभाषा विभाग के साथियों को बधाई दी। इस अवसर पर बी डी एल के अपर महाप्रबंधक (राजभाषा) होमिनिधि शर्मा और डॉ. नरसिंहम शिवकोटि, उप प्रबंधक भी उपस्थित थे

"असली परेशानी कांग्रेस है, एल नीनो नहीं : जगदीश रेड्डी

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता) । पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक जी जगदीश रेड्डी ने मंगलवार को कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए उसके मंत्रियों पर जल आपूर्ति से जुड़े सवालों से बचने और तेलंगाना की हर समस्या के लिए अल नीनो को दोषी ठहराने का आरोप लगाया। रेड्डी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सरकार बिजली, पानी, कल्याणकारी योजनाओं और अधूरे वादों से संबंधित विफलताओं को छिपाने के लिए अल नीनो का बहाना बना रही है। उन्होंने आरोप लगाया, "तेलंगाना को परेशान करने वाला राक्षस अल नीनो नहीं बल्कि कांग्रेस है।" उन्होंने दावा किया कि अल नीनो के प्रभाव के बावजूद, गोदावरी और कृष्णा नदियों में पर्याप्त पानी मौजूद है, और आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश में पानी बह रहा है जबकि तेलंगाना के किसान सिंचाई से वंचित हैं।रेड्डी ने सरकार पर कालेश्वरम परियोजना से पानी रोके रखने का आरोप लगाया, जिससे सूर्यापेट, तुंगतुर्थी, कोडड, अलैर और भोंगिर के किसानों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने नागार्जुन सागर लेफ्ट कैनाल, एसएलबीसी और लो-लेवल कैनाल को लेकर भी सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि सागर जलाशय में पानी पहुंचने के बावजूद किसान सिंचाई को लेकर अनिश्चित बने हुए हैं। रेड्डी ने आगे आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी आंध्र प्रदेश को पानी की आपूर्ति के संबंध में बीआरएस द्वारा प्रस्तुत सबूतों पर कोई जवाब देने में विफल रहे हैं। उन्होंने तेलंगाना में जानबूझकर फसलों को बर्बाद करने के लिए कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया।

मंदिर के शिखर पर गरुड़ ध्वज पाटम फहराया गया

तिरुमाला, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता) । श्री वेंकटेश्वर स्वामी के वार्षिक ब्रह्मोत्सव का शुभारंभ मंगलवार शाम को तिरुमाला के श्रीवारी मंदिर में पारंपरिक ध्वजारोहण समारोह के साथ भव्य और औपचारिक तरीके से हुआ। यह अनुष्ठान वैखानस आगम के अनुसार शुभ मीन लग्न में, शाम 6:21 बजे से शाम 6:35 बजे तक संपन्न किया गया। इससे पहले, ध्वजारोहणम उत्सव की शुरुआत श्री मलयप्पा स्वामी की एक भव्य शोभायात्रा के साथ हुई, जिसमें उनकी पत्नियां श्रीदेवी और भूदेवी स्वर्ण तिरुचि रथ पर सवार थीं।

गरुड़लवार की प्रतिमा वाला ध्वज पटम मंदिर में लाया गया और विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद मंदिर के भीतर तिरुमलराया मंडपम में शोभायात्रा के दौरान शामिल देवताओं का अस्थानम किया गया। धार्मिक महत्व: परंपरा के अनुसार, श्री वेंकटेश्वर स्वामी के परम भक्त और प्रमुख सेवक गरुड़, सभी लोकों का भ्रमण करते हैं और दिव्य देवताओं को ब्रह्मोत्सव में भाग लेने और समारोहों को आशीर्वाद देने के लिए आमंत्रित करते हैं। ध्वजारोहण की रस्मों के तहत, वैदिक विद्वानों ने गरुड़ गद्यम, गरुड़ चूर्णिका और अन्य संबंधित श्लोकों का पाठ किया। इसके बाद, मंदिर के मुख्य स्तंभ पर विधिपूर्वक गरुड़ ध्वज फहराया गया।

तिरुमाला के दोनों धर्माध्यक्ष, कंकनभट्टार श्री वेंकट राघव दीक्षितुलु, टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी श्री रविचंद्र, कुछ बोर्ड सदस्य और अन्य अधिकारी समारोह में उपस्थित थे।

श्री बाबा रामदेवजी के नाम जागरण आयोजित

अलवाल स्थित श्री बाबा रामदेवजी मंदिर में एक दिन भजन संध्या व जम्मा जागरण समापन हुआ। शनिवार को लाईट डेकोरेशन, माला फुल द्वारा सजावट किया। रविवार को प्रातः 9 बजे से पुजा अर्चना,महा आरती , ध्वजारोहण व भोग लगाया गया। भजन गायक रमेश सोनी बिलाड़ा, रमेश प्रजापत बड़ा गुंडा, द्वारा राजस्थानी भजन प्रस्तुत किया गया महा प्रसादी की मंदिर प्रांगण में रखी थी।

इस अवसर पर रावत राजपूत मित्रः मंडल हैदराबाद सिकंदराबाद के सदस्यगण उपस्थित अध्यक्ष महेन्द्र सिंह ठाकुर ,सचिव उम्मेद सिंह चौहान ,कोषाध्यक्ष हरि सिंह चौहान , नाथु सिंह , टील सिंह, विजेंद्र सिंह , दौलत सिंह , गोविन्द सिंह , पुखराज सिंह, गोपाल सिंह , अमर सिंह , गिरधारी सिंह , दिनेश सिंह, किशन सिंह , नरेंद्र सिंह , नरेंद्र सिंह , नैना सिंह , नारायण सिंह , देवेन्द्र सिंह , वसन्त सिंह , सागर सिंह , मोहन सिंह , पुखराज सिंह कालालिया, केशर सिंह , किशोर सिंह , लक्ष्मण सिंह , भूपेन्द्र सिंह पुनम सिंह, प्रताप सिंह । पंडित जी,समस्त कार्यकारणी सदस्यगण व अन्य उपस्थित रहे।

जीडिमेटला स्थित सीरवी समाज बडेर में श्री आईमाताजी के 611वें अवतरण दिवस पर संरक्षक बाबूलाल चोयल, संरक्षक मांगीलाल काग, चेनाराम चोयल, अध्यक्ष रावतराम बर्फा, द्वारा समस्त कार्यकारणी सदस्यगण का सम्मान किया गया।

हयात नगर में आरटीसी बस और टिपर की टक्कर में 15 यात्री घायल

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को शहर के बाहरी इलाके हयात नगर में तेज़ रफ़्तार टिपर लॉरी और आरटीसी बस की टक्कर में कम से कम 15 यात्री घायल हो गए।

यह दुर्घटना कुंतलूर-राजीव गृहकल्प रोड पर हुई, जब नागोल की तरफ़ से तेज़ रफ़्तार से आ रहा टिपर, विपरीत दिशा से आ रही आरटीसी बस से टकरा गया। इस टक्कर में लगभग 15 यात्री घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने पैरामेडिक स्टाफ़ की मदद से घायलों को वनस्थलीपुरम और सिकंदराबाद के सरकारी अस्पतालों में पहुँचाया। नागोल पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मारी; महिला की मौत, पति और बेटी घायल

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनएच-44 पर सिद्धांती रेलवे गेट के पास एक ट्रक ने मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे एक महिला की मौत हो गई और उसका पति व बेटी घायल हो गए। महिला, बी सोनी, अपने पति श्याम सुंदर और 11 साल की बेटी के साथ मोटरसाइकिल पर पीछे बैठी थी, तभी तेज़ रफ़्तार और लापरवाही से चलाए जा रहे ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। सोनी सड़क पर गिर गईं और भारी वाहन के नीचे आ गईं, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। श्याम सुंदर और उनकी बेटी घायल हो गए। पुलिस ने कर्नाटक के रायचूर निवासी ड्राइवर बसवराज की पहचान की और उसे हिरासत में ले लिया।

राज्यपाल ने खैरताबाद महागणपति के दर्शन किए

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विनायक चतुर्थी के मौके पर, लोक भवन में भगवान विनायक की मिट्टी से बनी इको-फ्रेंडली मूर्ति स्थापित की गई। गवर्नर के सुझाव पर, अधिकारियों ने दो जगहों - मुख्य भवन और दरबार हॉल - में मिट्टी की मूर्तियों की पूजा-अर्चना की। सोमवार को, गवर्नर शिव प्रताप शुक्ल और उनकी पत्नी श्रीमती जानकी शुक्ल ने शुरुआती पूजा की।

सोमवार को, गवर्नर और उनकी पत्नी ने खैरताबाद महागणपति के दर्शन भी किए और भगवान विघ्नेश्वर की शुरुआती पूजा की।

91वीं अखिल भारतीय रेलवे एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दक्षिण मध्य रेलवे का शानदार प्रदर्शन

देशभर से आए रेलवे के शीर्ष एथलीटों ने हिस्सा लिया

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के खिलाड़ियों ने कोलकाता में 11 से 13 सितंबर तक आयोजित 91वीं अखिल भारतीय रेलवे एथलेटिक्स (पुरुष एवं महिला) चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक हासिल किए। प्रतियोगिता में भारतीय रेलवे की विभिन्न इकाइयों की कुल 20 टीमों ने हिस्सा लिया। दक्षिण मध्य रेलवे की महिला टीम ने ओवरऑल चैंपियनशिप में दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि दक्षिण मध्य रेलवे ने ओवरऑल प्वाइंट्स तालिका में तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के अंतिम मुकाबलों में एससीआर के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अंकिता ने 3000 मीटर दौड़ में रजत पदक, मोहम्मद ताबिस ने हैमर थ्रो में रजत, भुवनेश्वरी देवी ने 800 मीटर में रजत, अर्पिता ने 800 मीटर में कांस्य, अभिनव वैष्णव ने पुरुष डिस्कस थ्रो में रजत और कुसुमा रवाडा ने लॉन्ग जंप में रजत पदक जीता। पल्लवी ने हाई जंप में कांस्य पदक हासिल किया। महिला 4÷400 मीटर रिले टीम ने रजत और महिला 4÷100 मीटर रिले टीम ने कांस्य पदक अपने नाम किया। महिलाओं की वॉल्टिंग स्पर्धा में भी एससीआर की खिलाड़ियों ने पदक हासिल किया। ईस्टर्न रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप में देशभर से आए रेलवे के शीर्ष एथलीटों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता ने राष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ियों की तकनीकी दक्षता और प्रदर्शन की निरंतरता परखने का अवसर प्रदान किया। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनकी कड़ी मेहनत, खेल भावना और समर्पण की सराहना की।

आरएस प्रवीण कुमार ने सैफाबाद थाने पर हुए कथित हमले को लेकर पुलिस से सवाल किए

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता) । बीआरएस के महासचिव आरएस प्रवीण कुमार ने मंगलवार को सैफबाद पुलिस स्टेशन में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव के पीआरओ महेश और पीए महेंद्र रेड्डी पर हुए कथित हमले को लेकर हैदराबाद पुलिस से सवाल किया।तेलंगाना भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रवीण कुमार ने पुलिस के इस दावे का खंडन किया कि कोई हमला नहीं हुआ था। खैराबाद जोन की डीसीपी शिल्पावल्ली ने कहा था कि थाने के सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई और उसमें हमले जैसी कोई घटना नहीं पाई गई।प्रवीण कुमार ने आरोप लगाया कि यह घटना जानबूझकर की गई थी और सवाल उठाया कि केटीआर के कर्मचारियों को शाम 6.30 बजे क्यों नहीं रिहा किया गया, यह दावा करते हुए कि उसी समय नकाबपोश व्यक्ति पुलिस स्टेशन में घुस गए थे। उन्होंने पुलिस के इस स्पष्टीकरण पर भी सवाल उठाया कि एक समूह डीजे कार्यक्रम के लिए अनुमति मांगने थाने आया था। उन्होंने पूछा, "अगर लोग अनुमति मांगने आते हैं, तो 15 से 30 लोग एक साथ क्यों आएंगे, और अनुमति मांगने वाले किसी व्यक्ति ने मास्क क्यों पहना होगा?" उन्होंने कहा कि डीजे की अनुमति संबंधित पुलिस अधिकारियों के माध्यम से प्राप्त की गई थी और उन्होंने थाने में इतनी बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति पर सवाल उठाया। प्रवीण कुमार ने मांग की कि डीसीपी शिल्पावल्ली उनके सवालों का जवाब दें। उन्होंने कहा कि अगर वह ऐसा करने में विफल रहती हैं, तो डीजीपी को घटना से संबंधित परिस्थितियों को स्पष्ट करना चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे युवा प्लेयर्स भिड़ेंगे

गुकेश 20 तो सिंदारोव 19 साल के; 22 नवंबर से 12 दिसंबर तक जेनेवा में मुकाबला होगा

जिनेवा (स्विट्जरलैंड), 15 सितंबर (एजेंसियां)। गुकेश और सिंदारोव के बीच चेस वर्ल्ड चैंपियनशिप का फाइनल खेला जाएगा। यह फाइनल इतिहास में सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों के बीच होगा। गुकेश मई में 20 साल के हो गए हैं, जबकि सिंदरोव 19 साल के हैं।

इंटरनेशनल चेस फेडरेशन ने 2026 वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप का शेड्यूल जारी कर दिया है। डिफेंडिंग चैंपियन डी गुकेश और उज्बेकिस्तान के चैलेंजर जावोखिर सिंदारोव के बीच मुकाबला 22 नवंबर से 12 दिसंबर तक स्विट्जरलैंड के जेनेवा में खेला जाएगा।

चैंपियनशिप का आयोजन जेनेवा के कोलोग्नी स्थित फाउंडेशन मार्टिन बोडमर में होगा। 22 नवंबर को मीडिया डे और ओपनिंग सेरेमनी आयोजित की जाएगी।

पहला क्लासिकल गेम 24 नवंबर को खेला जाएगा। आखिरी निर्धारित क्लासिकल गेम 11 दिसंबर को होगा। जरूरत पड़ने पर 12 दिसंबर को टाईब्रेक मुकाबले खेले जाएंगे।

गुकेश ने दिसंबर 2024 में चीन के डिंग लिरेन को हराकर वर्ल्ड चैंपियन का खिताब जीता था। वह 18 साल की उम्र में वर्ल्ड चैंपियन बनने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। जेनेवा में वह पहली बार अपने खिताब का बचाव करेंगे।

सिंदारोव ने 2026 फेड कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर चुनौती पेश की है। इससे पहले वह 2025 फेड वर्ल्ड कप भी जीत चुके हैं। वह वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई करने वाले उज्बेकिस्तान के पहले खिलाड़ी हैं।

मुकाबले में अधिकतम 14 क्लासिकल गेम खेले जाएंगे। जो खिलाड़ी पहले 7.5 अंक हासिल करेगा, वह मैच और खिताब जीत जाएगा। जीत पर एक अंक और ड्रॉ पर आधा अंक मिलेगा।

पहली 40 चालों के लिए हर खिलाड़ी को 120 मिनट मिलेंगे।

2026 वर्ल्ड चेस चैंप्पियनशिप का शेड्यूल

डेट	कार्यक्रम
22 नवंबर	मीडिया डे और ओपनिंग सेरेमनी
23 नवंबर	मीडिया डे और टेक्निकल मीटिंग
24 नवंबर	पहला राउंड
25 नवंबर	दूसरा राउंड
26 नवंबर	तीसरा राउंड
27 नवंबर	फ्री डे
28 नवंबर	चौथा राउंड
29 नवंबर	पांचवां राउंड
30 नवंबर	छठा राउंड
1 दिसंबर	फ्री डे
2 दिसंबर	सातवां राउंड
3 दिसंबर	आठवां राउंड
4 दिसंबर	नौवां राउंड
5 दिसंबर	फ्री डे
6 दिसंबर	दसवां राउंड
7 दिसंबर	11तां राउंड
8 दिसंबर	12वां राउंड
9 दिसंबर	फ्री डे
10 दिसंबर	13वां राउंड
11 दिसंबर	14वां राउंड
12 दिसंबर	जरूरत पड़ने पर टाईब्रेक और क्लोजिंग सेरेम

इसके बाद 30 मिनट अतिरिक्त दिए जाएंगे। 41वीं चाल से हर चाल पर 30 सेकंड का इंक्रीमेंट मिलेगा। ब्लैक की 40वीं चाल पूरी होने से पहले खिलाड़ी ड्रॉ का प्रस्ताव नहीं दे सकेंगे।

अगर 14 गेम के बाद स्कोर 7-7 रहा, तो 12 दिसंबर को टाई-ब्रेक से विजेता तय होगा। इसकी शुरुआत 15 मिनट के चार गेम से होगी। जरूरत पड़ने पर 10 मिनट और फिर तीन मिनट के छोटे गेम खेले जाएंगे।

चैंपियनशिप का कुल प्राइज फंड 25 लाख डॉलर है। हर जीत पर खिलाड़ी को 2 लाख डॉलर मिलेंगे। बची हुई राशि दोनों खिलाड़ियों में बराबर बांटी जाएगी।

अगर मैच 7.5-6.5 या 8-6 के स्कोर से खत्म होता है, तो विजेता को 13 लाख डॉलर और उपविजेता को 12 लाख डॉलर मिलेंगे। टाई-ब्रेक से फैसला होने पर भी यही बंटवारा रहेगा।

सात पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तानों की अपील

इमरान खान जेल में मर जाएंगे

विदेश मंत्री से दखल देने को कहा

मेलबोर्न, 15 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर सात पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तानों ने चिंता जताई है। उन्होंने मंगलवार को ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वॉन्ग से दखल देने की अपील की।

इमरान खान फिलहाल रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। कप्तानों ने जेल में उनकी हालत बिगड़ने की आशंका जताई है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ग्रेग चैपल ने कहा, हमें चिंता है कि वह जेल में मर जाएंगे। उन्होंने पेनी वॉन्ग से इस मामले पर मुलाकात का अनुरोध भी किया है। ग्रेग चैपल के साथ एलन बॉर्डर, इयान चैपल, बेलिंडा क्लार्क, किम ह्यूज, मार्क टेलर और स्टीव वॉ ने पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। ग्रेग चैपल ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 87 टेस्ट खेले हैं। वे भारतीय मेंस टीम के कोच भी रह चुके हैं। पत्र में कप्तानों ने लिखा, ग्रेग चैपल ने 2022 में इस्लामाबाद में इमरान खान से आखिरी बार मुलाकात की थी। उस समय खान प्रधानमंत्री थे और उनके अनुसार पूरी तरह स्वस्थ और फिट थे।

उन्होंने कहा, उस तस्वीर को उनकी हिरासत से आ रही मौजूदा खबरों से जोड़ना मुश्किल है। इसलिए हम आज आपको लिख रहे हैं। हम राजनयिक या राजनीतिक लोग नहीं हैं, लेकिन हमें लगा कि अपनी आवाज उठानी चाहिए।" 73 साल के इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उन्हें सबसे पहले तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उन पर सिफर, अल-कादिर ट्रस्ट और इद्दत निकाह समेत कई मामले दर्ज हुए। बाद में सिफर और इद्दत निकाह मामलों में उन्हें अदालत से राहत मिल गई। तोशाखाना मामले में भी उनकी एक सजा रोक दी गई। इसके बावजूद दूसरे मामलों के चलते वह अभी जेल में हैं। इमरान खान और उनकी पार्टी पीटीआई का कहना है कि 2022 में प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद उनके खिलाफ मामले राजनीतिक वजहों से दर्ज किए गए।

वरुण चक्रवर्ती चोटिल, अफगानिस्तान टी-20 सीरीज से बाहर

एशियन गेम्स में भी खेलना मुश्किल; सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पर फिर सवाल उठा

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय स्पिनर चोट की वजह से अफगानिस्तान टी-20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। उन्हें साइड स्ट्रेन हुआ है। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि वरुण की एमआरआई में नई चोट सामने आई है। उनके एशियन गेम्स में खेलने की संभावना भी कम है।

वरुण ने सीरीज का पहला टी-20 मैच खेला था। भारत ने यह मुकाबला 7 विकेट से जीता। वरुण ने 4 ओवर में 16 रन देकर 1 विकेट लिए थे। उनके रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया गया है।

वरुण चोट से उबर कर इस सीरीज में वापसी कर रहे थे। उनकी दोबारा चोटिल होने पर बीसीसीआई के बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पर फिर सवाल उठ रहे हैं।

वरुण करीब दो महीने तक इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर रहे थे। उन्हें इससे पहले जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी-20 मैच खेलने के दौरान बाएं हैमस्ट्रिंग में परेशानी हुई थी। इसके बाद स्कैन में ग्रेड-2 हैमस्ट्रिंग इंजरी सामने आई थी।

इस चोट के कारण वह जिम्बाब्वे टी-20 सीरीज से बाहर हो गए थे। तब बीसीसीआई ने बताया था कि वरुण आगे के इलाज और मैनेजमेंट के लिए सीओई जाएंगे। रिहैबिलिटेशन पूरा करने के बाद उन्होंने अफगानिस्तान सीरीज में वापसी की थी।

वरुण से पहले हर्षित राणा भी सीओई में रिहैबिलिटेशन के दौरान फिर चोटिल हो गए थे। राणा अफगानिस्तान सीरीज और एशियन गेम्स, दोनों से बाहर हो चुके हैं।

पहले बीसीसीआई ने कहा था कि राणा रिहैबिलिटेशन में अच्छी प्रगति कर रहे थे। इसके बाद 7 सितंबर को मैच सिमुलेशन के दौरान बॉलिंग करते समय उन्हें रेक्टस फेमोरिस स्ट्रेन हो गया। उनकी जगह यश ठाकुर को अफगानिस्तान सीरीज और एशियन गेम्स में शामिल किया गया था।

हाल के समय में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पर इंजरी मैनेजमेंट को लेकर सवाल उठे हैं। हालांकि इस पर पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण ने सीओई को दोषी मानने से इनकार किया था। उन्होंने कहा- 'क्रिकेटर मशीन नहीं है। ऐसा नहीं है कि हर बार वे जल्दी चोट से उबर जाएंगे।'

लक्ष्मण ने कहा कि फिटनेस के नियम कड़े हैं। साथ ही सभी खिलाड़ियों के शरीर का नेचर भी अलग है। इस वजह से कोई खिलाड़ी तय समयसीमा में पूरी तरह फिट नहीं हो पाता। उन्होंने कहा था- 'चोट का पता होने से लेकर खिलाड़ी के फिट होकर जाने तक उसकी मॉनिटरिंग होती है। इसी के आधार पर उसका वर्कलोड बढ़ाया जाता है।'

लक्ष्मण ने अपनी बात समझाने के लिए जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा था कि सिलेक्टर्स सीओई से खिलाड़ी की फिटनेस की रिपोर्ट मांगता है। सीओई यह रिपोर्ट सिलेक्शन कमिटी के प्रेसिडेंट को भेजता है। इसकी कॉपी दोनों टीमों के हेड कोच और बीसीसीआई को भी दी जाती है।

लक्ष्मण ने कहा- 'बुमराह और सुदर्शन के नाम के आगे हमेशा एक स्टार चिन्ह लगा होता है। इसका मतलब है- फिट रहने पर खेलेंगे। अगर खिलाड़ी की प्रोग्रेस धीमी होती है, तो सिलेक्शन कमिटी प्रेसिडेंट और हेड कोच को इन्फोर्मेशन दी जाती है।

दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2027 की तैयारी शुरू की

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2027 की तैयारी शुरू कर दी है। फ्रेंचाइजी ने दिल्ली के एयरोसिटी में शॉर्ट कैंप और ट्रायल्स आयोजित किए। इसमें घरेलू खिलाड़ियों को मैच जैसे हालात में प्रदर्शन का मौका दिया गया। कैंप में युवराज सिंह और अमित मिश्रा ने खिलाड़ियों को ट्रेनिंग दी। श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चामिंडा वास भी कैंप में शामिल हुए। उन्हें टीम का नया फास्ट-बॉलिंग कोच बनाए जाने की संभावना है। हालांकि, फ्रेंचाइजी ने अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की है। दिल्ली कैपिटल्स के कोचिंग सेटअप में बड़े बदलाव की तैयारी है। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को हेड कोच की जिम्मेदारी मिलने की चर्चा है। युवराज सिंह को बैटिंग कोच बनाया जा सकता है। अमित मिश्रा स्पिन विभाग संभाल सकते हैं। वास और मिश्रा पहले ही दिल्ली में एकेडमी के खिलाड़ियों के साथ काम कर रहे हैं। वास के पास श्रीलंका की टीम और अलग-अलग फ्रेंचाइजी के साथ कोचिंग का अनुभव है। अमित मिश्रा पहली बार आईपीएल में कोचिंग भूमिका में नजर आएंगे।

वेस्टइंडीज से वनडे सीरीज में राहुल हो सकते हैं उपकप्तान

पंत और सिराज की वापसी संभव; हार्दिक की फिटनेस पर नजर

मुंबई, 15 सितंबर (एजेंसियां)। एशियन गेम्स 2026 के दौरान भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की ओडीआई सीरीज खेली जाएगी। सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन 16 सितंबर को होने की उम्मीद है। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति टीम चुनेगी।

शुभमन गिल टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि केएल राहुल को उपकप्तान बनाए जाने की संभावना है। विकेटकीपर के तौर पर ऋषभ पंत के साथ ध्रुव जुरेल में से किसी एक को टीम में जगह मिल सकती है। वहीं, हार्दिक पंड्या की फिटनेस पर सभी की नजर होगी। सीरीज का पहला मैच 27 सितंबर को तिरुवनंतपुरम में होगा।

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, रेगुलर वनडे उपकप्तान श्रेयस अय्यर एशियन गेम्स के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में उपलब्ध नहीं होंगे। श्रेयस जापान में भारतीय टी-20 टीम की अगुवाई करेंगे। ऐसे में केएल राहुल उपकप्तानी के ऑप्शन होंगे।

राहुल के पास ओडीआई क्रिकेट का अनुभव है। वे बल्लेबाजी के साथ विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी संभाल सकते हैं।

विकेटकीपर के लिए सिलेक्टर्स के सामने चुनौती होगी। ईशान किशन भी एशियन गेम्स के भारतीय स्क्वॉड में होंगे।

इस वजह से वेस्टइंडीज के खिलाफ राहुल के बाद दूसरे विकेटकीपर का विकल्प चुनना होगा। इसके लिए ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल के नाम पर विचार किया जा रहा है।

बीसीसीआई से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि दोनों में से एक का चयन किया जाना है। कप्तान शुभमन गिल और मुख्य कोच की राय भी इस फैसले में अहम होगी।

अगर ऋषभ पंत को वनडे टीम में जगह नहीं मिलती है, तो वह ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की कप्तानी कर सकते हैं। पंत के चुने जाने पर जुरेल को रेस्ट ऑफ इंडिया की कमान मिलने की संभावना है। जुरेल हाल ही में श्रीलंका दौरे पर इंडिया-ए की कप्तानी कर चुके हैं।

पेस अटैक को लेकर चयनकर्ताओं के सामने स्थिति काफी स्पष्ट है। मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार और प्रिंस यादव फिट हैं।

इन सभी को चयन के लिए उपलब्ध बताया जा रहा है। ऐसे में सिराज की वनडे टीम में वापसी तय मानी जा रही है।

16 सितंबर की सिलेक्शन मीटिंग अजीत अगरकर के मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट के दौरान उनकी आखिरी बैठक हो सकती है। उनका निर्धारित कार्यकाल 4 अक्टूबर को समाप्त हो रहा है।

भारतीय गेंदबाज क्रांति गौड़ पर जुर्माना

विमेंस एशिया कप फाइनल में श्रीलंकाई खिलाड़ी को पवेलियन जाने की ओर इशारा किया था

दुबई, 15 सितंबर (एजेंसियां)। विमेंस एशिया कप फाइनल के बाद भारतीय महिला टीम की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ पर आईसीसी ने जुर्माना लगाया है। उन्होंने मुकाबले में श्रीलंकाई बल्लेबाज इमेशा दुलानी को आउट करने के बाद पवेलियन जाने की ओर इशारा किया था। क्रांति पर मैच फीस का 10% जुर्माना लगाया गया है। साथ ही उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया है। दूसरी ओर पाकिस्तान टीम पर भी सेमीफाइनल मैच में स्लो ओवर रेट के लिए मैच फीस का 5% जुर्माना लगाया गया है।

घटना श्रीलंकाई की पारी के पहले ओवर में हुई। इमेशा को क्रांति ने बोल्ड किया। इसके बाद उन्होंने पवेलियन की ओर जाने का इशारा किया। उन्हें आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के तहत दोषी पाया गया।

लेवल 1 के उल्लंघन पर आधिकारिक चेतावनी से लेकर खिलाड़ी की मैच फीस के 50% तक जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके साथ एक या दो डिमेरिट पॉइंट भी दिए जा सकते हैं।

यह 24 महीने की अवधि में गौड़ का पहला अपराध है। उन्होंने अपनी गलती मान ली है और मैच रेफरी सुप्रिया दास की प्रस्तावित सजा स्वीकार कर ली।

श्रीलंका के खिलाफ सेमीफाइनल में धीमी ओवर गति के लिए पाकिस्तान पर जुर्माना लगा। मैच रेफरी जीएस लक्ष्मी ने यह सजा दी। समय की छूट को ध्यान में रखने के बाद भी पाकिस्तान को तय समय में एक ओवर कम कराने का दोषी पाया गया। आईसीसी आचार संहिता के नियम 2.22 के अनुसार, तय समय में टीम जितने ओवर कम कराती है, हर ओवर के लिए खिलाड़ियों की मैच फीस का 5% जुर्माना लगाया जाता है।

बाबर सात साल बाद डोमेस्टिक फर्स्ट क्लास क्रिकेट में लौटेंगे

प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी में खेलेंगे, पाकिस्तान बोर्ड से खुद किया था रिक्वेस्ट

कराची, 15 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान बाबर आजम सात साल बाद डोमेस्टिक फर्स्ट क्लास क्रिकेट में लौटेंगे। वह जारी प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी ग्रेड-1 टूर्नामेंट में ऑयल एंड गैस डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के लिए खेलेंगे।

बाबर को ओजीडीसीएल ने गेस्ट प्लेयर के तौर पर टीम में शामिल किया है। उन्होंने लंबे फॉर्मेट की लय बनाए रखने के लिए पीसीबी से टीम में शामिल करने का अनुरोध किया था।

बाबर ने दिसंबर 2022 के बाद टेस्ट क्रिकेट में शतक नहीं लगाया है। उनका टेस्ट औसत 2023 से 30.43 रहा है।

उन्होंने इस दौरान 39 पारियों में सिर्फ आठ अर्धशतक लगाए हैं। इनमें से चार अर्धशतक उनके पिछले पांच टेस्ट में आए हैं। इस दौरान उनका बेस्ट स्कोर 88 रन है, जो उन्होंने पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में बनाया था।

खराब फॉर्म के बावजूद बाबर आजम घरेलू फर्स्ट क्लास क्रिकेट से दूर रहे। पिछले सप्ताह पीसीबी ने इस सीजन की प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी और प्रेसिडेंट्स कप के लिए टीमों का ऐलान किया था। बाबर को किसी भी टीम में जगह नहीं मिली।

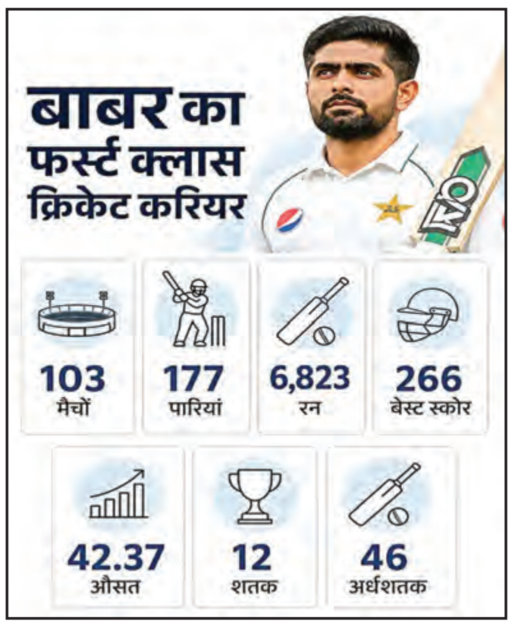

बाबर ने आखिरी बार 2019 में घरेलू फर्स्ट क्लास मैच खेला था। तब वह अब बंद हो चुकी सेंट्रल पंजाब टीम के कप्तान थे।

सेंट्रल पंजाब ने फाइनल में नॉर्दर्न को हराकर कायदे-आजम ट्रॉफी जीती थी। उस सीजन बाबर का यह सिर्फ दूसरा घरेलू फर्स्ट क्लास मैच था।

2015 के बाद 2019 उनका पहला और इकलौता सीजन था, जब उन्होंने एक से ज्यादा घरेलू फर्स्ट क्लास मैच खेले।

बाबर का घरेलू फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेलने का फैसला इस सीजन प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी में कई इंटरनेशनल क्रिकेटरों के खेलने के बाद आया है। इनमें शाहीन शाह अफरीदी और सलमान आगा के नाम शामिल हैं।

पाकिस्तान के टेस्ट क्रिकेट और आईसीसी टूर्नामेंट में हाल के खराब प्रदर्शन के बाद रेगुलर खिलाड़ियों के घरेलू फर्स्ट क्लास टूर्नामेंट खेलने की मांग उठती रही है।

रोनाल्डो की टीम ने रचा इतिहास? लगातार 94 मैच में गोल कर बनाया विश्व रिकॉर्ड

खेल डेस्क, 15 सितंबर (एजेंसियां)। क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम अल नस्र ने फुटबॉल की दुनिया में ऐसा रिकॉर्ड बना दिया है, जिसे तोड़ना अब किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा। सऊदी प्रो लीग में अल खलीज के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ के दौरान गोल करते ही अल नस्र ने लगातार 94 मैचों में कम से कम एक गोल करने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इस तरह टीम ने अर्जेंटीना के दिग्गज क्लब रिवर प्लेट का 93 मैचों का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो 1936 से 1939 के बीच बना था।

अल नस्र का यह ऐतिहासिक सिलसिला दिसंबर 2023 में शुरू हुआ था। तब टीम को अल हिलाल के खिलाफ 0-3 से हार मिली थी। इसके अगले ही मुकाबले में अल नस्र ने अल रियाद को 4-1 से हराया और फिर टीम ने लगातार गोल करने का सिलसिला शुरू कर दिया।

अल खलीज के खिलाफ शनिवार को 72वें मिनट में अब्दुल्लाह अल-हमदान ने बराबरी का गोल दागकर इस रिकॉर्ड पर मुहर लगा दी। 27 वर्षीय हमलावर का यह गोल अल नस्र के लिए सिर्फ एक अंक बचाने वाला गोल नहीं था, बल्कि क्लब फुटबॉल के इतिहास में टीम को नई ऊंचाई देने वाला गोल भी बन गया।

इस पूरे 94 मैचों के सिलसिले के दौरान रोनाल्डो अल नस्र के कप्तान रहे हैं। पुर्तगाली स्टार ने 2023 में क्लब का दामन थामा था और तब से सऊदी प्रो लीग में 113 मैच खेल चुके हैं। इन मुकाबलों में उनके नाम 105 गोल हैं। हालांकि, रिकॉर्ड बनने के बावजूद अल नस्र अल खलीज के खिलाफ जीत दर्ज नहीं कर सका। ड्रॉ के बाद टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गई। वह अल हिलाल से दो और अल इत्तिहाद से एक अंक पीछे है।

चीफ कोच के बाद सिलेक्टर हटाने की तैयारी में पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 15 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-3 से क्लीन स्वीप झेलने के बाद बड़े बदलाव में जुट गया है। बोर्ड 7 खिलाड़ी और चीफ कोच सरफराज अहमद को सीरीज के बीच में ही हटा चुका है। अब सीनियर सिलेक्टर आकिब जावेद भी हटाए जा सकते हैं।

पीटीआई सूत्रों के मुताबिक बोर्ड अध्यक्ष मोहसिन नकवी बदलावों को लेकर अपने सहयोगियों और पीसीबी गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों के साथ बैठक करेंगे। बैठक के बाद चयन समिति और कोचिंग स्टाफ में बदलाव पर अंतिम फैसला लिया जाएगा।

विमेंस टीम के मेंटॉर वहाब रियाज को भी कोचिंग स्टाफ से हटाया जा सकता है। वहाब पर फैसला जापान में होने वाले एशियन गेम्स के बाद लिया जा सकता है।

पाकिस्तान क्रिकेट में पिछले दो साल में टीम चयन, कप्तानी और कोचिंग स्टाफ में हुए बदलाव में सीनियर सिलेक्टर आकिब जावेद की भूमिका रही। इंग्लैंड दौरे पर सीरीज के बीच में भी उनके इशारे पर बदलाव हुए। इन सबसे आकिब पर सवाल उठने लगे हैं। टीम के खराब प्रदर्शन के बाद बोर्ड किसी और को यह जिम्मेदारी सौंप सकता है।

सरफराज अहमद को हटाए जाने के बाद न्यूजीलैंड के माइक हेसन पाकिस्तानी टेस्ट टीम का कोच बनने की रेस में आगे चल रहे हैं। वे अभी वनडे और टी-20 टीम के कोच हैं। हालांकि, वे रेड-बॉल क्रिकेट में सुधार के लिए पर्याप्त समय चाहते हैं। उन्होंने अपने फैसलों में बाहरी दखल नहीं होने की शर्त रखी है, जिसे मानना बोर्ड के लिए आसान नहीं होगा।

सूत्रों के अनुसार, पीसीबी वहाब रियाज और मौजूदा कोचिंग स्टाफ की जगह कुछ विदेशी कोच से भी बातचीत कर रहा है।

सीएम का तेलंगाना ग्लोबल समिट में प्रिंस रहीम आगा खान को आमंत्रण

सिटी कॉलेज और उस्मानिया अस्पताल के संरक्षण में सहयोग मांगा

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को ताज फलकनुमा पैलेस में प्रिंस रहीम आगा खान पंचम से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने उन्हें 7 दिसंबर से भारत फ्यूचर सिटी में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय 'तेलंगाना ग्लोबल समिट-2026' में शामिल होने का निमंत्रण दिया। उन्होंने तेलंगाना में शिक्षा, पर्यटन और स्वास्थ्य के क्षेत्र में आगा खान फाउंडेशन के साथ सहयोग बढ़ाने की इच्छा जताई। मुख्यमंत्री ने प्रिंस रहीम आगा खान पंचम के पिता स्वर्गीय आगा खान चतुर्थ के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए हैदराबाद से आगा खान परिवार के लंबे ऐतिहासिक संबंधों को याद किया। उन्होंने तेलंगाना में आगा खान फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की और कहा कि फाउंडेशन राज्य की ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।रेवंत रेड्डी ने फाउंडेशन के सहयोग से पुनर्स्थापित किए गए विधान परिषद भवन और कुतुबशाही मकबरों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सरकार मूसी नदी के व्यापक पुनर्जीवन की योजना पर काम कर रही है। अतिक्रमण और प्रदूषण से प्रभावित मूसी नदी के पुनरुद्धार के साथ उसके किनारे रात्रिकालीन अर्थव्यवस्था विकसित करने की भी योजना है। मुख्यमंत्री ने मूसी नदी क्षेत्र में स्थित ऐतिहासिक सिटी कॉलेज और उस्मानिया अस्पताल भवन के संरक्षण एवं पुनरुद्धार में आगा खान फाउंडेशन से सहयोग का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि गोशामहल में नए उस्मानिया अस्पताल भवन का निर्माण किया जा रहा है, जबकि मौजूदा भवन को ऐतिहासिक धरोहर के रूप में संरक्षित और विकसित किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने प्रिंस रहीम आगा खान को 30 हजार एकड़ में विकसित की जा रही भारत फ्यूचर सिटी की योजना की भी जानकारी दी। प्रिंस रहीम ने परियोजना में विशेष रुचि दिखाते हुए इसके स्थान के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बताया कि फ्यूचर सिटी शमशाबाद हवाईअड्डे के निकट विकसित की जा रही है और इसका मास्टर प्लान सिंगापुर की एक कंपनी तैयार कर रही है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि फ्यूचर सिटी को नेट-जीरो सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके करीब 15 हजार एकड़ क्षेत्र में हरित क्षेत्र विकसित करने की योजना है। उन्होंने बताया कि अमेजन जैसी प्रमुख कंपनियां फ्यूचर सिटी में अपना संचालन शुरू कर चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने तेलंगाना को वर्ष 2047 तक तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के सरकार के लक्ष्य की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश के सकल घरेलू उत्पाद में तेलंगाना की हिस्सेदारी करीब 2.5 प्रतिशत है, जिसे बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इसी उद्देश्य से 7 दिसंबर से फ्यूचर सिटी में तीन दिवसीय तेलंगाना ग्लोबल समिट आयोजित किया जा रहा है। इसमें 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। सम्मेलन के माध्यम से तेलंगाना में निवेश और कारोबार के अवसरों को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत किया जाएगा। बैठक में शिक्षा और पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री के सलाहकार रामकृष्ण राव ने ब्रिटेन और अमेरिका की यात्राओं के दौरान विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों के साथ हुए समझौतों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हार्वर्ड विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ बिजनेस सहित कई प्रतिष्ठित संस्थानों ने हैदराबाद में गतिविधियां शुरू करने पर सहमति जताई है।राज्य शिक्षा विभाग की प्रधान सचिव योगिता राणा ने फ्यूचर सिटी में आगा खान विश्वविद्यालय का परिसर स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। विशेष मुख्य सचिव वाणी प्रसाद ने पर्यटन क्षेत्र में आगा खान फाउंडेशन के योगदान की सराहना करते हुए भविष्य में सहयोग बढ़ाने का आग्रह किया। बैठक में मंत्री अजहरुद्दीन, मुख्य सचिव संजय जाजू, मुख्यमंत्री के सलाहकार रामकृष्ण राव, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी तथा आगा खान फाउंडेशन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विजयवाड़ा में बीआरएस के 7 नेताओं को गिरफ्तार किया

केसीआर के फार्महाउस के 'शुद्धिकरण' मामले में हुआ एक्शन

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने सिद्दिपेट जिले के एर्रावल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के फार्महाउस को 'शुद्ध' करने के नाम पर हल्दी का पानी छिड़कने की घटना के सिलसिले में वरदराजुरु के एक पूर्व सरपंच और छह अन्य बीआरएस नेताओं सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया है। संदिग्धों को विजयवाड़ा के एक लॉज से गिरफ्तार किया गया। रिपोर्टों के अनुसार, छह नेताओं ने अपने मोबाइल फोन बंद रखे थे, लेकिन उनमें से एक के फोन चालू करने के बाद पुलिस उनकी लोकेशन ट्रैक करने में सफल रही। खबरों के मुताबिक, ये गिरफ्तारियां सोमवार को हुईं, जिसके बाद आरोपियों को गजवेल लाया गया।

मजिस्ट्रेट के सामने पेश किए जाने पर, सभी सातों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया और बाद में उन्हें सिद्दिपेट उप-जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। कांग्रेस नेताओं द्वारा दायर शिकायत के बाद मामला दर्ज किया गया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि इस कृत्य से दलित समुदाय का अपमान हुआ है। चल रही जांच के तहत फोरेंसिक टीमों ने फार्महाउस परिसर से सबूत एकत्र कर लिए हैं।

17 सितंबर को हैदराबाद आएंगे उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन

मुख्य सचिव संजय जाजू ने अधिकारियों के साथ तैयारी बैठक की

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन के 17 सितंबर को हैदराबाद दौरे को लेकर राज्य सरकार ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। राज्य के मुख्य सचिव संजय जाजू ने मंगलवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में संबंधित विभागों के सचिवों और पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर तैयारियों का जायजा लिया। मुख्य सचिव संजय जाजू ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से आयोजित तेलंगाना मुक्ति दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन हैदराबाद पहुंचेंगे। वह 17 सितंबर की सुबह करीब 8:30 बजे हैदराबाद पहुंचेंगे और सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के लिए संबंधित विभागों की ओर से व्यापक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। सुरक्षा, यातायात, चिकित्सा और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। समीक्षा बैठक में जीएडी के विशेष मुख्य सचिव अहमद नदीम, सड़क एवं भवन विभाग के विशेष मुख्य सचिव विकास राज, डीजीपी सी.वी. आनंद, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव क्रिस्टीना चोंग्थू, हैदराबाद और मल्काजगिरी के पुलिस आयुक्त सज्जनार और सुमति, सूचना विभाग के विशेष आयुक्त मुकुंद रेड्डी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

तेलंगाना पुलिस के निशानेबाजों का शानदार प्रदर्शन, 15 पदक जीते

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस के निशानेबाजों ने तेलंगाना स्टेट और साउथ जोन शूटिंग चैंपियनशिप-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 15 पदक हासिल किए। इनमें 6 स्वर्ण, 4 रजत और 5 कांस्य पदक शामिल हैं। मंगलवार को डीजीपी सी.वी. आनंद ने पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने निशानेबाजों के अनुशासन, एकाग्रता और सटीक निशाने की सराहना करते हुए आगामी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए गच्चीबोवली स्थित शूटिंग रेंज में आयोजित XII तेलंगाना स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में तेलकामनाएं दीं। 20 से 28 जून तक गच्चीबोवली स्थित शूटिंग रेंज में आयोजित XII तेलंगाना स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में तेलंगाना पुलिस के खिलाड़ियों ने 4 स्वर्ण, 3 रजत और 4 कांस्य समेत 11 पदक जीते। 13वीं बटालियन टीजीएसपी के जी. निरंजन रेड्डी ने 50 मीटर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल में रजत पदक भी हासिल किया। डीजी टीएस सेवा के इंस्पेक्टर ए. प्रसन्न कुमार ने मास्टर वर्ग की 50 मीटर पिस्टल में स्वर्ण तथा 25 मीटर सेंटर-फायर पिस्टल में कांस्य पदक जीता।

फ्यूचर के इंस्पेक्टर बी. जेम्स बाबू ने एक रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किया। वहीं वारंगल कमिश्नरेट की महिला एएसआई वी. सुवर्णा ने मास्टर महिला वर्ग की 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। सीएसडब्लू हैदराबाद के CI बी. शंकर ने मास्टर वर्ग की 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल में स्वर्ण पदक हासिल किया। 3वीं बटालियन टीजीएसपी के पी. श्रीनिवास एचसी और कौटाला पुलिस स्टेशन की महिला पीसी बी. श्रावणी ने भी पदक जीतकर पुलिस विभाग का गौरव बढ़ाया। 31 अगस्त से 8 सितंबर तक तिरुवनंतपुरम में आयोजित 17वीं साउथ जोन शूटिंग चैंपियनशिप में तेलंगाना पुलिस के निशानेबाजों ने 2 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य समेत चार पदक जीते। निरंजन रेड्डी ने 50 मीटर फ्री पिस्टल और 25 मीटर सेंटर-फायर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता, जबकि 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल में रजत पदक हासिल किया। इंस्पेक्टर बी. जेम्स बाबू ने मास्टर वर्ग की 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल में कांस्य पदक जीता। इस अवसर पर आईजी गजराज भूपाल, स्पोर्ट्स डीएसपी रामाराव और अन्य पुलिस अधिकारियों ने निशानेबाजों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बधाई दी और भविष्य की प्रतियोगिताओं में सफलता की शुभकामनाएं दीं।

तेलंगाना में सबसे ज़्यादा खुदरा महंगाई दर दर्ज

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अगस्त में तेलंगाना में दक्षिण के प्रमुख राज्यों में सबसे ज़्यादा और देश में सबसे ज़्यादा महंगाई दरों में से एक खुदरा महंगाई दर दर्ज की गई। यहाँ कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) महंगाई दर 6.27 प्रतिशत रही। तेलंगाना की महंगाई दर राष्ट्रीय औसत 4.82 प्रतिशत से 1.45 प्रतिशत अंक ज़्यादा थी।

नेशनल स्टैटिस्टिक्स ऑफिस द्वारा जारी नवीनतम अनंतिम सीपीआईआंकड़ों के अनुसार, तेलंगाना में ग्रामीण महंगाई दर 6.79 प्रतिशत थी, जो राष्ट्रीय स्तर पर 5.23 प्रतिशत की तुलना में काफी ज़्यादा है। इसी तरह, शहरी महंगाई दर 5.88 प्रतिशत रही, जबकि राष्ट्रीय औसत 4.31 प्रतिशत था। आंकड़ों से पता चलता है कि राज्य के ग्रामीण इलाकों में कीमतों का दबाव ज़्यादा था।

50 लाख से ज़्यादा आबादी वाले राज्यों में, तेलंगाना की 6.27 प्रतिशत हेडलाइन महंगाई दर ने इसे कई प्रमुख राज्यों से आगे रखा, जिनमें तमिलनाडु (5.92 प्रतिशत), मध्य प्रदेश (5.55 प्रतिशत), आंध्र प्रदेश (5.53 प्रतिशत), ओडिशा (5.52 प्रतिशत), राजस्थान (5.24 प्रतिशत) और कर्नाटक (5.23 प्रतिशत) शामिल हैं।

करीमनगर में युवा डॉक्टर ने आत्महत्या की

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रामीण करीमनगर के एक प्राइमरी हेल्थकेयर सेंटर में काम करने वाले युवा डॉक्टर और पब्लिक हेल्थ कमेंटेटर, डॉ. गौतम पसुला ने सोमवार को आत्महत्या कर ली।

परिवार वालों और साथियों के अनुसार, डॉ. गौतम लगातार दो साल तक पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एंट्रेंस परीक्षा पास न कर पाने के कारण परेशान थे, और माना जाता है कि इसी वजह से उन्होंने यह कठोर कदम उठाया।

डॉ. गौतम, जो करीमनगर में हेल्थकेयर रिफॉर्म्स डॉक्टर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष भी थे, किसानों में जानलेवा ज़हर के असर को रोकने और पब्लिक हेल्थ की सुरक्षा के लिए पैराक्वाट डाइक्लोराइड (एक ज़हरीला खरपतवार नाशक) पर प्रतिबंध लगाने के ज़ोरदार समर्थक थे। वरिष्ठ पदाधिकारियों ने डॉ. गौतम पसुला के दुखद और असामयिक निधन पर शोक और संवेदना व्यक्त की।

एचआरडीए ने कहा, पीएचसी में कॉन्ट्रैक्ट पर मेडिकल ऑफिसर के तौर पर काम करते हुए, वे पब्लिक हेल्थकेयर के प्रति पूरी तरह समर्पित रहे और हेल्थकेयर में सुधार, डॉक्टरों के अधिकारों और मेडिकल बिरादरी की गरिमा व कल्याण के लिए लगातार आवाज़ उठाते रहे।

चार विधानसभा क्षेत्रों में इंदिरम्मा इंदलु टावर्स के आवेदन की समयसीमा बढ़ी

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार की इंदिरम्मा इंदलु टावर्स योजना के तहत चार विधानसभा क्षेत्रों में आवास के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 सितंबर 2026 कर दी गई है। चांद्रायनगुट्टा, एलबी नगर, मुशीराबाद और गोशामहल विधानसभा क्षेत्रों में बनने वाले टावर्स में मकानों के लिए अब पात्र लोग निर्धारित समय तक आवेदन कर सकेंगे। तेलंगाना हाउसिंग बोर्ड के वाइस चेयरमैन एवं हाउसिंग कमिश्नर वी.पी. गौतम, आईएएस ने बताया कि दूसरे शनिवार, रविवार, त्योहारों और लगातार छुट्टियों के कारण आवेदन की समयसीमा बढ़ाने के लिए विभिन्न वर्गों से अनुरोध प्राप्त हुए थे। इन अनुरोधों पर विचार करने के बाद आवेदन स्वीकार करने की अवधि 20 सितंबर तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इंदिरम्मा इंदलु टावर्स योजना के तहत पहले 16 विधानसभा क्षेत्रों से आवेदन प्राप्त कर लॉटरी के माध्यम से मकानों के आवंटन की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। अब चांद्रायनगुट्टा, एलबी नगर, मुशीराबाद और गोशामहल क्षेत्रों में प्रस्तावित टावर्स के मकानों के लिए आवेदन लिए जा रहे हैं। गौतम ने संबंधित चार विधानसभा क्षेत्रों के लोगों से इस अतिरिक्त अवसर का लाभ उठाते हुए 20 सितंबर तक आवेदन जमा करने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना की पात्रता शर्तों और अन्य नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। योजना से जुड़ी अधिक जानकारी के लिए तेलंगाना हाउसिंग बोर्ड की वेबसाइट पर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

अंतरराज्यीय गांजा तस्कर गिरफ्तार, 8 किलोग्राम प्रतिबंधित सामग्री जब्त

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद कमिश्नर टास्क फोर्स, शमशाबाद जोन ने आरजीआईए पुलिस के साथ मिलकर एक अंतरराज्यीय गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया और उससे 8 किलोग्राम गांजा और एक मोबाइल फोन जब्त किया, जिनकी कुल कीमत लगभग 4 लाख रुपये है। आरोपी की पहचान राज प्रधान उर्फ गौरा (22) के रूप में हुई है, जो ओडिशा के गंजन जिले के बेरहामपुर के बर्तिनी गांव का रहने वाला किसान है। पुलिस ने बताया कि राम ब्राडा उर्फ बोलाराम उर्फ राम नामक एक अन्य व्यक्ति, जिसने कथित तौर पर गांजा की आपूर्ति की थी, फरार है। पुलिस के अनुसार, प्रधान ओडिशा में फरार आरोपी के संपर्क में आया और कथित तौर पर उससे 2 किलो का गांजा लगभग 8,000 रुपये में खरीदा। इसके बाद उसने इस प्रतिबंधित माल को हैदराबाद ले जाकर ग्राहकों को 30,000 से 40,000 रुपये प्रति पैकेट की दर से बेचने का इरादा किया। विश्वसनीय सूचना के आधार पर शमशाबाद जोन टास्क फोर्स की टीम ने प्रधान को गिरफ्तार किया और उसके पास से गांजा बरामद किया। बाद में उसे आगे की जांच के लिए आरजीआईए पुलिस को सौंप दिया गया। आरजीआईए पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने युवाओं और छात्रों से नशीले पदार्थों से दूर रहने की अपील की और अभिभावकों से अपने बच्चों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने का आग्रह किया। जनता से यह भी अनुरोध किया गया कि वे नशीले पदार्थों से संबंधित गतिविधियों की जानकारी पुलिस के साथ साझा करें ताकि हैदराबाद को नशामुक्त शहर बनाने में मदद मिल सके। यह अभियान शमशाबाद जोन के पुलिस निरीक्षक डी. कृष्णा मोहा की देखरेख में, उप निरीक्षक एस. सेशु, के. मंसूर अली, एन. नरसिंगा राव और अन्य टास्क फोर्स कर्मियों के साथ, आरजीआईए पुलिस के समन्वय से चलाया गया।

बेगमपेट कैब ड्राइवर मर्डर

कैब चुराने के आरोप में महाराष्ट्र का गैंग पकड़ा गया

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने बेगमपेट के कैब ड्राइवर राजशेखर (35) की हत्या का मामला सुलझा लिया है, जिनकी लाश पटनचेरु के रुद्राराम में मिली थी।

जांच में पता चला कि महाराष्ट्र के चार लोगों के एक गैंग ने उनकी कैब चुराने के लिए हत्या की योजना बनाई थी। राजशेखर, जो कैब ड्राइवर के तौर पर काम करते थे और एक सॉफ्टवेयर कंपनी के कर्मचारियों को ट्रांसपोर्ट सर्विस देते थे, अपनी गाड़ी में पैसेंजर को बिठाने के बाद लापता हो गए थे।

उनके परिवार ने 10 सितंबर को बेगमपेट पुलिस स्टेशन में उनके लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। बाद में 12 सितंबर को रुद्राराम में उनकी लाश मिली।

मिली जानकारी के मुताबिक, संदिग्धों ने कथित तौर पर पैसेंजर बनकर राजशेखर की कैब बुक की थी। गाड़ी के पटनचेरु पार करने के बाद, गैंग के सदस्यों ने कथित तौर पर ड्राइवर को सीट बदलने के लिए मजबूर किया और कार पर कब्ज़ा कर लिया। फिर उन्होंने राजशेखर पर हमला किया और तार से गला घोंटकर उनकी हत्या कर दी। पुलिस को शक है कि हत्या से पहले उनके चेहरे पर भी हमला किया गया था।

हत्या के बाद, गैंग कथित तौर पर कैब लेकर भाग गया और भागने से पहले राजशेखर की लाश को रुद्राराम के पास सड़क किनारे छोड़ दिया। बाद में कैब उस जगह से लगभग 50 किमी दूर, संगारेड्डी ज़िले के बुधेरा में एनएच-65 के पास उनकी लाश मिली थी।

शुरुआती जांच के दौरान, पुलिस को गाड़ी के अंदर बीयर की बोतलें और बिरयानी के पैकेट मिले। जांच अधिकारियों ने राजशेखर को जानने वाले एक दर्जन से ज़्यादा कैब ड्राइवरों से भी पूछताछ की, ताकि उनकी गतिविधियों का पता लगाया जा सके और संदिग्धों की पहचान की जा सके। बाद की जांच में यह बात सामने आई कि यह हत्या कथित तौर पर कैब चुराने की योजना का हिस्सा थी।

पुलिस ने संदिग्धों को हिरासत में ले लिया है और उनके पिछले आपराधिक रिकॉर्ड, घटनाक्रम की पूरी जानकारी और क्या वे कहीं और भी ऐसी ही घटनाओं में शामिल रहे हैं, इस बारे में जांच कर रही है।

गणेश पंडाल को लेकर हुए झगड़े में एक व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार रात लालागुडा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले तुकारामगेट इलाके में हमलावरों के एक समूह ने 40 वर्षीय एक व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी।

पुलिस के अनुसार, पीड़ित कार्तिक ने कथित तौर पर चार साल पहले अपने पड़ोस की एक महिला की उसके प्रेमी से शादी करने में मदद की थी, जिसका उसके परिवार ने कड़ा विरोध किया था। साथ ही, परिवार उससे रंजिश भी रखने लगा था। रविवार को गणेश मूर्ति पंडाल लगाने को लेकर दो समूहों के बीच बहस हो गई।

महिला के भाइयों और रिश्तेदारों ने कथित तौर पर कार्तिक पर चाकू से हमला किया और उसका गला रेत दिया। उसे गंभीर रूप से घायल हालत में गांधी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि झगड़े की सूचना मिलने पर पुलिस पहले मौके पर पहुंची थी, लेकिन दोनों समूहों को चेतावनी देकर चली गई। उन्होंने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया और दावा किया कि हत्या को रोका जा सकता था। लालागुडा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

गणेश पंडाल में करंट लगने से एमबीए छात्र की मौत

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार रात मोकिला पुलिस स्टेशन इलाके में आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी के एक प्राइवेट हॉस्टल में गणेश पंडाल में करंट लगने से एमबीए फर्स्ट ईयर के एक छात्र की मौत हो गई।

उसकी पहचान आर्य (22) के तौर पर हुई। मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार रात हॉस्टल में बने गणेश मंडप के पास बिजली के एक चालू तार के संपर्क में आने से आर्य को अचानक करंट लग गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हॉस्टल और कॉलेज के कर्मचारियों ने घटना की जानकारी उसके परिवार वालों को दी। मोकिला पुलिस करंट लगने की वजह की जांच कर रही है।

पोचारम में गणेश मूर्ति खरीदने को लेकर हुई झड़प में मौत

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पोचारम आईटी कॉरिडोर पुलिस स्टेशन इलाके में गणेश मूर्ति खरीदने वालों और बेचने वालों के बीच हुई झड़प के बाद कथित तौर पर 34 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई, जिससे इलाके में तनाव फैल गया।

मृतक की पहचान घाटकेसर मंडल के चौदारीगुडा निवासी पी. किरण के रूप में हुई है। वह रविवार को गणेश मूर्ति खरीदने गया था, तभी मूर्ति बेचने वालों के साथ उसकी बहस हो गई। यह विवाद जल्द ही मारपीट में बदल गया। पुलिस ने बताया कि मूर्ति बेचने वालों द्वारा हमला किए जाने के बाद किरण की मौत हो गई।

उसकी मौत के बाद, किरण के रिश्तेदारों और दोस्तों ने वारंगल-हैदराबाद नेशनल हाईवे पर विरोध प्रदर्शन किया और हमले में शामिल पांच लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इस विरोध प्रदर्शन के कारण हाईवे पर कुछ देर के लिए तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में किया। मामले की जांच चल रही है।

1.50 करोड़ रुपये का गांजा उगाने के आरोप में पिता-पुत्र गिरफ़्तार

कुमरम भीम आसिफ़ाबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जैनूर मंडल केंद्र पर प्रतिबंधित गांजे की फसल उगाने के आरोप में एक व्यक्ति और उसके बेटे को गिरफ़्तार किया गया। पुलिस ने नानूर मंडल के नागोलकोंडा गाँव में उनके कपास के खेत से 1.50 करोड़ रुपये की कीमत के 1,245 गांजे के पौधे ज़ब्त किए।

गिरफ़्तारी के बारे में एसपी नितिका पंत ने बताया कि अंबुरे पुंडलिक और उनके बेटे रमेश को उनके 10 एकड़ के कपास के खेत में दूसरी फसल के तौर पर प्रतिबंधित फसल उगाने के लिए हिरासत में लिया गया।

पुंडलिक को शुरू में रविवार रात जैनूर में वाहन जाँच के दौरान 11 ग्राम गांजा रखने के आरोप में हिरासत में लिया गया था।

पूछताछ के दौरान, पुंडलिक ने स्वीकार किया कि वह काफी समय से अपने खेत में बेटे की मदद से यह फसल उगा रहा था। पुलिस ने खेत में छापेमारी की और अपराध में रमेश की भूमिका के लिए उसे पकड़ने से पहले पौधे ज़ब्त किए।

नितिका ने कहा कि पौधों को गिनने में 10 घंटे से ज़्यादा का समय लगा, जिन्हें पहाड़ी इलाके के कारण पुलिसकर्मियों को सिर पर उठाकर ले जाना पड़ा। उन्होंने बड़े पैमाने पर गांजे की खेती का पता लगाने के लिए जैनूर पुलिस की सराहना की। पुलिस का अनुमान है कि ज़ब्त किए गए पौधों से आंकी गई कीमत से लगभग तीन गुना ज़्यादा आय हो सकती है।

नितिका ने आगे कहा कि वे खेती के पीछे के मुख्य लोगों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे बीजों के स्रोत और मार्केटिंग चैनलों की जाँच कर रहे हैं। उन्होंने गांजा उगाने, तस्करी करने और बेचने में शामिल लोगों के खिलाफ़ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.